नई दिल्ली
शुक्रवार
19 अप्रैल, 2024
वर्षः 10, अंकः 227
पृष्ठः 08, मूल्य 2 रु0

E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सद्भावना टुडे

आवाज़ अधिकार की

तेजस्वी ने लोक लुभावन वादों के साथ किया...पेज-05

DELHIN/2014/58158

आईपीएल के इंपैक्ट खिलाड़ी नियम से भारतीय...पेज-07

हिन्दी में प्रकाशित होने वाला सबसे लोकप्रिय दैनिक समाचार पत्र
'सद्भावना टुडे'
में विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें :-
011-43678240
E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

एक नजर

ईरान से भारत पहुंची एमएससी एरीज़ की चालक दल की एक सदस्य

नई दिल्ली। ईरानी सुरक्षा बलों की हिरासत में कंटेनर जहाज़ एमएससी एरीज़ के चालक दल के सदस्यों में शामिल भारतीय महिला सदस्य सुश्री एन टेसा जोसेफ सुरक्षित रिहाई के बाद गुरुवार को स्वदेश पहुंच गयीं। विदेश मंत्रालय ने आज यहां यह जानकारी दी कि तेहरान स्थित भारतीय मिशन और ईरानी सरकार के ठोस प्रयासों के फलस्वरूप, केरल के त्रिशूर से भारतीय डेक कैडेट सुश्री एन टेसा जोसेफ, जो कंटेनर जहाज एमएससी एरीज़ के भारतीय चालक दल के सदस्यों में से थीं, आज दोपहर अपने गृहनगर कोच्चि पहुंच गयीं। कोचीन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कोच्चि के विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधि के रूप में क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी ने सुश्री जोसेफ का स्वागत किया। विदेश मंत्रालय ने बताया कि जहाज़ में शेष 16 भारतीय चालक दल के सदस्यों के साथ भारतीय मिशन संपर्क में हैं और उनकी सेहत अच्छी है। चालक दल के सदस्य संचार माध्यमों से अपने परिवार के सदस्यों के संपर्क में हैं। इसके साथ ही भारतीय मिशन एमएससी एरीज़ के शेष चालक दल के सदस्यों की उचित देखभाल सुनिश्चित करने के लिए ईरानी अधिकारियों के साथ भी संपर्क में है। उल्लेखनीय है कि जहाज़ पर सवार चालक दल के भारतीय सदस्यों की रिहाई को लेकर विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने ईरानी विदेश मंत्री अमीर अब्दुल्लाहियन से बात की थी।

दुनिया में उथल पुथल के बीच मजबूत सरकार देश की जरुरत : मुख्तार अब्बास नकवी

रामपुर,एजेंसी। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने गुरुवार को कहा कि दुनिया में व्याप्त उथल-पुथल के माहौल के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मजबूत सरकार मुल्क की जरूरत है। पार्टी के जिला कार्यालय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए श्री नकवी ने कहा कि दुनिया के कई देश आज युद्ध की आशंका से ग्रसित है। देखा जाये तो दुनिया उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। ऐसे में देश और दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्थायित्व से भरपूर और मजबूत नेतृत्व वाली सरकार मुल्क की जरूरत है। उन्होने कहा कि आज ऐसी विपक्षी पार्टियां जो खुद अपने विरोधाभासों और महत्वाकांक्षाओं के टकराव में व्यस्त है। वह ना देश का भला कर सकते हैं, ना ही अपना। नकवी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की सुरक्षा, देशवासियों की समृद्धि और सुशासन की गारंटी है और इसलिए पूरे जुनून और जज्बे के साथ फिर एक बार मोदी सरकार के संकल्प को साकार करने के लिए सभी मतदाताओं को अपने मताधिकार का इस्तेमाल करना चाहिए।

आम चुनाव के पहले चरण में 102 सीटों पर मतदान की तैयारी पूरी

शुक्रवार सुबह सात बजे से मतदान

नई दिल्ली,एजेंसी। आम चुनाव के पहले चरण में 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) में 102 संसदीय सीटों के लिए शुक्रवार सुबह सात बजे मतदान शुरू होगा। जिसके लिए चुनाव अधिकारी मतदान केन्द्रों पर पहुंचा दिये गये हैं। पहले चरण में लोक सभा के साथ साथ अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम विधानसभा कुल 92 सीटों के लिए भी मतदान कराये जाएंगे। चुनाव आयोग ने निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए हैं और उम्रदराज और दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं।

लोक सभा के पहले चरण के चुनाव में 16.63 करोड़ मतदाता केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी, किरेन रिजिजू, अर्जुन राम मेघवाल सहित कुल आठ केन्द्रीय मंत्रियों, दो पूर्व मुख्यमंत्रियों और एक पूर्व राज्यपाल 1605 प्रत्याशी के चुनावी भविष्य का फैसला करेंगे। आयोग की ओर से गुरुवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार मतदान कल सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक मतदान कराया जाएगा। आयोग के अनुसार संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों पर मतदान के समय अलग-अलग भी हो सकते हैं। इसके लिए सभी मतदान केन्द्रों पर चुनाव कराने वाली अधिकारियों की टीमें ईवीएम मशीनों के साथ पहुंचा दी गयी हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने आम चुनाव-2024 के पहले चरण के मतदान दिवस की पूर्व संध्या पर देश के 97 करोड़ मतदाताओं के नाम संदेश में कहा, आप अपना वोट डालें और 'चुनाव का पर्व, देश का गर्व' के उत्सव में भाग लें। निर्वाचन आयोग ने चुनाव को सहभागिता के साथ स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तथा प्रलोभन मुक्त रखने और इसके लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। आयोग इन चुनावों के लिए पिछले दो वर्षों से तैयारी कर रहा है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त कुमार और निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और श्री सुखबीर सिंह संधू ने चुनाव की तैयारी को अंतिम रूप दिया। पहले चरण में मताधिकार प्राप्त 16.63 करोड़ मतदाताओं में 8.4 करोड़ पुरुष और 8.23 करोड़ महिला तथा 11,371 उभयलिंगी मतदाता हैं। पहली बार मतदान करने वाले 35.67 लाख मतदाताओं ने वोट डालने के लिए पंजीकृत किया है। इसके अतिरिक्त 20-29 वर्ष आयु वर्ग के 3.51 करोड़ युवा मतदाता हैं। पहले चरण में भाग्य अजमाने के लिए 625 उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतरे है, जिनमें से 1491 पुरुष और 134 महिला उम्मीदवार हैं। पहले चरण के संसदीय चुनाव में आठ केन्द्रीय मंत्रियों, दो पूर्व मुख्यमंत्रियों और एक पूर्व राज्यपाल का चुनावी भविष्य इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में दर्ज होना है। इनमें सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, नागपुर लोकसभा क्षेत्र से तीसरी बार जीतने का प्रयास कर रहे हैं। केन्द्रीय पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री किरेन रिजिजू अरुणाचल पश्चिम सीट पर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस उम्मीदवार नबाम तुकी के सामने हैं। केन्द्रीय जहाजरानी जल मार्ग एवं बंदरगाह मंत्री सर्बानंद सोनोवाल असम में डिब्रूगढ़ और केन्द्रीय मंत्री संजीव बालियान मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश) से चुनाव लड़ रहे हैं। पहले चरण में प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेन्द्र सिंह के चुनावी भविष्य का निर्णय ऊधमपुर सीट पर हो जा रहा है और उनके सहयोगी भूपेन्द्र यादव राजस्थान की अलवर सीट से भाग्य आजमा रहे हैं। राजस्थान की ही बीकानेर सीट पर कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल का मुकाबला कांग्रेस के उम्मीदवार एवं पूर्व मंत्री गोविन्द राम मेघवाल से है। पहले चरण के अन्य प्रमुख प्रत्याशियों में पूर्व मंत्री एवं द्रमुक सांसद ए राजा का भाग्य नीलगिरि सीट के मतदाताओं के निर्णय से तय होगा। शिवगंगा सीट पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री पी चिदंबरम के पुत्र कार्ति चिदंबरम पुनः जीत का प्रयास कर रहे हैं। हाल तक तेलंगाना की राज्यपाल रहीं तमिलसाई सौन्दरराजन भाजपा के टिकट पर चेन्नई दक्षिण सीट पर उम्मीदवार हैं। पश्चिम त्रिपुरा सीट पर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अपना भाग्य आजमा रहे हैं। मणिपुर के कानून एवं शिक्षा मंत्री तथा भाजपा उम्मीदवार बसंत कुमार सिंह इनर मणिपुर सीट पर जेएनयू की प्रोफेसर एवं कांग्रेस उम्मीदवार विमल ओकोईजाम के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा प्रत्याशी कोयम्बटूर से के. अन्नामलाई, द्रविड मुनेत्र कषगम प्रत्याशी कनिमोझी थुथुकुडी से, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी जितिन प्रसाद पीलीभीत से, कांग्रेस से मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के पुत्र नकुलनाथ छिंदवाडा से भाग्य आजमा रहे हैं।

ईवीएम-वीवीपैट पर सुनवाई पूरी
सुप्रीम कोर्ट का फैसला सुरक्षित

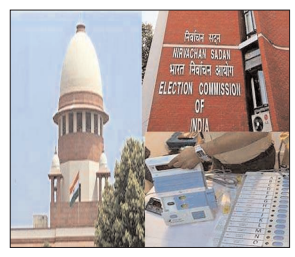

नई दिल्ली,एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने चुनाव में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से पड़े मतों के साथ वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) की पर्चियों की 100 फीसदी गिनती या फिर मतपत्रों से चुनाव कराने की पुरानी व्यवस्था लागू करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई पूरी होने के बाद गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें विस्तारपूर्वक सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।पीठ ने सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग से ईवीएम और वीवीपैट की वर्तमान व्यवस्था में उम्मीदवारों के प्रतिनिधि के शामिल होने, छेड़छाड़ रोकने सहित तमाम चुनावी प्रक्रियाओं और कार्यप्रणालियों से संबंधित तमाम आशंकाओं को दूर करने को कहा। याचिकाएं एनजीओ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स और अन्य की ओर से दायर की गई थीं। उन याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान पीठ ने उप चुनाव आयुक्त नितेश व्यास से पूछा, आप हमें पूरी प्रक्रिया बताएं कि उम्मीदवारों के प्रतिनिधि कैसे शामिल होते हैं और छेड़छाड़ कैसे रोकी जाती है। शीर्ष अदालत ने कहा कि ईवीएम और वीवीपैट की चुनावी प्रक्रिया और कार्यप्रणाली से संबंधित कोई भी आशंका नहीं रहनी चाहिए।पीठ ने कहा, हम चाहते हैं कि या तो आपको या किसी अन्य अधिकारी को अदालत कक्ष के अंदर या बाहर के लोगों की सभी आशंकाओं को दूर करना चाहिए... यह एक चुनावी प्रक्रिया है। इसमें पवित्रता होनी चाहिए। किसी को भी यह आशंका नहीं होनी चाहिए कि कुछ ऐसा किया जा रहा है, जिसकी अपेक्षा नहीं की जाती है। शीर्ष अदालत के समक्ष चुनाव अधिकारी ने ईवीएम, इसकी नियंत्रण इकाई, मतपत्र इकाई और वीवीपैट की प्रक्रिया को समझाया।शीर्ष अदालत ने यह भी जानना चाहा कि वीवीपैट और ईवीएम के बीच कोई विसंगति तो नहीं है? पीठ ने पूछा, अगर किसी मतदाता को यह (वीवीपैट) पर्ची थमा दी जाए कि उसने अपना वोट डाल दिया है तो इसमें क्या नुकसान है? इस पर चुनाव अधिकारी ने कहा कि इससे वोटों की गोपनीयता प्रभावित होने के साथ ही जानबूझकर शरारत की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

मदद मांगने वाले देशों की बजाय मदद करने वाला देश बना भारतः ठाकुर

जामनगर,एजेंसी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने गुरूवार को यहां कहा भारत मदद मांगने वाले देशों की बजाय मदद करने वाला देश बना है। श्री ठाकुर ने गुजरात के जामनगर में पार्टी के चुनावी प्रचार कार्यक्रम में कहा कि पिछले दस वर्षों में मोदी जी ने भारतवर्ष के चारों अमृत स्तंभ यानी युवा, महिलाएं, किसान और गरीब को जो विकास और सम्मान दिया है। आज भारत तेजी से गरीबी को मिटाकर आत्मनिर्भर तो बन ही रहा है, इसके साथ ही उन्होंने अपने तीसरे कार्यकाल यानी मोदी 3.0 में देश को विकसित राष्ट्र बनाने हेतु अभी से ब्लूप्रिंट पर काम करना चालू कर दिया है। अगले तीन वर्षों में हमारा देश विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री ने कहा कि मोदी जी के दस वर्षों का यह सुशासन देश के लिए बेहद जरूरी था। उन्होंने सेवा, सुशासन और जनकल्याण में परिवर्तित कर दिया है। इंडी एलायंस के लोग देश को जाति, धर्म, क्षेत्र और भाषा के नाम पर बांटने वाले और हम जोड़ने वाले हैं। मोदी जी ने सदैव हिमाचल प्रदेश को अपना दूसरा घर माना है। हिमाचल प्रदेश का विकास उनकी प्राथमिकताओं में हमेशा शीर्ष पर रहा है इसीलिए एक छोटे पहाड़ी राज्य को पिछले दस वर्षों में उन्होंने इतना दिया है जिसकी पहले कभी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। श्री अनुराग ठाकुर ने आगे कहा जो भारत पहले आपदाओं के समय दूसरों से मांगता था वह आज दूसरों को देने वाला बन गया है। कोविड महामारी ने पूरे विश्व में कोहराम मचाया तब भारत ने अपने यहां न सिर्फ रिकॉर्ड टाइम में दो स्वदेशी वैक्सीन बनाए बल्कि दूसरे देशों को देते हुए अपने 220 करोड लोगों को निशुल्क टीके भी दिए। 2014 से पहले देश में स्टार्टअप का नाम भी कोई नहीं जानता था, आज हम विश्व की तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम हब बन चुके हैं।

चुनाव आयोग ने दूसरे चरण के चुनाव की अधिकारियों के साथ की समीक्षा

नई दिल्ली,एजेंसी। निर्वाचन आयोग ने लोक सभा चुनाव 2024 के दूसरे चरण के चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए गुरुवार को केन्द्रीय पर्यवेक्षकों और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। दूसरे चरण के चुनाव के लिए 12 राज्यों की 88 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में 26 अप्रैल को मतदान कराये जाएंगे और मतगणना चार जून को होगी। आयोग की विज्ञप्ति के अनुसार आज की ऑनलाइन समीक्षा बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और दोनों चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, सुखबीर सिंह संधू ने भाग लिया। बैठक में इन क्षेत्रों से संबंधित 89 सामान्य पर्यवेक्षक, 53 पुलिस पर्यवेक्षक और 109 व्यय पर्यवेक्षकों ने भाग लिया।

आयोग ने अधिकारियों से सख्ती से यह सुनिश्चित करने को कहा कि गर्मी को देखते हुए मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की सुविधा के लिए यथासंभव सभी प्रबंध किये जाएं। बैठक में चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए पर्यवेक्षकों को आयोग द्वारा पहले से अधिसूचित नियमों और प्रक्रियाओं तथा व्यवस्थाओं का पालन करने का कहा गया है। दूसरे चरण में शामिल राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में- असम, बिहार, छत्तीसगढ़, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के अलावा बाहरी मणिपुर संसदीय क्षेत्र में 13 विधान सभा क्षेत्रों में दूसरे चरण में वोट डाले जाएंगे। अधिकारियों को चुनाव ड्यूटी के लिए उपलब्ध कराये जा रहे केंद्रीय बलों/राज्य पुलिस बलों का विवेकपूरक उपयोग करने का कहा गया है और किसी भी दल और उम्मीदवार के साथ तटस्थता बनाए रखने की पूरी हिदायत दी गयी है। बैठक में आयोग की ओर से कहा गया कि मतदान केन्द्रों के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम)/वीवीपैट एवं मतदान कर्मियों के बारे में निर्णय पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में बिना पूर्व योजना के किया जाए। उन्हें ईवीएम को उम्मीदवारों या उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में चालू करने की हिदायत दी गयी है। दूसरे चरण के 88 सीटों में होने वाले मतदान के लिए 85 वर्ष अधिक और दिव्यांग मतदाता हैं, जिन्हें अपने घर से आराम से मतदान करने का विकल्प प्रदान किया जाएगा और चुनाव ड्यूटी, आवश्यक कर्तव्यों और सेवा मतदाताओं के लिए पोस्टल बैलेट की प्रक्रिया प्रदान की जाएगी।

तानाशाही के ख़िलाफ़ मज़बूती से लड़ते रहेंगेः आप

नई दिल्ली,एजेंसी। आम आदमी पार्टी ने पार्टी विधायक अमानतुल्लाह ख़ान की गिरफ़्तारी पर कहा कि भाजपा की तानाशाही के ख़िलाफ़ मज़बूती से हम लड़ते रहेंगे। आप की वरिष्ठ नेता आतिशी ने 'एक्स' पर कहा भाजपा वालों तुम चाहे आम आदमी पार्टी के हर नेता, हर कार्यकर्ता को जेल में डाल दो; दिल्ली के लोग फिर भी आम आदमी पार्टी को ही वोट देंगे। तुम चाहे कितना भी डरा लो; हम झुकने वाले नहीं हैं, हम डरने वाले नहीं है! हम तुम्हारी तानाशाही के ख़िलाफ़ मज़बूती से लड़ते रहेंगे।

इससे पहले आप नेता संजय सिंह ने कहा मोदी सरकार ऑपरेशन लोटस में पूरी तरह जुट गई है। मंत्रियों विधायकों पर फर्जी मामले बनाकर उनको गिरफ़्तार किया जा रहा है। अमानतुल्लाह ख़ान के विरुद्ध बेबुनियाद मामला बनाकर ईडी द्वारा ने उनको गिरफ़्तार करने की तैयारी की जा रही है। तानाशाही का अंत जल्द होगा।

मोदी के हाथों में पहुंची, अनूठी कॉफी टेबल बुक 'सबके राम'

संजय सिंह, वरिष्ठ पत्रकार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज आह्वान किया कि श्रीराम जन्मभूमि के मंदिर के लिए सदियों के संघर्ष, बलिदान, समर्पण, त्याग, विजय एवं सामाजिक चेतना के उद्घोष की कहानी पूरे विश्व के भारत वंशियों तक पहुंचनी चाहिए। श्री मोदी ने यहां भारत प्रकाशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक अरुण गोयल एवं पांचजन्य के संपादक हितेश शंकर के हाथों पांचजन्य द्वारा एक कॉफी टेबल बुक सबके राम के रूप में प्रकाशित 500 वर्षों के श्री राम जन्मभूमि के संघर्ष की गाथा को ग्रहण करने के बाद उक्त उद्गार व्यक्त किये। खास बात यह है कि इस पुस्तक को पढ़ने के साथ साथ हिंदी और अंग्रेजी में सुना भी जा सकता है। इस पुस्तक में भगवान राम और उनकी अयोध्या के बारे में वैज्ञानिकता से देखने का प्रयास किया गया है। यह किताब साक्ष्यों के आधार पर लोगों के अनेकों अनसुलझे प्रश्नों का उत्तर देगी। डिजीटल सुविधा से संपन्न इस अनूठी कॉफी टेबल बुक को हाथ में जैसे ही प्रधानमंत्री ने लिया, वैसे ही सुंदरकांड की चौपाई रामकाज कीन्हे बिनु मोहि कहां विश्राम गूंजी। इसे सुन कर प्रधानमंत्री श्री मोदी भावुक हो गये। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की सभी प्रमुख विभूतियों और अलग-अलग देश में सभी भारतवंशियों तक सदियों के संघर्ष और सत्य की जीत की यह गाथा अवश्य पहुंचे।

श्री हितेश शंकर ने पुस्तक की विषयवस्तु पर चर्चा करते हुए कहा कि भारत के कण कण में राम हैं। आध्यात्म, इतिहास, मिथक या विज्ञान क्या है। सबके राम, राम जन्म भूमि और जन्म तिथि का सच, अयोध्या के इतिहास को उसके वर्तमान से जोड़ता अध्याय, ऐसी तमाम बातों को कहती एक अनूठी पुस्तक है। अयोध्या में राम मंदिर के लिए 500 वर्षों का संघर्ष अब सार्थक हो गया है। दुनिया भर के करोड़ों रामभक्तों का अपने आराध्य की जन्मभूमि पर मंदिर का सपना साकार हो चुका है। इस पुस्तक में राम मंदिर की नींव में दबे समर्पण, त्याग, बलिदान और सामाजिक चेतना के उद्घोष की अनकही कहानियां हैं। उन्होंने कहा कि संघर्षों की कहानियों, प्रभु राम से जुड़ी आस्थाओं, पौराणिक कथाओं से जुड़े इतिहास और तथ्यों को इस पुस्तक में ज्ञान की प्रामणिकता के साथ एक नए स्वरूप में लाया गया है। इस किताब में आडियो के रूप में प्रभु राम से जुड़ी वह सारी जानकारी मिलेगी जो उनके विराट रूप को सिर्फ भारत में नहीं बल्कि पूरे विश्व के लिए आदर्श का प्रतीक बनाता है। श्री हितेश शंकर के अनुसार इस पुस्तक में भारत की ऐसी महान विभूतियों के राम नाम पर विचार पढ़ने एवं सुनने को मिलेंगे जो देश ही नहीं बल्कि दुनियाभर में जाने जाते हैं। इस पुस्तक के माध्यम से आपको पता चलेगा कि क्यों प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी अयोध्या को राष्ट्रीय अभिमान कहते थे।

डॉ विजय कुमार यादव एएमएचएसएससी के नये मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त

नई दिल्ली। कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय के अधीन कार्यरत अपैरल, मेड अप्स और होम फर्निशिंग सेक्टर स्किल काउंसिल (एएमएचएसएससी) डॉ. विजय कुमार यादव को अपना मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। डॉ यादव की नियुक्ति एक अप्रैल 2024 से प्रभावी हो गयी है। डॉ यादव के पास कपड़ा उद्योग में 22 वर्षों से अधिक का अनुभव है और साथ ही यह विभिन्न कंपनियों के शीर्ष पदों पर कार्यरत रहे हैं। एएचएसएसएससी के अध्यक्ष डॉ ए सक्तिवेल ने नये सीईओ का स्वागत किया और कहा कि उन्होंने अपने करियर में टेक्सटाइल्स और परिधान की गहरी समझ के साथ दूरदर्शी दृष्टिकोण को अपनाते हुये अपनी उपलब्धियों में रिकॉर्ड कायम किया है। डॉ. यादव ने कहा कि परिधान उद्योग को कुशल कार्यबल उपलब्ध कराने के लिये समर्पित एएमएचएसएससी का नेतृत्व करना उनके लिये गर्व और सम्मान की बात है।

उन्होंने कहा, प्रतिभाशाली टीम के साथ एएमएचएसएससी को कपड़ा और परिधान के कौशल पारिस्थितिकी तंत्र में और आगे बढ़ाने के लिये प्रतिबद्ध हूँ। अपने सभी उद्योग पार्टनर, ट्रेनिंग और अकादमिक पार्टनर एवं अन्य हितधारकों के साथ मिलकर अपैरल स्किल इकोसिस्टम को नयी बुलंदियों तक पहुंचाने की दिशा में काम किया जायेगा।

ईडी ने जेल में केजरीवाल के भोजन को लेकर झूठ बोला, उनकी जान लेने का 'षडयंत्र': आतिशी

मो. हबीबुल्लाह उर्फ मुन्ना, सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की कैबिनेट मंत्री आतिशी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल में मिल रहे घर के भोजन को रोककर उनकी जान लेने का %बड़ा षडयंत्र% रचा जा रहा है। केजरीवाल को दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया है। ईडी ने एक अदालत में दावा किया है कि आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख %टाइप 2% मधुमेह से पीड़ित होने के बावजूद हर दिन आम और मिठाई जैसे उच्च शर्करा वाले खाद्य पदार्थ खा रहे हैं ताकि मेडिकल आधार पर ज़मानत मिल सके। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और ईडी मामलों की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा के समक्ष ईडी ने यह दावा किया। न्यायाधीश ने तिहाड़ जेल अधिकारियों को मामले में रिपोर्ट दायर करने का निर्देश दिया जिसमें केजरीवाल का भोजन का चार्ट भी शामिल हो। इसके कुछ घंटे बाद आतिशी ने आरोप लगाया।

एक संवाददाता सम्मेलन में आतिशी ने ईडी पर मुख्यमंत्री के भोजन के बारे में झूठ बोलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केजरीवाल के स्वास्थ्य को बिगाड़ने के लिए अनुषांगिक संगठन ईडी के जरिए कोशिश कर रही है। आतिशी ने आरोप लगाया, वे केजरीवाल को जेल में मिल रहे घर के भोजन को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। ईडी ने अदालत में झूठ बोला और कहा कि केजरीवाल मीठी चाय पी रहे हैं और मिठाई खा रहे हैं। यह पूरी तरह से झूठ है। मंत्री ने कहा कि केजरीवाल वैकल्पिक शर्करा से बनी चीज़े ले रहे हैं। आतिशी ने कहा कि ईडी ने अदालत को बताया कि केजरीवाल केले खा रहे हैं। उन्होंने कहा, कोई डॉक्टर आपको बताएगा कि मधुमेह के रोगियों को केला या कोई टॉफी या चॉकलेट रखने के लिए कहा जाता है क्योंकि रक्त में शर्करा के स्तर में गिरावट जीवन के लिए खतरनाक हो सकती है। ईडी कह रही है कि वह आलू पूड़ी खा रहे हैं। ईडी को इतना झूठ बोलने के लिए थोड़ा तो भगवान से डरना चाहिए। उन्होंने (केजरीवाल ने) सिर्फ नवरात्र के पहले दिन पूड़ी खाई थी। मंत्री ने आरोप लगाया, भाजपा और ईडी ये झूठ बोल कर कोशिश कर रहे हैं कि केजरीवाल को मिल रहा घर का खाना रोका जाए। उन्होंने कहा कि एक बार उन्हें मिल रहा घर का खाना रुक गया, तो उसके बाद उन्हें तिहाड़ जेल में कब और क्या खिलाया जा रहा है, किसी को पता नहीं चलेगा। आतिशी ने आरोप लगाया कि पिछले कुछ दिनों से केजरीवाल के रक्त में शर्करा का स्तर 300 एमजी/डीएल से ज्यादा है, लेकिन तिहाड़ जेल के अधिकारी इंसुलिन लेने की अनुमति नहीं दे रहे हैं। %आप% नेता ने आरोप लगाया कि यह केजरीवाल को मिल रहे घर के भोजन को रोककर उनकी जान लेने की कोशिश है।

आनंद विहार में बन रहा ट्रांसपोर्ट का मल्टीमॉडल इंटीग्रेशन हब

सैफुल्लाह सिद्दीकी, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। आरआरटीएस कॉरिडोर का आनंद विहार स्टेशन ट्रांसपोर्ट का मल्टीमॉडल इंटीग्रेशन हब बनेगा। एनसीआरटीसी ने नमो भारत ट्रेन का संचालन शुरू करने से पहले आनंद विहार स्टेशन पर मेट्रो और आरआरटीएस कॉरिडोर को जोड़ने का काम पूरा कर लिया है। दोनों स्टेशनों को कॉनकोर्स लेवल पर जोड़ने के लिए पाथवे बनाया गया है। नमो भारत ट्रेन का संचालन शुरू हो जाने के बाद इस ट्रेन से उतरकर ब्लू लाइन और पिंक लाइन मेट्रो में सफर करने के लिए यात्रियों को स्टेशन से बाहर नहीं निकलना पड़ेगा। वह इस पाथवे के जरिए एक ट्रेन से दूसरी ट्रेन तक पहुंच सकेंगे। यहां से लोग अन्य राज्यों के लिए बस और रेल का सफर भी शुरू कर सकेंगे।

एनसीआरटीसी के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पुनीत वत्स ने बताया कि दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर पर आनंद विहार के आरआरटीएस स्टेशन को मेट्रो स्टेशन के नजदीक बनाया गया है। आनंद विहार स्टेशन का ढांचा अब कॉनकोर्स लेवल तक बनकर तैयार हो चुका है। अब मेट्रो और आरआरटीएस के स्टेशनों को आपस में जोड़ दिया गया है। यात्रियों की सुविधा के लिए आनंद विहार आरआरटीएस स्टेशन को इस तरह डिजाइन किया गया है, ताकि यात्रियों के लिए यातायात के अन्य संसाधनों से बेहतर कनेक्टिविटी मिल सके। मल्टीमॉडल इंटीग्रेशन प्लान के तहत यहां आरआरटीएस स्टेशन को न सिर्फ मेट्रो लाइन से बल्कि रेल नटवर्क, अंतरराज्यीय बस अड्डे समेत सभी परिवहन साधनों से कनेक्ट किया गया है। इससे बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों व अन्य यात्रियों को एक ट्रांसपोर्ट सिस्टम से दूसरे ट्रांसपोर्ट सिस्टम तक आवागमन करने में आसानी होगी। मेट्रो और आरआरटीएस स्टेशन के कॉनकोर्स लेवल को आपस में जोड़ने के लिए एस्कलेटर और लिफ्ट लगाई गई हैं, ताकि यात्री एक से दूसरे स्टेशन तक आसानी से पहुंच सके। दिल्ली सेक्शन पर बनाया जा रहा आनंद विहार स्टेशन भूमिगत होगा। 297 मीटर लंबे और 35 मीटर चौड़े इस स्टेशन पर प्लेटफार्म व कॉनकोर्स लेवल बनकर तैयार हो गए हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए यहां तीन लिफ्ट लगाई गई हैं। इनमें एक लिफ्ट कॉनकोर्स से प्लेटफॉर्म पर जाने और दो मेट्रो स्टेशन तक आवागमन के लिए बनाई गई हैं। यहां पांच एस्कलेटर भी लगाए जा चुके हैं। इनमें तीन एस्कलेटर्स कॉनकोर्स से प्लेटफॉर्म पर आवागमन के लिए और दो मेट्रो स्टेशन को जोड़ने के लिए लगाए गए हैं। एनसीआरटीसी के सीपीआरओ ने बताया कि स्टेशन में ट्रैक बिछाने का काम तेजी से किया जा रहा है और फ्लोरिंग का काम अंतिम चरण में है।

कांग्रेस-आप के भ्रष्ट गठबंधन को सहन नहीं करेगी जनता: धनखड़

नई दिल्ली। प्रदेश प्रभारी ओमप्रकाश धनखड़ ने प्रदेश कार्यालय में बृहस्पतिवार को मोर्चा पदाधिकारियों के साथ संगठनात्मक बैठक की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आप और कांग्रेस का गठबंधन कच्ची नींव पर आधारित है। भ्रष्टाचार में लिप्त दिल्ली सरकार देश की राजधानी में अराजकता का माहौल पैदा करना चाहती है। अदालत ने मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी को कानूनी रूप से वैध ठहराया है। इसके बावजूद वे त्यागपत्र नहीं दे रहे हैं। जनता कांग्रेस-आप के भ्रष्ट गठबंधन को सहन नहीं करेगी। धनखड़ ने पार्टी पदाधिकारियों से आह्वान किया कि दिल्ली के हर मतदाता तक केजरीवाल सरकार के भ्रष्टाचार की पोल खोलनी चाहिए। कांग्रेस अपने घोषणा पत्र में न्याय देने की बात कह रही है, कांग्रेस क्या शराब के घोटालेबाजों को बचाने को ही न्याय देने की बात कर रही है। बैठक में सह प्रभारी डॉ. अलका गुर्जर, प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, संगठन महामंत्री पवन राणा सहित सभी मोर्चा के प्रभारी, सह प्रभारी, अध्यक्ष, महामंत्री और अभियान प्रमुख मौजूद रहे। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री केजरीवाल को एक ऐसी जेल में भेजना चाहिए जहां उनकी सरकार न हो। जेल में वह संयमित की जगह ऐसा आहार ले रहे हैं जो मधुमेह रोगी के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। अगले कुछ महीनों में उन्हें जमानत मिलने की संभावना नहीं है इसलिए वे चिकित्सा जमानत पर बाहर निकलने के लिए बेचैन हैं। तिहाड़ दिल्ली सरकार के अधीन है, इसलिए मुख्यमंत्री आसानी से अप्रमाणित खाद्य सामग्री खा रहे हैं।

हम दोनों पदों पर जीत दर्ज करेंगे: राजा इकबाल

नई दिल्ली। भाजपा ने अपने दोनों जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले पार्षद व कार्यकर्ताओं को प्रत्याशी बनाया है और हम दोनों पदों पर जीत दर्ज करेंगे। दिल्ली नगर निगम में नेता विपक्ष राजा इकबाल सिंह ने अपने दोनों भाजपा पार्षदों का महापौर और उपमहापौर पद पर नामांकन दाखिल कराने के बाद उक्त दावा किया है। उन्होंने बताया कि गुरूवार को वरिष्ठ भाजपा पार्षदों की उपस्थिति में निगम सचिव कार्यालय में महापौर पद के लिए भाजपा पार्षद कृष्ण लाल और उप महापौर पद पर नीता बिष्ट ने नामांकन किया।

राजा इकबाल सिंह ने बताया कि आप सरकार के निगम में दो वर्ष हो गए हैं जिससे विकास की गति रूक गई है। आप ने जानबूझकर दिल्ली का विकास रोकने के लिए स्थायी समिति और वार्ड समितियों के अलावा तदर्थ और विशेष समितियों का गठन नहीं किया। जिसकी वजह से आप पार्षदों में भी नाराजगी है। वहीं, दिल्ली की जनता भी विकास रुकने से आप पार्टी से नाराज है। राजा इकबाल सिंह ने बताया कि कृष्ण लाल शकरपुर वार्ड से भाजपा पार्षद हैं। जबकि उप महापौर पद पर प्रत्याशी नीता बिष्ट सादतपुर वार्ड से पार्षद है। दोनों पार्षदों के तौर पर कार्य प्रशंसनीय है। महापौर पद के प्रत्याशी कृष्ण लाल ने बताया कि हमारी पहली प्राथमिकता दिल्ली के विकास को रफ्तार देने का काम करना होगा। यह कार्य स्थायी समिति के गठन के बिना नहीं हो सकता है। महापौर बनने के एक माह के भीतर स्थायी समिति का गठन कराएंगे। साथ ही वार्ड कमेटियों का गठन कराएंगे। उन्होंने कहा कि आवारा पशुओं व आवारा कुत्तों से होने वाली घटनाओं पर लगाम के लिए एक टास्क फोर्स भी गठित करेंगे। उपमहापौर पद की प्रत्याशी नीता बिष्ट ने कहा कि पार्कों की स्थिति को सुधारेंगे साथ ही निगम स्कूलों की जो हालत आप सरकार के आने से खस्ता हो गई है उसको प्राथमिकता के आधार पर ठीक करेंगे। नामांकन के दौरान उप नेता जय भगवान यादव, भाजपा पार्षद योगेश वर्मा, अमित नागपाल, राजपाल, हरीश ओबेराय, शिखा राय, प्रवेश वाही, कमल बांगड़ी समेत कई वरिष्ठ पार्षद मौजूद रहे।

दोहरे हत्याकांड में श्रेयांश के पूरे परिवार के शामिल होने की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी। शकरपुर में हुए दोहरे हत्याकांड की असली वजहों से पर्दा उठना अभी बाकी है। पत्नी कमलेश और साले रामप्रताप की हत्या करने के बाद समर्पण करने वाला श्रेयांश (33) लगातार पुलिस को गुमराह करने का प्रयास कर रहा है। इस बात का भी पता करने का प्रयास किया जा रहा है कि जब श्रेयांश की अपनी पत्नी से अनबन थी, तो उसने साले की हत्या क्यों की। छानबीन के दौरान पुलिस को पता चला है कि हत्याकांड के बाद क्राइम सीन के साथ छेड़छाड़ कर सबूत भी मिटाने का प्रयास किया गया था। इसमें परिवार ने उसका सहयोग किया। पुलिस श्रेयांश के अलावा कमलेश के सास-ससुर, देवर और देवरानी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। छानबीन के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने बृहस्पतिवार को सब्जी मंडी मोर्चरी में कमलेश और रामप्रताप के शव पोस्टमार्टम के बाद परिवार के हवाले कर दिए हैं। दोनों के शव लेकर परिजन मथुरा रवाना हो गए। पुलिस के अलावा क्षेत्रीय एसडीएम भी जांच कर रहे हैं। पुलिस उपायुक्त अपूर्वा गुप्ता ने बताया कि परिजनों के बयान रिकॉर्ड कर लिए गए हैं। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि पूछताछ के दौरान लगातार श्रेयांश का परिवार अपने-अपने बयान बदल रहा है। कभी वह कमलेश के चरित्र पर उंगली उठाते हैं, तो कभी छोटी-छोटी बात पर कमलेश के झगड़ा करने की बात करते हैं। क्राइम टीम के अलावा एफएसएल की टीम ने जब क्राइम सीन का मुआअना किया तो वहां छेड़छाड़ मिली। इस आधार पर पुलिस परिवार के भी हत्याकांड में शामिल होने की आशंका जता रही है। एक-एक कर पुलिस सभी लोगों से पूछताछ कर रही है। बता दें कि शकरपुर में बुधवार सुबह श्रेयांश ने अपनी पत्नी कमलेश और साले रामप्रताप सिंह की पेचकस से वार कर हत्या कर दी थी। कमलेश के परिजनों ने दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाया है। मूलरूप से मथुरा के गोवर्धन स्थित अमर कॉलोनी की रहने वाली कमलेश की करीब तीन साल पहले आईटी इंजीनियर श्रेयांश कुमार से शादी हुई है। दोनों का दो साल का बेटा काव्य है। कमलेश के परिवार में पिता प्रीतम हाल्कर, मां प्रेमवती, बड़ा भाई विश्वनाथ प्रताप सिंह व एक छोटी बहन इशा धनकर उर्फ कंचन है। कमलेश के बड़े भाई आयकर विभाग दिल्ली में नौकरी करते हैं जबकि उसकी छोटी बहन कंचन नेशनल हॉकी खिलाड़ी है, वह मथुरा की टीम से खेलती है। पिता मथुरा के स्टेडियम में काम करते हैं। बेटी कमलेश और बेटे राम प्रताप की मौत के बाद से मथुरा स्थित घर में कोहराम है। कमलेश पति श्रेयांश व ससुराल वालों के साथ दिल्ली के शकरपुर में रहती थी। वह साहिबाबाद के एक स्कूल में टीचर थी। पति श्रेयांश पहले बंगलुरु की कंपनी में नौकरी करता था। वहीं राम प्रताप ने इसी साल 12वीं कक्षा के एग्जाम दिए थे। वह 14 अप्रैल को भांजे काव्य के जन्मदिन में शामिल होने मथुरा से दिल्ली आया था। इस बीच श्रेयांश ने कमलेश और राम प्रताप की पेचकस से वार कर हत्या कर दी। बाद में खुद जाकर थाने में संपर्ण कर दिया।

आप ने महेश खिची को महापौर और रविंद्र भारद्वाज को उपमहापौर का उम्मीदवार बनाया

शबाना बेगम, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली नगर निगम के महापौर के लिए महेश खिची और उपमहापौर पद के लिए रविंद्र भारद्वाज को उम्मीदवार बनाया हैं। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक एवं कैबिनेट मंत्री गोपाल राय और निगम के प्रभारी दुर्गेश पाठक ने महापौर उपमहापौर प्रत्याशी की घोषणा करते हुए आज कहा कि पहले भी दिल्ली के लोग लोकसभा, विधानसभा और निगम के चुनाव में वोट देकर अपना प्रतिनिधि चुनती रही है लेकिन अरविंद केजरीवाल के उदय के बाद पहली बार दिल्ली और देश में काम की राजनीति शुरू हुई है। वहीं, दूसरी तरफ लोग भाजपा की नकारात्मक राजनीति से धीरे-धीरे दूर होते गए। दिल्ली विधानसभा में दूसरी बार बुरी तरह हारने के बाद भाजपा यह समझ गई कि दिल्ली में अरविंद केजरीवाल को किसी भी तरह से हराया नहीं जा सकता है इसलिए षड़यंत्र करके आम आदमी पार्टी को खत्म करना पड़ेगा।

श्री राय ने कहा कि भाजपा के षड़यंत्र की शुरूआत एमसीडी चुनाव से पहले पार्टी के वरिष्ठ नेता सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी के साथ हुई। सारे षड़यंत्रों के बाद भी दिल्लीवालों ने दिल्ली विधानसभा की तरह निगम से भी भाजपा की विदाई कर दी।

निगम में हारने के बाद भाजपा और बौखला गई। इसके बाद भाजपा ने मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार कराया और अब अरविंद केजरीवाल को भी झूठे आरोपों में जेल में बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के काम को देखकर जैसे दिल्ली की जनता ने विधानसभा और निगम से भाजपा की विदाई की है और अब लोकसभा में भी उसे जवाब देगी। अरविंद केजरीवाल के काम को गिरफ्तार किया गया है, उनको अपमानित किया जा रहा है जेल का जवाब लोकसभा चुनाव में भी जनता वोट से देगी। आप नेता ने कहा कि इस साल आरक्षित श्रेणी से महापौर का चुनाव होना है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने निर्णय लिया है कि इस बार पार्टी की तरफ से महापौर के प्रत्याशी महेश खिची होंगे। वह करोल बाग विधानसभा के देव नगर वार्ड 84 से आम आदमी पार्टी के पार्षद हैं। वहीं रविंद्र भारद्वाज को उपमहापौर का प्रत्याशी बनाया है। वह दूसरी बार किराड़ी विधानसभा के अमन विहार वार्ड 41 से पार्षद चुने गए हैं। इस दौरान निगम प्रभारी दुर्गेश पाठक ने कहा कि एक साल पहले दिल्ली की जनता ने निगम में भी अरविंद केजरीवाल की सरकार बनाई। लोगों ने बड़ी उम्मीदों के साथ अरविंद केजरीवाल को एमसीडी की जिम्मेदारी दी। इससे पहले 15 साल तक भाजपा का शासन रहा। उस दौरान हमेशा जगह-जगह कूड़ा फैला होने, ड्रेनेज सिस्टम खराब और भ्रष्टाचार समेत नकारात्मक खबरें सुनने को मिलती थी। 15 साल तक दिल्ली के लोगों को अपमानित किया गया। लोगों को घर के सामने पड़े कूड़े को हटवाने के लिए भी दर-दर की ठोंकरे खानी पड़ती थी। 15 साल की गंदगी को साफ करने में समय लगता है। भाजपा द्वारा निगम के एक-एक विभाग को खत्म कर दिया गया। किसी भी विभाग के कर्मचारी को समय पर सैलरी नहीं मिलती थी। कई बार कर्मचारी आठ से दस महीने तक सैलरी के लिए धरने पर बैठने को मजबूर थे। ग़ौरतलब है कि महापौर और उपमहापौर चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की आज आखिरी तारीख है। चुनाव 26 अप्रैल को होंगे।

आंदोलन के समय से ही आम आदमी पार्टी से जुड़े हैं दोनों प्रत्याशी: आप

नई दिल्ली, एजेंसी। पार्टी ने करोल बाग के देव नगर वार्ड से पार्षद महेश खिची को महापौर और किराड़ी के अमन विहार से पार्षद रविंद्र भारद्वाज को उपमहापौर पद का प्रत्याशी बनाया है। पार्टी ने दोनों ही प्रत्याशियों को जमीनी स्तर पर बेहतरीन काम करने का इनाम दिया है। गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक एवं कैबिनेट मंत्री गोपाल राय और एमसीडी के प्रभारी दुर्गेश पाठक ने एमसीडी के महापौर और उपमहापौर पद पर प्रत्याशियों की घोषणा कर उक्त संबोधन दिया। यहां गोपाल राय ने कहा कि दोनों प्रत्याशी आंदोलन के समय से ही आम आदमी पार्टी से जुड़े हैं। जनता के बीच इनकी अच्छी पकड़ है। हमें पूरी उम्मीद है कि दोनों लोग एमसीडी में शुरू किए गए आप सरकार के अच्छे कामों को आगे बढ़ाएंगे और जनता की सेवा करेंगे। उन्होंने कहा कि सीएम केजरीवाल ने मुफ्त बिजली, पानी, स्कूल, अस्पताल, महिलाओं के लिए बस यात्रा जैसे काम करके

दिल्लीवालों का दिल जीता है। एमसीडी में हुई हार से बौखलाई भाजपा ने 'आप' को खत्म करने के लिए मनीष सिसोदिया के बाद सीएम केजरीवाल को झूठे केस में जेल भेज दिया। गोपाल राय ने कहा कि सीएम केजरीवाल ने मुफ्त बिजली, पानी, स्कूल, अस्पताल, महिलाओं के लिए बस यात्रा जैसे काम कर दिल्लीवालों का दिल जीता है। भाजपा ने एमसीडी चुनाव जीतने के लिए कई षड़यंत्र किए, लेकिन दिल्लीवालों ने विधानसभा की तरह यहां से भी उसकी विदाई कर दी। एमसीडी की हार से बौखलाई भाजपा ने 'आप' को खत्म करने के लिए मनीष सिसोदिया के बाद सीएम केजरीवाल को झूठे केस में जेल भेज दिया।

दिल्ली की बस में बिकिनी गर्ल... मेट्रो के बाद बस में भी सामने आया ये मामला

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली मेट्रो से आए दिन सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक हरकत करते कपल का वीडियो वायरल होते रहते हैं। कई बार लड़कियों को कम कपड़ों में देखा गया है। इससे दिल्ली मेट्रो की काफी आलोचना भी हुई। दिल्ली मेट्रो ने ऐसी हरकत करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही है। वहीं, अब ऐसी घटना दिल्ली की बस में भी सामने आई है। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक वीडियो वायरल हो रहा है, वह दिल्ली में क्लस्टर बस का बताया जा रहा है। वीडियो में एक महिला अर्धनग्न हालत में बस में चढ़ जाती है। उसके सवार होते ही वहां मौजूद लोग शरमा जाते हैं। उसे देखकर हर कोई चौंक रहा है। इसके बाद धीरे-धीरे वहां बैठे लोग चले जाते हैं और बस खाली हो जाती है। अर्धनग्न लड़की बस में इधर-उधर घूमती रहती है। इसी बीच सामने बैठे किसी शख्स ने घटना का वीडियो बना लिया और इसे सोशल मीडिया पर डालकर वायरल कर दिया। वायरल वीडियो कलस्टर बस का बताया जा रहा है। हालांकि यह बस किस रूट की थी, यह अभी तक पता नहीं चल पाया है। अंडरगार्मेंट्स पहनकर बस में सवार होने वाली महिला की क्या मंशा थी? यह भी स्पष्ट नहीं हो पाया है। वहीं इस वीडियो पर यूजर्स भी जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। कोई इसपर निगेटिव कमेंट तो कोई मजेदार बातें लिख रहा है। डीटीसी की प्रबंध निदेशक शिल्पा शिंदे का कहना है कि यह वीडियो डीटीसी की बस का नहीं है, क्लस्टर बस का है। उन्होंने वीडियो के जांच के आदेश दे दिए हैं। ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह वीडियो सही है या एडिटिड या फेक तो नहीं है। एक यूजर ने लिखा- कैमरामैन सही नहीं था। एक अन्य यूजर ने लिखा- और कितने अच्छे दिन चाहिए आप लोगों को? एक अन्य ने लिखा- केजरीवाल ने बस फ्री कर रखा है। एक अन्य ने लिखा- लगता है ज्यादा गर्मी लग रही है। वहीं कई इसे आजादी के तौर पर तो कई इसे घिनौना कृत्य भी बता रहे हैं।

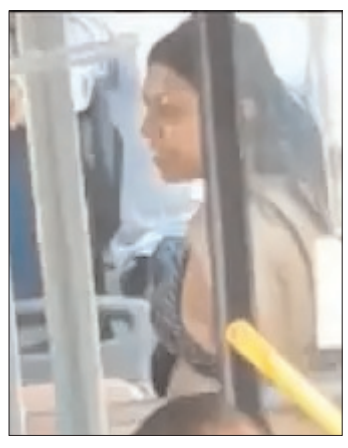

जल बोर्ड पर उठाए गए सवालों का जवाब क्यों नहीं देती आप सरकार: बिधूड़ी

शहनवाज़ सैफ, सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने आम आदमी पार्टी सरकार से पूछा है कि रोजाना उपराज्यपाल पर उलजलूल आरोप लगाने वाले आप नेता अब दिल्ली जल बोर्ड पर उठाए गए सवालों पर खामोश क्यों हैं? गर्मियों की शुरुआत में ही दिल्ली में पानी की सप्लाई न होने से हाहाकार मचा हुआ है। पानी के लिए हो रहे झगड़ों में हत्याएं तक हो रही हैं। पिछले दस सालों में दिल्ली सरकार पानी की सप्लाई बढ़ाने के लिए कोई कदम नहीं उठा सकी। 600 करोड़ के फायदे में चल रहा जल बोर्ड 73 हजार करोड़ के कर्ज के बोझ तले दबा हुआ है।

बिधूड़ी ने कहा है कि उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने दो दिन पहले जल बोर्ड के मामले में मंत्री आतिशी के पत्र के जवाब में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नाम जो खुली चिट्ठी लिखी है, 48 घंटे बीतने के बाद भी आम आदमी पार्टी के नेताओं की तरफ से कोई जवाब क्यों नहीं दिया जा रहा। उपराज्यपाल महोदय ने जो सवाल उठाए हैं, उनका कोई जवाब आप सरकार के पास नहीं है। बिधूड़ी ने कहा कि सत्ता में आते ही मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने घोषणा की थी कि दिल्ली में जल बोर्ड के पानी की बर्बादी रोकी जाएगी और इसके लिए मीटर लगाए जाएंगे। 2015

में दिल्ली जल बोर्ड का 45 फीसदी पानी बर्बाद हो जाता था और उसका कोई हिसाब ही नहीं था। आज यह आंकड़ा 58 फीसदी तक पहुंच गया है। इस बीच आप सरकार ने पानी तो नहीं बचाया लेकिन फ्लो मीटर के नाम पर 250 करोड़ रुपए खर्च कर डाले जो पानी में बह गए। इसमें करोड़ों के घपले की जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि 2015 में दिल्ली में पानी की सप्लाई 906 एमजीडी थी जो अब इकोनॉमिक सर्वे 2023-24 के अनुसार 946 एमजीडी है यानी 9 साल में दिल्ली में सिर्फ 4 फीसदी पानी की सप्लाई बढ़ी और जनसंख्या में 15 फीसदी का इजाफा हो गया। राजधानी की 80 फीसदी से ज्यादा जनता पानी की समस्या से जूझ रही है। दिल्ली की 20 लाख की आबादी को पीने का पानी नसीब ही नहीं है।

कहीं एकाध घंटे के लिए पानी आ रहा है तो कहीं ऐसा पानी आ रहा है जो पीने के काबिल नहीं है। यह स्थिति तो तब है जब आप सरकार ने दिल्ली में 24 घंटे और साफ पानी सप्लाई करने का वादा किया था लेकिन दिल्ली सरकार ने जल बोर्ड को 28400 करोड़ रुपए दिए और उसका कोई हिसाब बोर्ड के पास नहीं है। सालों से बोर्ड का ऑडिट नहीं हुआ और बेलेंस शीट भी नहीं बनाई गई। बिधूड़ी ने कहा कि जल बोर्ड तो आप सरकार के कामकाज की एक बानगी है। शिक्षा, पब्लिक ट्रांसपोर्ट, बिजली, प्रदूषण, इन्फ्रास्ट्रक्चर और अन्य सभी विभागों में आम आदमी पार्टी सरकार ने दिल्ली को इसी तरह बर्बाद किया है। गवर्नेंस के नाम पर इस सरकार ने दिल्ली को बर्बाद कर दिया है। उपराज्यपाल ने दिल्ली सरकार को आईना दिखा दिया है और आने वाले लोकसभा चुनावों में जनता भी आम आदमी पार्टी को उसके कामकाज के आधार पर दिल्ली से शून्य देने वाली है।

एक नजर

शेयर बाजार में निवेश का झांसा देकर डेढ़ करोड़ ऐंठे

नोएडा,एजेंसी। साइबर अपराधियों ने सेक्टर-100 स्थित सोसाइटी निवासी व्यक्ति को घर बैठे शेयर बाजार में निवेश करके लाखों कमाने का झांसा देकर एक करोड़ 43 लाख रुपये ऐंठ लिए। आरोपियों ने पीड़ित को व्हाट्सऐप ग्रुप में जोड़कर ठगी की। पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज कराया है। सेक्टर-100 लोटस बुलेवर्ड सोसाइटी निवासी वेद प्रकाश ने बताया कि उनके पास कुछ समय पहले व्हाट्सऐप पर मैसेज आया, जिसमें घर बैठे डिजिटल मार्केटिंग और ऑनलाइन ट्रेडिंग करके लाखों रुपये कमाने की बात कही गई थी। इस ग्रुप में पहले से 150 से अधिक लोग जुड़े थे। ग्रुप के लोगों ने कुछ दिन बाद उनसे व्यक्तिगत बात करना शुरू कर दिया और रेटिंग और रिव्यू का टास्क दिया। इससे उनको कुछ फायदा हुआ। इसके बाद उनसे शेयर बाजार और अमेरिका स्थित कंपनियों के आईपीओ में निवेश कराया गया। शेयर बाजार को लेकर उनको ऑनलाइन लेक्चर भी दिए गए। उन्होंने कुल एक करोड़ 43 लाख रुपये निवेश कर दिए। आरोपियों के ऐप में उनकी रकम बढ़ती दिख रही थी। वह अपने मुनाफे की रकम वापस लेने लगे तो उनका ट्रेडिंग अकाउंट बंद कर दिया गया। उन्होंने अपने रुपये वापस मांगे तो उनको व्हाट्सऐप ग्रुप से बाहर कर दिया गया।

बस की टक्कर से फैक्टरीकर्मी ने दम तोड़ा

नोएडा। सेक्टर-66 ममूरा में पैदल जा रहे फैक्टरीकर्मी को तेज रफ्तार बस ने कुचल दिया और भाग गया। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। उसकी पत्नी ने फेज तीन थाने में केस दर्ज कराया है। छिजारसी निवासी तबस्सुम खातून ने पुलिस को बताया कि उसके पति इसराफील अंसारी 17 अप्रैल को सुबह आठ बजे घर से फैक्टरी के लिए निकले थे। वह सेक्टर-66 ममूरा के पास पहुंचे तो पीछे से तेज रफ्तार में आ रही बस ने उनको टक्कर मार दी। हादसे में उनके पति गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने उनको उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। यहां पर उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद आरोपी बस चालक मौके से फरार हो गया। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में दी गई शिकायत दर्ज कर ली गई है। पुलिस की टीम आरोपी बस चालक की तलाश कर रही है।

सोसाइटी की लिफ्ट तीसरी मंजिल पर अटकी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट स्थित आम्रपाली गोल्फ होम्स सोसाइटी में गुरुवार को आठवीं मंजिल से लिफ्ट फ्री फॉल होकर तीसरी मंजिल पर आकर अटक गई। इस दौरान लिफ्ट में सवार तीन व्यक्ति बुरी तरह डर गए। आरोप है कि एडाक एओए द्वारा मेंटेनेंस की रकम ली, लेकिन उसका रखरखाव में इस्तेमाल नहीं किया। इस बारे में शिकायत करने पर भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही। सोसाइटी के लोगों ने बताया कि गुरुवार दोपहर में तीन युवक नीचे से ऊपर जाने के लिए लिफ्ट में सवार हुए। अचानक आठवें फ्लोर पर लिफ्ट झटका लेकर फ्री फॉल हो गई और सीधा तीसरे फ्लोर पर आकर रुकी। इससे लिफ्ट में मौजूद तीनों युवक बुरी तरह डर गए। सुरक्षाकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर लिफ्ट का गेट खोल तीनों लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल। निवासी प्रणव और दिलीप ने बताया कि रोजाना सोसाइटी में लिफ्ट में फंसने की घटनाएं हो रही हैं। पिछले एक हफ्ते से यह सिलसिला लगातार चल रहा है। कई बार कोर्ट रिसीवर और एडवोक एडाक एओए से शिकायत की गई है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

साइबर ठगों ने वर्क फॉम होम का लालच देकर युवती को ठगा

नोएडा। नोएडा में एक युवती को ऑनलाइन ट्रेडिंग करना महंगा पड़ गया। साइबर ठगों ने टेलीग्राम से सम्पर्क कर युवती को वर्कफ्रॉम होम के बारे में बताया। इसके बाद आरोपियों ने ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर कई बारी में युवती से करीब 41.06 लाख रुपये ठग लिए। युवती ने मामले की शिकायत थाना सेक्टर 20 पुलिस से की है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर 4 के गोर सिटी में रहने वाली स्वाती भारती नोएडा के सेक्टर 16ए स्थित फिल्म सिटी में नौकरी करती हैं। उन्होंने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 21 मार्च को टेलीग्राम के जरिए उन्होंने कुछ ऑनलाइन ट्रेडिंग करने वाले कुछ लोगों से सम्पर्क किया। आरोपियों ने घर बैठे काम करने का लालच देकर उनसे कहा कि गूगल में रिव्यू देने पर आपको 50 रुपये मिलेंगे। इसके बाद उन्होंने 1 अप्रैल से यह शुरू कर दिया। उन्हें पैसा मिलने लगा। इस बीच आरोपियों ने उनसे कहा कि हम आपका ट्रेडिंग एकाउंट खोल रहे हैं आपको 2 हजार रुपये जमा करने होंगे। इसके बाद आप अपना ट्रेडिंग किया हुआ पैसा खुद ही निकाल लेना। इसके बाद युवती ट्रेडिंग के बाद खुद ही पैसा निकालने लगी। पीड़िता का कहना है कि कुछ दिन बाद पैसे निकलने बंद हो गए। पूछने पर आरोपियों ने तरह-तरह के बहाने बनाकर उससे करीब 41,06354 लाख रुपये ठग लिए। जबकि उसे 46,73154 लाख रुपये वापस मिलने थे। पीड़िता का कहना है कि आरोपियों ने उसकी जीवन भर की कमाई हड़प ली। बताया जा रहा है कि साइबर ठगों के झांसे में आकर युवती ने पड़ोसियों और लोन लेकर भी पैसा दिया है। इस घटना के बाद से युवती का रो-रोकर बुरा हाल है। युवती के दोस्त का कहना है कि उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस से की है। पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित दो महिलाओं की रोबोटिक सर्जरी

नई दिल्ली,एजेंसी। राजधानी के एक निजी अस्पताल में एडवांस स्टेज ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित दो महिलाओं का रोबोटिक की मदद से सफल उपचार करने में चिकित्सक कामयाब रहे हैं। सी के बिड़ला हॉस्पिटल, दिल्ली के सर्जिकल ओंकोलॉजी विभाग के निदेशक डॉ मनदीप सिंह मल्होत्रा ने यहां पत्रकारों को बताया कि इनमें से एक 27 वर्षीय एक महिला को प्रसव के कुछ ही महीनों बाद स्तन में गांठ का अनुभव हुआ और उसे नजरअंदाज करने से कैंसर बढ़कर काफी आगे बढ़ गया था। पीड़ित महिला को कीमोथेरेपी दी गयी, जिसका उन पर अच्छा असर हुआ। इसके बाद बिना किसी जटिलता के रोबोट की मदद से ब्रेस्ट को बचाते हुये सर्जरी की गयी। सर्जरी के बाद मरीज को तेजी से स्वास्थ्य लाभ हुआ।

उन्होंने बताया कि रोबोट की मदद से की गयी इस सर्जरी के बाद पीड़ित महिला के स्तन मूल स्तनों की भांति बरकरार रहे। डॉ मल्होत्रा ने बताया कि दूसरे मामले में

लगभग 60 साल की महिला को शुरुआती स्टेज का ब्रेस्ट कैंसर का पता चला, हालांकि वह मल्टीफोकल कैंसर था। महिला अपने स्तनों को हटाये जाने की आशंका से परेशान थी। उनकी रोबोट की मदद से तत्काल सर्जरी की गयी। रोबोटिक आर्म की मदद से कैंसरग्रस्त टिश्यू को निकाला गया। इसके साथ ही पीठ से निकाले गये टिश्यू की मदद से रीकंस्ट्रक्शन भी किया गया। ये दोनों प्रक्रियायें सिंगल लेटरल मेमरी इंसाइजन से ही पूरी की गयी। इस सर्जरी के बाद मरीज स्वास्थ्य लाभ कर रही है और स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन जी रही हैं। उन्होंने बताया कि यह दुर्लभ किस्म की सर्जरी जिसे रोबोट एसिस्टेड फंक्शनल ब्रेस्ट प्रीजर्वेशन सर्जरी कहा जाता है। इसमें लैटिसिमस फ्लैप रीकंस्ट्रक्शन का इस्तेमाल किया गया। इस सर्जरी में अधिक सटीक विजुलाइजेशन का लाभ मिलता है ओर चीरों का साइज भी काफी कम होता है। इस सर्जरी में रोबोट टिश्यू को हटा देता है ओर ब्रेस्ट स्किन और निप्पल का बचाव होता है और ब्रेस्ट सेंसेशन को भी सुरक्षित रखा जाता है। उल्लेखनीय है कि देश में महिलाओं को होने वाले कैंसर में 14 प्रतिशत मामले स्तन कैंसर के पाये जाते हैं।

मॉडल बूथ पर फूल और गुब्बारों से होगा मतदाता का स्वागत

ग्रेटर नोएडा। जिला प्रशासन तीनों विधानसभा क्षेत्र में 52 मॉडल बूथ बनाएगा। जहां फूल और गुब्बारे के साथ मतदाताओं का स्वागत होगा। इन बूथों पर मतदान करने के लिए प्रेरित करने वाली रंगोली भी बनाई जाएंगी। वहीं तीनों विधानसभा में 7 पिंक बूथ बनाए जाएंगे।

जहां पोलिंग पार्टी में केवल महिला कर्मचारी होंगी। इसके अलावा चार दिव्यांग और चार युवा बूथ भी बनाए गए हैं। हर वर्ग में मतदान को बढ़ावा देने के साथ मतदान प्रतिशत को बढ़ाने के लिए इस तरह का प्रयास किया जा रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी के मुताबिक नोएडा विधानसभा क्षेत्र में 35 मॉडल बूथ बनाए जाएंगे। जबकि दादरी विधानसभा क्षेत्र में 16 और जेवर विधानसभा क्षेत्र के एक मॉडल बूथ बनाया जाएगा। 26 अप्रैल को मतदान के दिन इन सभी मॉडल बूथों को फूल और गुब्बारों से सजाया जाएगा। इन बूथों पर बुजुर्ग, दिव्यांग, दृष्टिहीन मतदाताओं के बैठने की कुर्सी भी होगी। साथ ही अन्य मूलभूत सुविधाएं भी मिलेंगी। सभी मॉडल बूथों पर मतदाताओं के लिए हेल्प डेस्क भी होगी। उन्होंने बताया कि नोएडा में 4, दादरी में दो और जेवर में एक पिंक बूथ बनाया जाएगा। नोएडा में 2 दिव्यांग व एक युवा बूथ, दादरी में एक दिव्यांग व दो युवा बूथ और जेवर में एक-एक दिव्यांग व युवा बूथ होंगे। प्रशासन ने मॉडल बूथ बनाने में ग्रामीण क्षेत्र की अनदेखी की है। यहां एक भी मॉडल बूथ नहीं होंगे। सभी 52 बूथ शहरी क्षेत्र में बनाए जाएंगे। इसमें ज्यादा वो बूथ हैं जो पहली बार सोसाइटियों में बनाए गए है। प्रशासन का मकसद शहरी क्षेत्र में अधिक से अधिक मतदान करना है।

बसपा प्रत्याशी राजेंद्र सिंह सोलंकी ने किया नोएडा क्षेत्र का तूफानी दौरा, मांगे वोट

शोएब आलम,संद्भावना टुडे

नोएडा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के नेता, कार्यकर्ता तथा प्रत्याशी सब जोश में नजर आ रहे हैं। बृहस्पतिवार को बसपा प्रत्याशी राजेंद्र सिंह सोलंकी ने नोएडा क्षेत्र का तूफानी दौरा किया। इस दौरान श्री सोलंकी नोएडा क्षेत्र के अनेक गांवों में पहुंचे और लोकसभा चुनाव में जिताने की अपील करते हुए नोएडा क्षेत्र के नागरिकों से वोट मांगे। इस दौरान बसपा के नेताओं ने दावा किया है कि इस बार क्षेत्र की जनता का भरपूर समर्थन बसपा प्रत्याशी राजेंद्र सिंह सोलंकी को मिल रहा है। समाचार लिखे जाने तक श्री सोलंकी नोएडा में ही वोट मांग रहे थे। गौतम बुध नगर लोक सभा सीट से बसपा प्रत्याशी राजेंद्र सिंह सोलंकी ने नोएडा विधानसभा क्षेत्र का व्यापक दौरा किया। इस दौरान उनके साथ बसपा के नेता,कार्यकर्ता तथा नोएडा क्षेत्र के गणमान्य नागरिक मौजूद थे। बसपा प्रत्याशी अपने नोएडा के जनसंपर्क अभियान के दौरान कोंडली वाली गढी, कोंडली, बादोली, जट्टा, मोहियापुर, गुलावली, मंगरौली, छपरौली, वाजितपुर, नगली, रोहिल्लापुर, शाहपुर, सुल्तानपुर गढी शाहपुर तथा असगरपुर गांव में गए और ग्रामीणों से उन्हे वोट देने की अपील की। इस दौरान सभी गांव में बसपा प्रत्याशी राजेंद्र सोलंकी का जोरदार स्वागत हुआ समाचार लिखे जाने तक बसपा प्रत्याशी का नोएडा में जनसंपर्क अभियान चल रहा था। इस दौरान बसपा प्रत्याशी श्री सोलंकी को असगरपुर, रायपुर, बरौला, छालेरा, सदरपुर, गिझोड़, चौड़ा रघुनाथपुर तथा ममूरा गांव में भी जनसंपर्क करेंगे। बहुजन समाज पार्टी के वरिष्ठ नेता करतार सिंह नागर ने कहा कि गौतम बुद्ध नगर सीट पर बहुजन समाज पार्टी की बड़ी जीत होगी। उन्होंने कहा कि बसपा की मुखिया सुश्री मायावती से नोएडा गौतम बुध नगर क्षेत्र की जनता का अटूट बंधन है। इस क्षेत्र की जनता को पता है कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा, दादरी, जेवर, सिकंदराबाद तथा खुर्जा क्षेत्र में बसपा ने ऐतिहासिक काम कराए थे। भाजपा ने इस क्षेत्र के विकास की गति को रोक दिया है। क्षेत्र की जनता एक बार फिर बसपा को मजबूत करके क्षेत्र के विकास की पुरानी गति को बनाना चाहती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि गौतम बुद्ध नगर क्षेत्र की जनता बसपा को बड़ी जीत दिलाने वाली है।

सीपी लक्ष्मी सिंह ने की यूपीएससी टॉपर्स से मुलाकात

अशोक कुमार, सद्भावना टुडे संवाददाता

नोएडा। नोएडा की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने नोएडा के लाड़ले बेटे तथा बेटियों को शाबाशी दी है। नोएडा क्षेत्र के जिन बेटे तथा बेटियों ने यूपीएससी-2023 की परीक्षा में सफलता हासिल की है वे सभी बेटे तथा बेटियां पूरे नोएडा क्षेत्र के लिए लाड़ले बन गए हैं। नोएडा (गौतमबुद्धनगर) की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने यूपीएससी 2023 की परीक्षा में नोएडा का नाम रोशन करने वाले अभ्यार्थियों की हौंसला अफजाई की और उन्हें प्रशासनिक सेवा में अच्छे भविष्य की शुभकामनाएं दीं। नोएडा की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (यूपीएससी-2023) की परीक्षा में नोएडा शहर का नाम रोशन करने वाली वरदाह खान, शैफाली अवाना और आयुष मणि चौधरी से नोएडा के सेक्टर-108 स्थित पुलिस उपायुक्त कार्यालय में मुलाकात की। इस दौरान नोएडा की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने यूपीएससी परीक्षा में सफल वरदाह खान, शैफाली अवाना और आयुष मणि चौधरी को उपहार भेंट कर उन्हें देश की सबसे कठिन परीक्षा पास करने पर बधाई दी और सिविल सेवा में आने पर उनका स्वागत किया। नोएडा की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि प्रशासनिक सेवा में पूरी निष्ठा, ईमानदारी और सच्चाई के साथ तीनों कार्य करें तथा देश के विकास में अपना योगदान दें। उप्र के नोएडा के सेक्टर-82 स्थित

विवेक विहार में रहने वाली वरदाह खान ने यूपीएससी-2023 की परीक्षा में 18वीं रैंक प्राप्त कर भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) का चयन किया है। वरदाह ने दिल्ली विश्वविद्यालय के खालसा कॉलेज से ऑनर्स में स्नातक किया है। उनके पिता अब्दुल रहमान का 9 साल पहले निधन हो चुका है।

यूपीएससी परीक्षा में 172वीं रैंक प्राप्त करने वाली नोएडा के हरौला की रहने वाली शैफाली अवाना ने पूर्व में यूपीएससी परीक्षा से मिली असफलता के आगे हथियार नहीं डाले और कड़ी मेहनत करती रही। शैफाली अवाना ने 172वीं रैंक हासिल कर भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) का चयन किया है। शैफाली के पिता सतीश अवाना दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग में अधिकारी हैं। शैफाली की इस सफलता पर पूरा नोएडा व हरौला के निवासी खुश है। नोएडा के एक और बेटे ने क्षेत्र का नाम रोशन किया है। यूपीएससी 2023 में 723वीं रैंक हासिल करने वाले आयुष मणि चौधरी ने सेल्फ स्टडी कर यूपीएससी की जंग जीती है। नोएडा के सेक्टर-78 में वेलेसिया महागुन मजारिया सोसायटी के निवासी आयुष मणि ने अपने दूसरे प्रयास में सफलता हासिल की है। आयुष आईआईटी भुवनेश्वर से बी-टेक और एम-टेक करने के बाद सिविल सेवा परीक्षा की तैयारियों में जुट गए और सेल्फ स्टडी करके इस कठिन परीक्षा को पास कर लिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी का संकल्प सौ प्रतिशत पूरा करेगी सरकार: नायब सिंह सैनी

शहजाद सैफ, सद्भावना टुडे संवाददाता

फरीदाबाद। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि पिछले 10 साल में मोदी सरकार ने गरीब, दलित, महिला, युवाओं के चेहरे पर मुस्कान लाने का काम किया है। आज देश इंतजार कर रहा है कि फिर देश में मोदी सरकार बने। मुख्यमंत्री गुरुवार को पृथला विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गदपुरी टोल प्लाजा के समीप मैदान में आयोजित विजय संकल्प रैली को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आज हरियाणा में एक भी जिला ऐसा नहीं है, जहां हाईवे नहीं है। मैं पहले पृथला आता था तो तीन-तीन घंटे लग जाते थे, आज आया हूं तो मिनटों में पहुंच गया। मैं छठी विधानसभा रैली में आया हूं। विश्वास हो रहा है कि कृष्ण पाल गुर्जर देश में सबसे बड़ी जीत हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने दस सालों में अभूतपूर्व काम किए है, मोदी की गारंटी का संकल्प पत्र सरकार सौ प्रतिशत पूरा करेगी। उन्होंने पूर्व की कांग्रेस सरकार पर हल्ला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस मोदी सरकार के कामों से बौखला गई है इसलिए बिना सिर-पैर की बातें करती है। कांग्रेस ने कभी अपना घोषणा पत्र देखा भी

नहीं है, पूरा करना तो दूर है। उन्होंने कहा कि 70 के दशक में इंदिरा गांधी ने कहा कि हम गरीबी मिटाएगें। लेकिन, ऐसा नहीं हुआ। जबकि कांग्रेस ने गरीब को और गरीब कर दिया। कांग्रेस के समय में दो-दो रूपए के चैक दिए। जबकि मोदी सरकार ने साढे 12 हजार रुपए किसानों के खाते में डाले। उन्होंने मंच से लोगों से आह्वान किया कि एक-एक वोट मोदी को दी, जिससे कि विकास का यह सिलसिला बदस्तूर जारी रहे। इस मौके पर केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने फरीदाबाद के विकास का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया, उन्होंने कहा कि जल्द ही मंझावली पुल बन जाएगा, जिससे 15 मिनट में नोएडा आवागमन हो सकेगा। उन्होंने मंच से मोहना कट पर बोलते हुए कहा कि मोहना में कट जरूर बनेगा, कोई रोक नहीं सकता। जो किसी के बहकावे में धरने पर बैठे है, वे 4 तारीख के बाद खुद उठ जाएगा। उन्हें राजनीति मुबारक। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है, मोदी का जो अपमान करेगा, जनता उसका बुरा हाल करेगी। रैली को हरियाणा के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा, शिक्षामंत्री सीमा त्रिखा, विधायक नयनपाल रावत सहित अन्य नेताओं ने भी संबोधित किया।

नोएडा में छात्राओं ने लोकतंत्र को मजबूत करने पर दिया जोर, निकाली रैली

नोएडा। सर्वोदय विद्या मंदिर सदरपुर और वाईएसएस फाउंडेशन ने मिलकर मतदाता जागरूकता अभियान चलाया। इस अभियान में विद्यालय के छात्र-छात्राओं, अध्यापकों और स्थानीय निवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अभियान का उद्देश्य आगामी लोकसभा चुनावों में अधिक से अधिक मतदान करने के लिए लोगों को प्रेरित करना रहा। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या आशा चौहान ने कहा कि छात्रों ने रैली निकालकर आगामी 26 अप्रैल को होने वाले मतदान में अधिक से अधिक मतदान करने की अपील की। कार्यक्रम में स्कूल के छात्र-छात्राओं, अध्यापकों और स्थानीय निवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को इस प्रक्रिया में शामिल होना चाहिए, ताकि वे लोकतंत्र को और मजबूत बना सकें। पब्लिक स्कूल वेलफेयर समिति के महासचिव राजेंद्र चौहान ने कहा कि लोकतंत्र के महापर्व में भागीदारी करना हर नागरिक का कर्तव्य है।

गुरुग्राम: मंडी से फसल उठान में ट्रांसपोर्टर के स्तर पर हो रही देरी

गुरुग्राम। हरियाणा के वित्त एवं योजना विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं जिला के प्रशासकीय अधिकारी अनुराग रस्तोगी ने गुरुवार को पटौदी-जाटौली व फर्रूखनगर अनाज मंडी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान मार्किट कमेटी के अधिकारियों व आढ़तियों ने एसीएस के समक्ष फसल उठान में ट्रांसपोर्टर की ओर से की जा रही देरी का विषय रखा। जिस पर अतिरिक्त मुख्य सचिव ने संबंधित ट्रांसपोर्टर को फसल उठान के लिए 10 अतिरिक्त वाहनों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। एसीएस अनुराग रस्तोगी के गुरुग्राम आगमन पर डीसी निशांत कुमार यादव ने उनका स्वागत किया। निरीक्षण दौरे में मंडियों में गेहूं व सरसों की फसल की आवक व उठान संबंधी विस्तृत जानकारी दी। अनुराग रस्तोगी ने कहा कि गेहूं के सीजन में सभी मंडियों में फसल खरीद का कार्य सुचारू रुप से चल रहा है। मंडियों में व्यापारियों और किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जा रहा है। फसल की राशि का भुगतान भी नियमानुसार कर दिया जाएगा। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने निरीक्षण दौरे में मंडी में मौजूद किसानों से वहां दी जा रही सेवाओं व सुविधाओं का फीडबैक लेकर व्यापारियों से भी खरीद कार्य, उठान कार्य के बारे में बातचीत कर, खरीद कार्यों में ओर सुधार लाने के लिए किसानों, व्यापारियों और अधिकारियों से सुझाव भी लिए। निरीक्षण दौरे में यह विषय भी आया कि सिवाड़ी स्थित हरियाणा वेयर हाउस के गोदाम में पांच अनलोडिंग पॉइंट है। जिसमें से गुरुग्राम जिले के लिए केवल दो पॉइंट्स ही इस्तेमाल में लाए जा रहे हैं। वहीं बाकी तीन पॉइंट्स पर अन्य जिलों का माल उतारा जा रहा है। इस पर अतिरिक्त मुख्य सचिव ने हरियाणा वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन के अधिकारियों को सिवाड़ी में दो अन्य पॉइंट्स की व्यवस्था गुरूग्राम जिला के लिए करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार फर्रूखनगर से उठान किए जाने वाली फसल को फाजिलपुर में स्थित गोदाम में भेजने के निर्देश दिए।

विदेशी लड़कियों के नाम चल रही थी ग्रेटर नोएडा में 150 करोड़ की ड्रग्स फैक्ट्री, स्टूडेंट्स बने स्मगलर

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा पुलिस ने 150 करोड़ रुपये की ड्रग्स फैक्ट्री का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में चार विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है, जिनको जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने 100 करोड़ का ड्रग्स और 50 करोड़ का माल बरामद किया, जिसके माध्यम से ड्रग्स बनाया जा रहा था। इस मामले में जांच के दौरान पता चला है कि जिस स्थान पर फैक्ट्री चल रही थी, उस स्थान का रेंट एग्रीमेंट लड़कियों के नाम पर है। यह लड़कियां भी विदेशी हैं और ग्रेटर नोएडा शहर की एक नामी यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करती हैं। अभी तक की जांच में इस मामले में दो लड़कियों के नाम और चार लड़कों के नाम शामिल हुए हैं। जिसमें से चारों लड़कों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस इस मामले में काफी गंभीरता के साथ जांच कर रही है।

ग्रेटर नोएडा के डीसीपी साद मियां खान ने बताया कि थाना ईकोटेक-1 प्रभारी अनुज कुमार, थाना दादरी प्रभारी सुजीत उपाध्याय और स्वाट टीम के प्रभारी यतेंद्र सिंह ने एक सूचना के आधार पर गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी के पास से ओनय्कची फ्रैंक और इमैनुवल को गिरफ्तार किया था। इनके पास से पुलिस ने एक कार में रखी हुई एमडीएमए मादक पदार्थ बरामद की थी। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने बताया कि ओमिक्रान-1 में स्थित एक मकान में वो लोग रहते हैं और वहां पर एमडीएमए समेत अन्य मादक पदार्थ बनाने की लोग फैक्ट्री चलाते हैं। इस पूछताछ के बाद पुलिस ने उस मकान में छापा मारकर वहां मौजूद इफेनयी जॅनबॉस्को और चिडी को गिरफ्तार किया है। इनके पास से बनी हुई कुल 26 किलो 760 ग्राम क्रिस्टल (एमडीएमए पाउडर) बरामद किया। इसके अलावा अवैध रूप से मादक पदार्थ बनाने में प्रयोग होने वाले कच्चा माल, उपकरण, रासायनिक माल, रसायन और दो कार बरामद हुई है। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि आरोपी नाइजीरिया से आकर भारत में अवैध रूप से रह रहे थे। ये लोग मादक पदार्थ बनाकर देश के विभिन्न भागों में और यहां के कई विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को बेचते थे। पुलिस को मकान का रेंट एग्रीमेंट मिला है, जिसमें लड़कियों के नाम लिखे हुए हैं। इन आरोपियों के साथ दो लड़कियां और शामिल हैं, जो मूल रूप से अफ्रीका की रहने वाली है।

नोएडा में बावरिया गिरोह के तीन बदमाश गिरफ्तार

नोएडा,एजेंसी। नोएडा की थाना सेक्टर 20 पुलिस और क्राइम रिस्पांस टीम ने संयुक्त अभियान के तहत तीन शातिर बावरिया बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को गुरुवार सुबह सेक्टर 31 स्थित शहीद भगत सिंह पार्क के पास से गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए आरोपी एनसीआर में चेन लूट की वारदातें करते हैं। इनके कब्जे से 10 लाख रुपये कीमत की 10 सोने की चेन, एक कार-बाइक, तीन तमंचे और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। एडीसीपी क्राइम शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान शेर सिंह उर्फ शेरू पुत्र नीरंजन सिंह निवासी ग्राम अलाउद्दीन पुर थाना झिझाना जिला शामली, सनी शर्मा उर्फ रामपाल उर्फ रामा बावरिया पुत्र क्रान्तिलाल निवासी ग्राम गाजीवाला हनुमान गली श्यामपुर कांगली थाना श्यामपुर जिला हरिद्वार और दया सागर पुत्र कमल सिंह निवासी गुनियाना मन्डी पीरखाना बस्ती गली सं0 02 जिला भटिंडा पंजाब के रूप में हुई है। चेन स्नैचरों का यह शातिर अन्तर्राजीय गिरोह है। गिरोह का सरगना शेर सिंह उर्फ शेरू है। यह पिछले कई वर्षों से चेन स्नैचिंग की घटनाओं को अंजाम दे रहा है। जिस जनपद में यह स्नैचिंग की घटना को अंजाम देते हैं वहां जाकर यह कुछ दिन पूर्व किराए पर रहना

प्रारंभ करते थे और चेन स्नैचिंग की घटनाओं को अंजाम देते थे। किराए पर रहने के दौरान विभिन्न स्थानों पर यह गिरोह आस-पास के स्थानों की रैकी कर वारदात को अंजाम देते थे।

गैंग सरगना शेर सिंह उर्फ शेरू चेन स्नैचिंग की घटनाओं को अंजाम देने के लिए रणनीती तैयार करता था, जिसके तहत घटना को अंजाम दिया जाता था। स्नैचिंग की घटना को अंजाम देने के लिए यह गिरोह पहले एक मोटर साईकिल चोरी करता था तथा घटना कारित करते समय मोटर साइकिल से नम्बर प्लेट को हटा दिया जाता था। यह शातिर चेन स्नैचर गैंग चिन्हित किए गए सेक्टरों में नंबर से वारदातों को अंजाम देता था। जैसे एक बार घटना सेक्टर 26 में कर दी गई, तो अगली बार घटना सेक्टर 19 में, इसके बाद सेक्टर 20 में और फिर पुन: सेक्टर 26 में वारदात करता था। ऐसा करने से यह पुलिस को भ्रमित करने का प्रयास करता था कि जिस सेक्टर में घटना हुई थी पुलिस उसी सेक्टर में गस्त व पेट्रोलिंग करती थी और फिर यह शातिर स्नैचर अन्य सेक्टरों में घटना कर देते थे।

शाब्दिक ईमानदारी से ही सार्थक होगा लोकतंत्र

विश्वनाथ सचदेव

चुनाव प्रचार का पहला चरण समाप्ति पर है। मतदाता तक पहुंचने, उसे लुभाने का हरसंभव प्रयास हो रहा है। चुनाव में ऐसा ही होता है। कभी न पूरे होने वाले वादे और सच्चाई से कोसों दूर के दावे इस प्रचार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। सत्तारूढ़ दल समेत कोई भी दल प्रचार की इस मुहिम में पीछे नहीं रहना चाहता। सच तो यह है कि एक होड़-सी मची हुई है राजनीतिक दलों में। हर दल अपनी कमीज को दूसरे की कमीज से उजला बता रहा है। ऐसा नहीं है कि मतदाता राजनेताओं के इस दांव को समझ नहीं रहा। बरसों-बरस का अनुभव है उसके पास इस प्रचार-तंत्र की करतूतों का। राजनीतिक दल भी मतदाता की इस जानकारी से अनभिज्ञ नहीं हैं। इसके बावजूद वे बरगलाने की अपनी कोशिशों से बाज नहीं आते। इसका कारण शायद यही है कि मतदाताओं की एक बड़ी संख्या आखिरी समय पर निर्णय लेती है। वे मुंडेर पर बैठे हैं। आखिरी समय पर बाएं भी उतर सकते हैं, दाएं भी। प्रचार-कार्य में लगे राजनेताओं की नज़र मुख्यत: इन्हीं मतदाताओं पर होती है।

इसी से जुड़ी एक बात यह भी है कि कभी-कभी मतदाता मिथ्या दावों और झूठे वादों की चपेट में आ भी जाता है। जनतंत्र की सफलता और सार्थकता का एक मापदंड यह भी है कि कितने मतदाता ऐसे हैं जो प्रचार की इस आंधी में स्वयं को उड़ने से बचाये रख पाते हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि इस देश के मतदाता ने अक्सर अपने विवेक का परिचय दिया है, राजनेताओं के प्रचार का शिकार बनने से इनकार किया है। आपातकाल के बाद इंदिरा गांधी की सरकार का तख्ता जिस तरह से पलटा, या फिर अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार का 'इंडिया शाइनिंग' वाला नारा जिस तरह मतदाता पर कोई प्रभाव नहीं छोड़ पाया वह इस बात का प्रमाण है कि मतदाता को हमेशा नहीं बरगलाया जा सकता। चुनाव के समय राजनीतिक दल अपने-अपने घोषणापत्र जारी करते हैं। भाजपा और कांग्रेस, दोनों बड़े दलों के वादों-दावों वाले घोषणापत्र जारी किये जा चुके हैं। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र को 'न्याय-पत्र' कहा है और भाजपा ने अपने घोषणा पत्र को 'संकल्प-पत्र' कहते हुए 'मोदी की गारंटियों' की बात कही है। होना तो यह चाहिए कि इस तरह के घोषणा पत्र आखिरी समय में नहीं, चुनाव से काफी पहले जारी होते, ताकि मतदाता उन पर विचार करके राजनेताओं से हिसाब मांग सके। सत्तारूढ़ दल से पूछ सके कि पिछले घोषणापत्रों की कितनी बातों को पूरा किया गया और सत्ता के आकांक्षी दल से उसके वादों के पूरा होने के आधार के बारे में जवाब-तलब कर सके। पर, दुर्भाग्य से, ऐसा कुछ होता नहीं। घोषणा पत्र जारी ज़रूर होते हैं, पर उपेक्षित पड़े रहते हैं। चुनाव-प्रचार का सारा ज़ोर अपने विरोधी पर आरोप लगाने पर ही होता है। आरोपों के इस शोर में वे बुनियादी बातें कहीं खो-सी जाती हैं, जो मतदाता के निर्णय का आधार होनी चाहिए। उदाहरण के लिए सत्तारूढ़ दल के घोषणा पत्र में आने वाले 25 सालों के बाद के 'विकसित भारत' की बात तो कही गई है, पर गरीबी, बेरोज़गारी, महंगाई जैसे हमारे आज को प्रभावित करने वाले मुद्दे कुल मिलाकर कहीं गायब ही हैं। प्रधानमंत्री मोदी यह 'गारंटी' तो देते हैं कि 2047 का भारत विकासशील नहीं विकसित देश होगा, पर यह नहीं बताते कि आज के युवा की बेरोज़गारी की समस्या कैसे हल होगी। मतदाता महंगाई की मार से कैसे उबरे? भाजपा के घोषणा पत्र में आने वाले पांच साल तक 80 करोड़ भारतीयों को मुफ्त अनाज देने का वादा तो किया गया है, पर यह नहीं बताया गया कि उन कारणों से कैसे निपटा जायेगा जो 80 करोड़ भारतीयों को मुफ्त अनाज मांगने की स्थिति में लाने के लिए उत्तरदायी हैं? देश में कोई भूखा न रहे, यह बात आश्वस्त करने वाली है, पर भुखमरी की यह स्थिति आयी कैसे, इस सवाल का जवाब भी मिलना चाहिए। जवाब उन सवालों का भी पूछा जाना चाहिए जो पिछले घोषणा पत्रों में कही गयी बातों के पूरा न होने से उठते हैं। जिस तरह के सवाल सत्तारूढ़ दलों से पूछे जाने चाहिए वैसे ही सवाल सत्ता के आकांक्षियों के लिए भी हैं। उन्हें भी यह बताना होगा कि उनके वादे क्यों स्वीकारे जाएं अथवा उनके दावों पर क्यों विश्वास किया जाये। घोषणा पत्र काग़ज के टुकड़े नहीं होते, उनकी पवित्रता की रक्षा होनी चाहिए, और यह उनका दायित्व बनता है जो वादे करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस के घोषणा पत्र के संदर्भ में कहा है कि कांग्रेस के नेताओं में शब्द के प्रति प्रतिबद्धता नहीं है, कोई ज़िम्मेदारी भी नहीं है। सच तो यह है कि चुनावी घोषणा पत्रों में जो कुछ कहा जाता है और चुनावी सभा में जो कुछ घोषणाएं की जाती हैं, वे कुल मिलाकर शब्दजाल ही बनी रह जाती हैं। हमारे नेता, चाहे वे किसी भी दल के क्यों न हों, नारों के बल पर चुनाव जीतना चाहते हैं। वह भूल जाते हैं कि 'गरीबी हटाओ' का नारा अंतत: सिर्फ नारा बनकर रह गया था और इसी तरह 'शाइनिंग इंडिया' की कथित चमक भी मतदाता को लुभा नहीं पायी थी। मतदाता शब्दों में विश्वास करना चाहता है, नेताओं के शब्दों में भी यह विश्वास झलकना चाहिए। ईमानदार राजनीति तभी आकार ले सकती है। जहां तक घोषणा पत्रों में विश्वास का सवाल है, अक्सर इन चुनावी घोषणा पत्रों में लोक लुभावनकारी दावों और वादों की भरमार होती है। जो मुद्दे इनमें उठाये जाते हैं अक्सर वे हकीकत बयान नहीं करते। सेंटर फॉर स्टडीज ऑफ डेवलपिंग सोसायटी (सीएसडीएस) के एक हालिया सर्वेक्षण में बेरोजगारी और महंगाई को मुख्य मुद्दा माना गया है, जबकि हमारी राजनीति में आज भी हिंदुत्व मुख्य मुद्दा बताया जा रहा है। सत्तारूढ़ पक्ष के नेता अपनी चुनावी सभाओं में इस बात को लगातार दुहरा रहे हैं कि कांग्रेस के नेताओं ने राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का बहिष्कार किया था! यह बात यहीं खत्म नहीं होती। राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव के अवसर पर जारी किये गये घोषणा पत्र उनकी विचारधारा और वचनबद्धता का वचन पत्र होते हैं। यदि किसी घोषणा पत्र में कहा गया था कि किसानों की आय दुगनी की जायेगी, हर साल दो करोड़ नौकरियां दी जायेंगी तो मतदाता को यह पूछना होगा कि इस वादे का क्या हुआ? अथवा काला धन स्विस बैंकों से लौटा क्यों नहीं? जब कोई राजनेता इन दावों और वादों को 'चुनावी जुमला' कहकर बच निकलना चाहता है तो मतदाता के मन में यह सवाल उठना ही चाहिए कि शब्द की पवित्रता कहां गयी? यह विडंबना ही है कि ऐसा कहने के बावजूद संबंधित राजनेता से यह क्यों नहीं पूछा जाता कि मतदाता के साथ ऐसा मजाक क्यों? अपने हालिया इंटरव्यू में प्रधानमंत्री ने शब्दों के सम्मान की बात कही है। सही कहा है उन्होंने। शब्द पवित्र होते हैं, हमारी नीयत को उजागर करते हैं। राजनेता यदि शब्दों का अपमान करते हैं तो उन्हें कठघरे में खड़ा करना होगा। तभी जनतंत्र की सार्थकता प्रमाणित होगी।

दुख-दर्द कम करने का एक बड़ा जरिया है दुर्घटनाओं की संभावनाओं को कम करना। इसके साथ दुर्घटना हो जाने पर जीवन रक्षा की संभावना को मजबूत करना भी जरूरी है। इन दो उपायों से प्रतिवर्ष लाखों जीवन बचाए जा सकते हैं और इससे कहीं अधिक लोगों को बहुत कष्टदायक रूप से घायल होने, दीर्घकालीन शारीरिक-मानसिक क्षति तथा अपंगता से बचाया जा सकता है। गंभीर दुर्घटना से प्रभावित व्यक्ति ही क्षतिग्रस्त नहीं होते हैं, उनके परिवार के सदस्यों व अन्य नजदीकी व्यक्तियों को भी इस दुर्घटना के कई प्रतिकूल असर भुगतने पड़ते हैं। गहरे दुख-दर्द व सदमे के अतिरिक्त इन विभिन्न व्यक्तियों को प्रायः गंभीर आर्थिक संकट भी झेलना पड़ता है। दुर्घटनाओं संबंधी समग्र जानकारी अभी किसी एक स्थान पर उपलब्ध तक नहीं है। सबसे अधिक चर्चा में सड़क दुर्घटनाएं हैं। इसके अतिरिक्त यातायात की दुर्घटनाएं लें तो रेल दुर्घटनाएं, नाव दुर्घटनाएं व वायुयान दुर्घटनाएं हैं। अंतिम श्रेणी को छोड़ दें तो शेष सभी दुर्घटनाओं के उपलब्ध आंकड़े वास्तविकता से कम हैं। पैदल यात्रियों और साइकिल चालकों की रक्षा पर विशेष ध्यान दें क्योंकि दुर्घटनाओं में सबसे अधिक मौतें इन्हीं की होती हैं। सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों का जीवन बचाने के लिए पहला घंटा सबसे महत्वपूर्ण माना गया है। यदि इस दौरान उचित प्राथमिक इलाज देकर दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को अस्पताल पहुंचा दिया जाए तो लगभग 50 प्रतिशत जीवन बच सकते हैं। पर इसके लिए बहुत कम सुविधाएं देश में उपलब्ध हैं। यातायात के बाद दूसरे नंबर पर कार्यस्थल पर होने वाली दुर्घटनाएं हैं।

जागरूकता से बच सकते हैं लाखों जीवन

भारत डोगरा

दुनिया और देश दोनों स्तर पर दुर्घटनाएं लोगों के दुख-दर्द का एक बहुत बड़ा कारण हैं, फिर चाहे यह सड़क दुर्घटनाएं हों, अग्निकांड हों या अन्य दुर्घटनाएं। दूसरी ओर अनेक अध्ययन यह भी बता रहे हैं कि यदि सही नियोजन व पूरी प्रतिबद्धता से प्रयास किए जाएं तो दुर्घटनाओं की संख्या को काफी तेजी से कम किया जा सकता है। हाल ही में प्रकाशित एक पुस्तक 'वाय एक्सीडेंट्स आर रेयरली एक्सीडेंटल' ने अधिकांश लोगों के जीवन के इस अनुभव को अनेक तथ्यों और प्रमाणों के साथ प्रस्तुत किया है। इस पुस्तक का शीर्षक ही बहुत कुछ कह जाता है- कम 'दुर्घटनाएं' ही दुर्घटनावश होती हैं। यानी जिसे हम किस्मत का खेल मान बैठे हैं उन दुर्घटनाओं में से अधिकांश पर वास्तव में मनुष्य का नियंत्रण होता है और हम समय रहते कार्यवाही करें तो बहुमूल्य मानव जीवन व संपत्ति की क्षति रोकी जा सकती है। इस पुस्तक के लेखकों मार्क गरस्टीन व माइकेल एल्सबर्ग का कहना है कि बेहतर नियोजन, मेहनत व जोखिम के प्रति चौकन्ने बने रहने से दुर्घटनाओं व उनके दुष्परिणामों को बहुत कम किया जा सकता है। इस पुस्तक में दिए गए अनेक उदाहरणों का आकलन भी यही बताता है कि जहां आरंभिक चेतावनियों पर ध्यान न देकर सुरक्षा को ताक पर रखा गया वहां गंभीर दुर्घटनाएं हुईं जबकि जहां आरंभ में सुरक्षा पर ध्यान दिया गया वहां 'दुर्घटनाओं' को टाला जा सका।

दुख-दर्द कम करने का एक बड़ा जरिया है दुर्घटनाओं की संभावनाओं को कम करना। इसके साथ दुर्घटना हो जाने पर जीवन रक्षा की संभावना को मजबूत करना भी जरूरी है। इन दो उपायों से प्रतिवर्ष लाखों जीवन बचाए जा सकते हैं और इससे कहीं अधिक लोगों को बहुत कष्टदायक रूप से घायल होने, दीर्घकालीन शारीरिक-मानसिक क्षति तथा अपंगता से बचाया जा सकता है। गंभीर दुर्घटना से प्रभावित व्यक्ति ही क्षतिग्रस्त नहीं होते हैं, उनके परिवार के सदस्यों व अन्य नजदीकी व्यक्तियों को भी इस दुर्घटना के कई प्रतिकूल असर भुगतने पड़ते हैं। गहरे दुख-दर्द व सदमे के अतिरिक्त इन विभिन्न व्यक्तियों को प्राय: गंभीर आर्थिक संकट भी झेलना पड़ता है। दुर्घटनाओं संबंधी समग्र जानकारी अभी किसी एक स्थान पर उपलब्ध तक नहीं है। सबसे अधिक चर्चा में सड़क दुर्घटनाएं हैं। इसके अतिरिक्त यातायात की दुर्घटनाएं लें तो रेल दुर्घटनाएं, नाव दुर्घटनाएं व वायुयान दुर्घटनाएं हैं। अंतिम श्रेणी को छोड़ दें तो शेष सभी दुर्घटनाओं के उपलब्ध आंकड़े वास्तविकता से कम हैं। पैदल यात्रियों और साइकिल चालकों की रक्षा पर विशेष ध्यान दें क्योंकि दुर्घटनाओं में सबसे अधिक मौतें इन्हीं की होती हैं। सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों का जीवन बचाने के लिए पहला घंटा सबसे महत्वपूर्ण माना गया है। यदि इस दौरान उचित प्राथमिक इलाज देकर दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को अस्पताल पहुंचा दिया जाए तो लगभग 50 प्रतिशत जीवन बच सकते हैं। पर इसके लिए बहुत कम सुविधाएं देश में उपलब्ध हैं। यातायात के बाद दूसरे नंबर पर कार्यस्थल पर होने वाली दुर्घटनाएं हैं। इनकी संख्या को कम बनाने के प्रयास प्राय: होते हैं। कार्यस्थल यानी उद्योगों, खदानों, खेत-खलिहान, प्लांटेशन, निर्माण कार्यों, सफाई कार्य आदि में होने वाली बहुत दुर्घटनाओं और उनमें हुई मौतों के सरकारी आंकड़े वास्तविकता से कहीं कम हैं। आवास में होने वाली दुर्घटनाएं सबसे उपेक्षित हैं। इनमें प्रति दुर्घटना चाहे कम क्षति हो पर इन दुर्घटनाओं की कुल संख्या बहुत अधिक है।

चौथे नंबर पर सभी तरह के शिक्षण-प्रशिक्षण स्थानों में होने वाली दुर्घटनाएं हैं। पांचवें स्थान पर ऐसी दुर्घटनाएं हैं जो विशेषकर भीड़ वाले स्थानों पर तीर्थस्थानों, मेलों, उत्सवों, सम्मेलनों व पर्यटन स्थलों पर होती हैं। अंत में उन दुर्घटनाओं की हमें एक अलग श्रेणी बनानी चाहिए जिनका असर बहुत दूर-दूर तक जा सकता है व देर तक बना रहता है। इस श्रेणी में जहरीली गैस के रिसाव से जुड़ी दुर्घटनाओं व परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की दुर्घटनाओं को रखा जा सकता है जिन पर विशेष ध्यान देने व उच्च स्तर की विशिष्ट तकनीकी उपलब्ध करने की जरूरत है। इन सभी दुर्घटनाओं के बारे में समग्र विश्वसनीय जानकारी एक स्थान पर उपलब्ध होना जरूरी है क्योंकि ऐसी जानकारी के आधार पर ही दुर्घटनाओं व उनकी जानलेवा क्षमता कम करने के लिए उचित प्रबंधन व नियोजन हो सकता है। हालांकि विभिन्न तरह की दुर्घटनाओं से बचाव के लिए अलग-अलग तरह के प्रयास जरूरी हैं, पर कुछ सामान्य महत्व के कदम ऐसे हैं जो सब तरह की दुर्घटनाओं की क्षति कम करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। जीवन के सभी क्षेत्रों में जरूरी सावधानियों व सुरक्षा के नियमों को अपनाने की जागरूकता को बढ़ाना ऐसा ही एक कार्य है। दुर्घटना से घायल जहां भी हो जो भी हों, उन्हें तुरंत जरूरी प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध करवाना व सही तौर-तरीकों से अस्पतालों में पहुंचाना एक अन्य महत्वपूर्ण जरूरत है। सामान्य व विशिष्ट सब तरह की दुर्घटनाओं संबंधी जिम्मेदारियों को आगे बढ़ाने के लिए एक केंद्रीय दुर्घटना प्राधिकरण की जरूरत है जहां एक स्थान पर सभी तरह की दुर्घटनाओं संबंधी प्रबंधन नियोजन, अध्ययन व अनुसंधान समग्र रूप से हो सके। इसके कार्यालय राष्ट्रीय, राज्य व जिला स्तर पर होने चाहिए तथा साथ ही पंचायतों में दुर्घटनाओं संबंधी जागरूकता बढ़ाने के कार्य को महत्व मिलना चाहिए। इसके साथ दुर्घटनाओं व उनकी जानलेवा क्षमता को कम करने के कार्य को विभिन्न स्तरों पर जन-भागीदारी से एक व्यापक जन अभियान का रूप देना चाहिए।

विचार

नारा चार सौ पार का, सामना बहिष्कार का?

निर्मल रानी

देश में चुनावी सरगर्मियां अपने चरम पर हैं। सत्ताधारी भाजपा जहाँ अब की बार चार सौ पार के नारे के साथ विपक्ष पर मनोवैज्ञानिक दबाव डालने की कोशिश कर रही है वहीं संयुक्त विपक्ष इण्डिया गठबंधन भाजपा की सत्ता में वापसी रोकने के लिये एड़ी छोटी का ज़ोर लगाये हुये है। सत्ता व विपक्ष के बीच हो रहे इस चुनावी दंगल से इतर विभिन्न राज्यों से यह ख़बरें भी आ रही हैं कि आम नागरिकों द्वारा इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों का न केवल बहिष्कार किया जा रहा है बल्कि कई जगह तो हिंसक विरोध से लेकर भाजपा प्रत्याशियों के विरुद्ध प्रदर्शन तक किये जा रहे हैं। कई जगह तो ग्राम वासियों ने बाक़ायदा बहिष्कार व चेतावनी सम्बन्धी साइन बोर्ड भी लगा दिये हैं। तो क्या हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश व उत्तरांचल सहित कई अन्य राज्यों में हो रहे इस तरह के बहिष्कार यह साबित नहीं करते कि भाजपा का चार सौ पार का नारा महज़ एक चुनावी शगूफ़ा है? अभी गत 30 मार्च को ही मुज़फ़्फ़र नगर में रात करीब साढ़े आठ बजे खतौली क्षेत्र के मढ़करीमपुर गांव में चुनावी सभा के दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. संजीव बालियान के क़ाफ़िले की गाड़ियों पर जमकर पथराव किया गया। ख़बरों के अनुसार इस पथराव में 10 से अधिक भाजपा कार्यकर्ता घायल हो गये। सभास्थल के समीप की छतों से पथराव शुरू होते ही सभा में भगदड़ मच गई। समाचारों के अनुसार पथराव के साथ ही हमलावरों ने भाजपा व केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. बालियान के विरुद्ध नारे बाज़ी भी की। इस पथराव में हमलावरों द्वारा खतौली के पूर्व विधायक विक्रम सैनी की गाड़ी को क्षति ग्रस्त कर दिया गया। भाजपा ने इस घटना को विपक्ष की साज़िश क़रार दिया है। इसी तरह गत 6 अप्रैल को जिस समय रामायण सीरियल के %राम% अरुण गोविल जिन्हें भाजपा ने मेरठ से पार्टी उम्मीदवार बनाया है वे स्थानीय भाजपा नेताओं के साथ प्रचार रथ पर सवार होकर रोड शो निकाल रहे उस समय जनता ने उनका जमकर विरोध किया व मुर्दाबाद के नारे लगाये। अरुण गोविल वापस जाओ-वापस जाओ के नारे भी देर तक लगाये गये। उनके रथ को स्थानीय लोगों ने जबरन रोक भी लिया। प्रदर्शनकारी भाजपा व अरुण गोविल के विरुद्ध नारेबाज़ी करते समय अपने हाथों में चुनाव बहिष्कार के पोस्टर लेकर रथ के आगे खड़े हो गये। और कई जगह चुनाव बहिष्कार के पोस्टर चिपका दिये गये। प्रदर्शनकारी महिलाएं चुनाव बहिष्कार के पोस्टर लेकर प्रचार रथ के आगे आईं और गुस्साये लोगों ने प्रचार रथ पर चढ़ने का भी प्रयास किया। पश्चिमी उत्तर प्रदेश से ही भाजपा के और भी कई उम्मीदवारों के विरोध व उनके बहिष्कार की ख़बरें प्राप्त हुई हैं। इसी तरह मेरठ से लेकर सहारनपुर तक राजपूत समाज बड़ी बड़ी पंचायतें कर भाजपा को वोट न देने और भाजपा प्रत्याशियों का विरोध करने का आह्वान कर रहा है। पश्चिम यूपी में ठाकुर चौबीसी जो पूर्व में भाजपा का साथ देती रही है उसी ठाकुर चौबीसी ने इसबार भाजपा के बहिष्कार की घोषणा कर दी है। हालांकि राजपूत समाज की नाराज़गी का कारण पश्चिमी उत्तर प्रदेश में टिकट वितरण में राजपूत समाज की अनदेखी बताया जा रहा है। राजपूत समाज गाज़ियाबाद से सांसद वी. के. सिंह का लोकसभा टिकट काटने के भी ख़िलाफ़ है। राजपूत उत्थान सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय सोम तो साफ़ तौर पर घोषणा कर चुके हैं कि हम भाजपा और मुज़फ़्फ़र नगर लोकसभा प्रत्याशी डॉ संजीव बालियान का खुलकर विरोध करेंगे। उनके अनुसार जब ठाकुरों को प्रतिनिधित्व ही नहीं दिया जा रहा तो राजपूत भाजपा को वोट क्यों दें? केवल राजपूत ही नहीं बल्कि त्यागी और सैनी जैसा इस क्षेत्र का प्रमुख समाज भी पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपने कम प्रतिनिधित्व से असंतुष्ट होने की बात कर रहा है। गांव गांव इस आशय के पोस्टर लगे हैं कि पूरे पश्चिमी यूपी में इस बार ठाकुर भाजपा से आर पार करेंगे। इसी तरह सहारनपुर-दिल्ली हाईवे पर स्थित ननौता गांव में गत 7 अप्रैल को हज़ारों की संख्या में राजपूत बिरादरी के लोग इकठ्ठा हुये। इस से भाजपा के भीतर खलबली मच गई। क्षत्रिय समाज की संघर्ष समिति की ओर से नानौता में आयोजित इस सम्मेलन को क्षत्रिय स्वाभिमान महाकुंभ का नाम दिया गया जिसमें पश्चिमी यूपी के कई जिलों सहित राजस्थान और हरियाणा से भी ठाकुर समाज के लोग बड़ी संख्या में पहुंचे। यहाँ तक कि भीड़ ने हाइवे को भी पूरी तरह से जाम कर दिया। इस सभा में वक्ताओं का कहना था कि उनके इतिहास के साथ छेड़छाड़ की जा रही है। राजनीतिक द्वेष की भावना से राजपूत समाज को कमज़ोर किया जा रहा है। इस महाकुंभ में सम्राट मिहिर भोज और लोकसभा चुनाव में टिकट बंटवारे का मुद्दा ज़ोर शोर से उठाया गया। ग़ौर तलब है कि गुर्जर और ठाकुर समाज के लोग सम्राट मिहिर भोज पर अपनी-अपनी जाति का होने का दावा करते आ रहे हैं। जिसे लेकर दोनों ही समाज में एक दूसरे के प्रति असंतोष है।

एक नजर

गोपालगंज में गेंहू की खरीदारी के लिए 13 करोड़ की मिली सीसी

गोपालगंज,एजेंसी। जिले में रबी की फसल कटाई का दौर जारी है। जिसके तहत इन दिनों किसानों की तरफ से गेहूं, सरसों व मटर की फसलों की कटाई की जा रही है। 190 पैक्स को गेंहू की खरीदारी के लिए 12.75 करोड़ रुपये की सीसी मिली है लेकिन गेंहू की खरीदारी अभी तक एक किलोग्राम भी नहीं हो पाई है। राज्य सरकार ने किसानों से गेहूं खरीद की तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। जिसके तहत राज्य सरकार किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य 2275 रुपये एमएसपी पर गेहूं की खरीद करेगी । इसके लिए राज्य सरकार के खाद्य व उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने अपनी पूरी तैयारियां कर ली हैं। एक तरफ जहां गेहूं खरीद केंद्रों की व्यवस्था चाक-चौबंद की गई है, वहीं गेहूं खरीद प्रक्रिया को किसानों के लिए सरल व पारदर्शी बनाने की भी पूरी व्यवस्था खाद्य व उपभोक्ता संरक्षण विभाग की तरफ से की गई है। फिर भी किसानों ने अभी तक जिले के एक भी पैक्स से एक किलोग्राम गेंहू नहीं बेचा है। जबकि सहकारिता विभाग ने जिले के 190 पैक्स को गेंहू खरीदने के लिए अधिकृत किया है। गेंहू खरीदारी करने के लिए 190 पैक्सों को 12 करोड़ 67 लाख रुपये का सीसी किया है। जिला सहकारिता पदाधिकारी अनुपम प्रिंस ने बताया कि अभी किसानों ने किसी भी पैक्स को गेंहू नहीं बेचा है। इसका कारण है कि गेंहू का सरकारी दर से अधिक बाजार में किसानों को मिल रहा है। जिस कारण किसान पैक्स को गेंहू देना नहीं रहे है।

मोतिहारी पुलिस ने लूट व आर्म्स एक्ट कांड में वांछित अपराधी को किया गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण। जिला पुलिस टीम ने छौड़ादानो थाना क्षेत्र से गुप्त सूचना के आधार पर घोड़ासहन में हुए तीन लूट कांड और आर्म्स एक्ट के वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधी रामा यादव जितना थाना क्षेत्र का निवासी बताया गया है। इस संबंध में सिकरहना डीएसपी अशोक कुमार ने बताया है कि गिरफ्तार रामा यादव पर घोडासहन थाना में आर्म्स एक्ट व लूट के तीन मामले दर्ज हैं। जिसमें पुलिस को उसकी तलाश थी। बताया गया है कि उसके कुछ अन्य सहयोगियों को भी पुलिस ने चिन्हित किया है,जिसके विरुद्ध छापेमारी की जा रही है। पुलिस टीम में डीएसपी के अलावे, छौड़ादानो सर्किल इंस्पेक्टर धनंजय कुमार घोड़ासहन थाना अध्यक्ष शंभू कुमार, जितना थाना अध्यक्ष अमित कुमार, थानाध्यक्ष झरोखर शिवनाथ मांझी, छौड़ादानो थाने के सब इंस्पेक्टर चंदन कुमार, घोड़ासहन के एसआई अभय कुमार, पीएसआई विकास कुमार, मधुकर कुमार सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

डीएम ने लोगों से की मतदान करने की अपील, पहले मतदान फिर जलपान

भागलपुर। लोकसभा आम निर्वाचन चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर भागलपुर के जिलाधिकारी डॉक्टर नवल किशोर चौधरी लगातार प्रयासरत हैं। इसी कड़ी में गुरुवार को घंटाघर चौक से एक मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। मतदाता जागरूकता रैली को जिलाधिकारी नवल किशोर चौधरी, डीसी कुमार अनुराग के अलावा कई पदाधिकारी ने सामूहिक रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस जागरूकता रैली में जीविका दीदी, एनसीसी के बच्चे और निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी डॉक्टर नवल किशोर चौधरी खुद मौजूद थे। इस जागरूकता रैली में नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कलाकारों ने लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया। जिलाधिकारी डॉक्टर नवल किशोर चौधरी ने लोगों को जागरुक करते हुए कहा कि मतदान हमारा अधिकार है। इसका इस्तेमाल हमें जरूर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह समानता का पर्व है। पहले लोगों को मतदान करना है फिर जलपान करना है। उन्होंने कहा कि भागलपुर में सर्वाधिक मतदान प्रतिशत होना चाहिए। इसके लिए हम लोगों को घरों से निकलकर मतदान केंद्र पहुंचकर मतदान करना है।

उर्वरक विक्रेताओं के लिए उर्वरक प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत

समस्तीपुर। डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय (पूसा) के कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली में जिले के विभिन्न प्रखंडों के 40 उर्वरक अनुज्ञप्ति के लिए समेकित पोषक तत्व प्रबंधन,विषय पर 15 दिनों का प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ रमन त्रिवेदी (निदेशक छात्र कल्याण) तथा अध्यक्षता निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ मधुसूधन कुंडू ने किया। किसानों को संतुलित उर्वरक का प्रयोग कराने की अपेक्षा की तथा मिट्टी मनुष्य एवं वातावरण को स्वस्थ्य बनाने के लिए प्रेरित किया विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक सह प्रधान डॉ रावेन्द्र कुमार तिवारी, ने प्रशिक्षनर्थीयों को मृदा के क्षेत्र में उनकी अहम् भूमिका से अवगत कराते हुए उन्हें किसानों को उर्वरक की सही मात्रा तथा उचित प्रयोग बताने की सलाह दी। कृषि विज्ञान केंद्र की भारती उपाध्याय विषय वस्तु विशेषज्ञ (फसल उत्पादन सह प्रशिक्षण समन्वयक) ने समेकित पोषण प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का मंच संचालन भारती उपाध्याय ने किया। प्रशिक्षण के दौरान ई विनीता कश्यप, डॉ संचिता घोष अभिलिप्सा विसवाल, निशा रानी तथा विद्यापति चौधरी ने तकनीकी सहयोग प्रदान किया।

रसायनिक उर्वरक और कीटनाशक के अत्यधिक प्रयोग से बिगड़ रही मिट्टी और मानव की सेहत

पूर्वी चंपारण,एजेंसी। कृषि प्रधान देश भारत के खेतो में लगातार बढ़ रहे रासायनिक उर्वरक एवं कीटनाशक के प्रयोग से न केवल जमीन की गुणवत्ता घट रही है,बल्कि इसके दुष्प्रभावों ने मानव जीवन से लेकर पशु,पक्षी, जलस्रोत सहित समूचा पर्यावरणीय चक्र असुरक्षित होता जा रहा है। अत्यधिक कृषि उत्पाद पाने की लालच में खेतो में अनुचित मात्रा रसायनों व कीटनाशको के प्रयोग ने पूरे मानवीय जीवन के लिए गंभीर संकट पैदा करता दिख रहा है। एक ओर जहां दुनिया के कई देशों ने रसायनिक उर्वरक के उत्पादन को प्रतिबंधित कर दिया है। वही भारत में लगातार रसायनिक उर्वरको व कीटनाशक की मांग और उत्पादन में बढोत्तरी दर्ज की जा रही है।एक सर्वेक्षण के अनुसार प्रतिदिन औसतन एक भारतीय 0.27 मिलीग्राम रसायन व कीटनाशक सब्जी, अनाज, फल, दूध एवं पानी के माध्यम से पेट में ग्रहण कर रहा है। जिससे देश में ब्लड प्रेशर,डायबिटीज, दमा, साइनस, हृदय रोग, थायरॉइड, एलर्जी,अंधापन एवं कैंसर जैसे गंभीर बीमारी मानव शरीर में बढ़ रहा है।

कृषि जानकार बताते है कि प्रकृति ने खेती के लिए बहुत कुछ दिया है।चार पांच दशक पूर्व किसान प्राकृतिक व्यवस्था से ही खेती करते थे।तब गंभीर बीमारी से लोग कम ग्रसित थे।लेकिन अब तो मानो हद ही हो गई है,लोग अधिक उपज की लालसा में अंधाधुध रसायनिक खाद खेतो में उड़ेलते जा रहे है।जिसके कई दुष्प्रभाव सामने आये है।जानकार बताते है,कि पहले गाय और बैल के गोबर,सूखे पत्ते और फसल के अवशेष से बने जैविक खाद से ही खेती करते थे।तब उपज भी ज्यादा थी,और लोग गंभीर बीमारी के शिकार भी कम थे।अब तो इन अवशेषो को खेतो में जलाकर मिट्टी में मौजूद उपयोगी जैविक कार्बन को समाप्त कर उल्टे धुँआ से पर्यावरण को ही नुकसान पहुंचाया जा रहा है। प्रकृति खेती के लिए किसानो को जागरूक बना रहे पूर्वी चंपारण के परसौनी कृषि विज्ञान केन्द्र के मृदा विशेषज्ञ डा.आशीष राय बताते है,कि मिट्टी और मानव जाति के सेहत के लिए प्रकृति ने अमृत रूपी कई अवयव दिये है।जिसके प्रयोग से खेती से भरपूर उपज प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि प्रकृति ने कभी भी आसमान से डीएपी या पोटाश की बारिश नहीं की है, फिर भी लाखों वर्ष से धरती हरी भरी है।इसका सबसे बड़ा कारण प्रकृति में मौजूद वह अवयव और जैविक कार्बन ही है,जो वापस मिट्टी को शक्ति प्रदान करती है,लेकिन रसायनिक उर्वरक के प्रयोग से इसका क्षरण हो रहा है।और लोग विभिन्न रोगों से कराह रहे है। पशु,पक्षी और जलस्रोत भी प्रदूषित हो रहे है। उन्होने बताया कि गांवो में गौ पालन को बढाना देना होगा,और इनके गोबर के साथ ही खाद्य व फसल अपशिष्ट के साथ अन्य प्राकृतिक अवयवो से तैयार खाद के प्रचलन को भी बढाना होगा।इस उपाय से ही हम इस गंभीर चुनौती का सामना कर सकते है।वही जैविक और प्रकृति तरीके से खेती कर रहे किसान रामचंद्र कुशवाहा बताते है,कि हम पांच एकड़ में खेती कर रहे है,जिसमें हम गाय के गोबर से तैयार खाद डालकर बेहतर उत्पादन के साथ ही केमिकल मुक्त शुद्ध अनाज,सब्जी और दूध का सेवन करते है। उन्होने बताया कि इस कारण ही हम और हमारा पूरा परिवार सभी रोग से मुक्त और पूरी तरह स्वस्थ है।ऐसी सोच देश राज्य और समाज के सब किसान की हो जाय तो निश्चित रूप से पूरा देश जलवायु परिवर्तन के इस दौर में बेहतर उपज के साथ पूरा पर्यावरण और मानव शरीर की रक्षा कर सकता है।

तेजस्वी ने लोक लुभावन वादों के साथ किया पीएम और भाजपा पर प्रहार

अररिया,एजेंसी। अररिया नेताजी सुभाष स्टेडियम में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद ने गुरुवार को जनसभा का संबोधित की,जिसमे उन्होंने लोक लुभावन वादों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर कड़ा प्रहार किया। इंडी एलायंस के राजद प्रत्याशी शाहनवाज आलम के नामांकन के मौके पर आयोजित जनसभा में तेजस्वी प्रसाद ने कहा कि बिहार से भाजपा के नेता डरे हुए हैं।

प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, मुख्यमंत्री से लेकर पूरे एनडीए के नेताओं को उनके खिलाफ उतार दिया है और वे अकेले मैदान में डटे हुए है। अपने संबोधन में तेजस्वी प्रसाद ने कहा कि जब उनके गठबंधन की सरकार बनी तो आने वाले 15 अगस्त को एक करोड़ लोगों को सरकारी नौकरी देने का काम किया जाएगा।उन्होंने कहा कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाना,एक लाख रुपैया सहायता राशि प्रत्येक परिवार को दिलाना, 500 रुपये में गैस सिलेंडर,200 यूनिट फ्री बिजली, बिहार में पांच स्थानों पर हवाई अड्डा का निर्माण कराये जाने की लोक लुभावन घोषणा की। उन्होंने कहा कि बिहार में बेरोजगारी, गरीबी, शिक्षा, चिकित्सा एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं का अभाव प्रमुख मुद्दा है। लेकिन केंद्र और राज्य की सरकार के नेता इन मुद्दों पर बात नहीं कर मुद्दाविहीन राजनीति करने का काम कर रहे हैं। तेजस्वी प्रसाद के निशाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी रहे। उन्होंने भाजपा को बड़का झूठा पार्टी और प्रधानमंत्री को जुमलेबाज करार दिया। तेजस्वी प्रसाद ने मरहूम जनाब तस्लीमुद्दीन को भी याद करते हुए उनके पुत्र एवं राजद प्रत्याशी शाहनवाज आलम द्वारा उनके नक्शे कदम पर काम करने की अपेक्षा जताई। सभा को वीआईपी पार्टी के मुकेश साहनी, राजद नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी, कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान,कांग्रेस जिला अध्यक्ष जाकिर अनवर सहित दर्जनों नेताओं ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन रजत जिला अध्यक्ष मनीष यादव द्वारा किया गया।

पूर्व सांसद बुलो मंडल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में राजद कार्यकर्ता जदयू में शामिल

पटना,एजेंसी। राजद के पूर्व सांसद शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल ने गुरुवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलकर आशीर्वाद लिया। इसके बाद पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मुंगेर से लोकसभा उम्मीदवार राजीव रंजन सिंह उर्फ 'ललन', प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा एवं बिहार सरकार के मंत्री विजय कुमार चौधरी ने संयुक्त रूप से पूर्व सांसद शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल को जदयू की प्राथमिक सदस्यता दिलाई। इस दौरान पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मुंगेर से लोकसभा उम्मीदवार राजीव रंजन सिंह उर्फ 'ललन' ने कहा कि बुलो मंडल जमीनी स्तर के सामाजिक कार्यकर्ता रहें हैं। उनके आने से भागलपुर और पूर्णिया में जदयू का संगठन मजबूत होगा।

उन्होंने कहा कि राजद अतिपिछड़ा समाज के प्रति वफादार नहीं है। असल मायनों में बिहार के अतिपिछड़ा समाज को सम्मान देने का काम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया है। मुख्यमंत्री ने न्याय के साथ विकास का उत्कृष्ट नमूना पेश किया है जिसकी सराहना आज दुनियाभर में होती है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल का प्रदेश के अतिपिछड़ा वर्ग में खासा प्रभाव है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नीतियों एवं विकासकार्यों में विश्वास जताते हुए उन्होंने जदयू का दामन थामा है। बातौर विधायक और सांसद बुलो मंडल ने कई वर्षो तक जनता की सेवा में समर्पित रहें हैं। हमें पूरी आशा है कि शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल के आने से पार्टी को जमीन पर और अधिक मजबूती प्रदान होगी। जदयू परिवार में बुलो मंडल एवं उनके तमाम साथियों का हम तहे दिल से स्वागत करते हैं। पूर्व सांसद शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल ने कहा किमुख्यमंत्रीनीतीश कुमार के नीतियों में आस्था व्यक्त करते हुए हमनें जदयू को मजबूती प्रदान करने में अपना योगदान देने का निर्णय लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजद में आंतरिक लोकतंत्र पूरी तरह से अब समाप्त हो चुका है। जदयू की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण करने वालों में मुख्य रूप से टुल्लू यादव, गौरव कुमार, शुभम कुमार यादव, पवन कुमार यादव, धर्मेन्द्र चौधरी, कुणाल झा एवं भानु झा शामिल है।

राजद नेता डॉ. शत्रुघ्न मंडल ने की बगावत, बागी बनकर चुनाव लड़ने का किया ऐलान

अररिया। राजद अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. शत्रुघ्न मंडल ने टिकट नहीं दिए जाने पर पार्टी से बगावत कर दी है और उन्होंने अररिया से वंचित मुक्ति मोर्चा के बैनरतले चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। इससे पहले टिकट कटने पर पूर्व सांसद सरफराज आलम भी बगावत करते हुए चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुके हैं।ऐसे में राजद के दो दो बागियों से प्रत्याशी शाहनवाज आलम को मुश्किलें बढ़ सकती है। डॉ. शत्रुघ्न मंडल के ऐलान ने जिले का सियासी पारा अचानक बढ़ा दिया है। डॉ. शत्रुघ्न मंडल ने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद और तेजस्वी प्रसाद को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि उनके साथ वादाखिलाफी की गई है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने उनसे अररिया से अति पिछड़ा समाज से ही चुनाव लड़ाने को लेकर आश्वस्त किया गया था।जिसको लेकर लगातार क्षेत्र में वे अपने समर्थकों के साथ जनता से जनसंपर्क कर रहे थे लेकिन ऐनवक्त पर उनके साथ नाइंसाफी की गई और किया गया वादा से पार्टी के शीर्ष नेता मुकर गए।

उन्होंने कहा कि पार्टी अति पिछड़ा समाज के साथ विश्वासघात किया है और अति पिछड़ा समाज को ठगने का काम किया। उन्होंने शाहनवाज आलम को टिकट दिए जाने पर भी सवाल खड़ा किया और कहा कि शाहनवाज आलम चंद दिन पूर्व पार्टी में एआईएमआईएम से आए थे,जिसके परिणामस्वरूप उन्हें बिहार सरकार में मंत्री भी बनाया गया था। पार्टी ने एआईएमआईएम के चार विधायकों को तोड़कर लाने का इनाम दे ही दिया था। फिर टिकट क्यों। उन्होंने कहा कि आखिर

हरेक बार एक ही परिवार के सदस्यों को टिकट देने का क्यों किया जाता है। डॉ. शत्रुघ्न मंडल सिकटी से जदयू के दो दो बार विधायक रहे मुरलीधर मंडल के पुत्र हैं।उनके समुदाय का लोकसभा क्षेत्र में अच्छा वोट बैंक माना जाता है और व्यक्तिगत तौर पर समुदाय में उनकी अच्छी पकड़ मानी जाती रही है। सिकटी विधानसभा से दो बार चुनाव लड़ चुके हैं और अच्छे वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे। 2020 में राजद के टिकट पर वे विधानसभा चुनाव लड़े थे और 70 हजार से अधिक वोट लाकर दूसरे स्थान पर रहे। डॉ. शत्रुघ्न मंडल अपने पिता के निधन के बाद राजनीति में आए और 2015 में जदयू के टिकट पर चुनाव लड़े थे। जिसमे भाजपा प्रत्याशी विजय कुमार मंडल से 8 हजार 106 मतों के अंतर से हार गए थे। जिसके बाद उन्होंने जेडीयू एस राजद ज्वाइन किया था। पिछले विधानसभा चुनाव के बाद जिले में राजद के सक्रिय राजनीति में वे थे।

रामनवमी मेला समिति के तत्वावधान में घोड़ा रेस प्रतियोगिता आयोजित

सहरसा। रामनवमी के अवसर पर रामनवमी मेला समिति पंचवटी के तत्वावधान में गुरुवार को पटेल मैदान में घोड़ा रेस प्रतियोगिता आयोजित किया गया।आयोजक एवं संचालक रमेश चंद्र यादव ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी रामनवमी मेला समिति पंचवटी द्वारा भव्य आकर्षक शोभा यात्रा एवं झांकी निकाली गई।

पटेल मैदान में जिले के घुड़सवारों के बीच घोड़ा रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि इस आयोजन में कल 45 घुड़सवारों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। इस अवसर पर तेज चाल एवं धीमी गति चाल में आयोजित किया गया। इस मौके पर घुड़सवारों ने अपने-अपने घोड़ा के करतब दिखाई। प्रतियोगिता के आयोजन में मुख्य रूप से अवधेश झा, सुभाष यादव, रामविनय सिंह, राम प्रकाश सिंह अन्य लोगों ने सराहनीय योगदान दिया। यादव ने बताया कि धीमी चाल प्रतियोगिता में आशीष कुमार चकला ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वही सहुरिया पूर्वी के छोटू सवार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि चंदौर निवासी अनिल यादव तृतीय स्थान पर रहे।

वही तेज गति चाल फर्दवाल में सहुरिया पूर्वी निवासी छोटू सवार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि आर्राहा निवासी पपलेश यादव ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वही चंदनपुर निवासी रजनीश सवार तृतीय स्थान पर रहे। आयोजक यादव ने बताया कि धीमी गति चाल एवं तेज गति चाल प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों को नगद एवं उचित सम्मान देकर सम्मानित किया जाएगा।इस अवसर पर घुड़सवार जीवन कुमार, मौसम कुमार,अनुज कुमार,ललन यादव, बबलू यादव,संतोष यादव,मनोज यादव,आशीष कुमार, शंकर यादव, विशो यादव, मिथिलेश यादव, रंजन कुमार,शंभू यादव,सत्यम सवार, कैलाश यादव,गोपी यादव सहित अन्य मौजूद रहे।

डिस्ट्रिक्ट इंटेलिजेंस कमेटी की बैठक आयोजित

किशनगंज। लोकसभा आम निर्वाचन अन्तर्गत जिले में 26 अप्रैल को मतदान की तिथि निर्धारित है। स्वच्छ, निष्पक्ष एवं भयमुक्त मतदान हेतु जिला प्रशासन द्वारा कई कार्य किये जा रहे है। इसी क्रम में सामान्य प्रेक्षक राजेंद्र विजयराव निंबालकर, एवं पुलिस प्रेक्षक राजेश सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को डिस्ट्रिक्ट इंटेलिजेंस कमिटी की समीक्षा बैठक की गई। बैठक में कस्टम अधिकारी को निर्देश दिया गया कि बॉर्डर एरिया को सख्ती से जांच किया जाए। रेलवे पुलिस फोर्स को गलगलिया-ठाकुरगंज के बीच चलने वाली ट्रेन पर विशेष ध्यान तथा निगरानी रखने का निर्देश दिया गया। रेलवे पुलिस फोर्स के द्वारा अभी तक लगभग कुल 41 लीटर शराब जब्त की गई है, जिसमें तीन को जेल भेजा गया है। डीएम तुषार सिंगला के द्वारा निर्देश दिया गया कि इस अभियान में और भी सख्ती बरती जाए और सभी गाड़ी जैसे-मालगाड़ी, पैसेंजर गाड़ियों तथा गोदाम में सघन चेकिंग किया जाए।

डीटीओ के द्वारा बताया गया कि 1 मार्च से अलग-अलग थानों में 39 गाड़ी में से 34 ओवरलोडिंग के कारण पकड़ी गई है साथ ही 14 लाख रूपए बरामद हुआ है। मद्य निषेध एवं उत्पाद को निर्देश दिया गया कि किशनगंज से सटे बॉर्डर एरिया में बनने वाले कच्ची दारू को जप्त कर उसको पब्लिकली नष्ट करने का निर्देश

दिया गया। बैठक में एलडीएम को निर्देश दिया गया कि एक लाख रुपये से ज्यादा जमा या निकासी करने वाले पर विशेष निगरानी रखा जाए। साथ ही संदेहस्पद खाताधारक पर निगरानी रखने का निर्देश दिया गया। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी के अलावा पुलिस अधीक्षक, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिकारी, बैंक अधिकारी, रेलवे पुलिस फोर्स पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी, आर्मी ऑफिसर एवम् अन्य पदाधिकारी, कर्मी उपस्थित थे।

एक नजर

मध्य अफ्रीका गणराज्य में हमला, 14 लोगों की मौत, कई घायलः संरा

संयुक्त राष्ट्र,एजेंसी। सशस्त्र विद्रोहियों ने मध्य अफ्रीका गणराज्य (सीएआर) में दक्षिणी मबोमौ प्रान्त के एक गांव में हमला कर 14 नागरिकों की हत्या कर दी। हमले में कई लोग घायल हुए हैं और विद्रोहियों ने घरों में आग लगा दी गयी। संयुक्त राष्ट्र के मानवतावादियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संरा कार्यालय (ओसीएचए) ने स्थानीय अधिकारियों का हवाला देते हुए कहा कि यूपीसी विद्रोही समूह के सदस्यों ने रविवार को बाकौमा शहर से लगभग 30 किलोमीटर दूर कोलोगोटा गांव पर हमला किया। ओसीएचए ने कहा, इस हमले में कई लोग घायल हुए हैं और कई घर जला दिये गये हैं। यह नरसंहार कथित तौर पर इसलिए किया गया, क्योंकि सशस्त्र समूह को ग्रामीणों पर मध्य अफ्रीकी सशस्त्र बलों के साथ सहयोग करने का संदेह था। कार्यालय ने कहा कि सशस्त्र समूहों के हिंसक हमले बढ़ रहे हैं। उलेखनीय है कि सशस्त्र समूह के सदस्यों ने दो अप्रैल को पश्चिमोत्तर प्रांत ऊहाम-पेंडे में बोहोंग के पास कम से कम 20 नागरिकों की हत्या कर दी थी और कई घर जला दिये गये थे। संरा महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के मुख्य प्रवक्ता स्टीफन डुजारिक ने बुधवार को कहा कि सीएआर में संरा शांति मिशन ने हमलों से प्रभावित क्षेत्रों में गश्त बढ़ा दी है।

कनाडा की सबसे बड़ी सोने की डकैती के आरोप में भारतीय मूल के दो लोग गिरफ्तार

टोरंटो। टोरंटो हवाईअड्डे पर कनाडा की सबसे बड़ी सोने की डकैती के आरोप में गिरफ्तार किए गए पांच दक्षिण एशियाई लोगों में से दो भारतीय मूल के हैं। कनाडा के सबसे बड़े टोरंटो हवाई अड्डे पर 17 अप्रैल, 2023 को एक बड़ी सोने की डकैती हुई थी, जिसमें 6,600 सोने की छड़ें चोरी हो गई थी। इसकी कीमत 20 मिलियन कनाडाई डॉलर से अधिक थी। पुलिस ने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोगों में ब्रैम्पटन का 54 वर्षीय परमपाल सिद्धू भी शामिल है, जो एयर कनाडा का कर्मचारी है। गिरफ्तार किए गए एक अन्य भारतीय-कनाडाई का नाम अमित जलोटा (40) है, जो टोरंटो के पास ओकविल से है। इस मामले में गिरफ्तार किए गए अन्य तीन लोग ब्रैम्पटन के पास जॉर्जटाउन के 43 वर्षीय अम्माद चौधरी, टोरंटो के 37 वर्षीय अली रजा और ब्रैम्पटन के 35 वर्षीय प्रसाद परमलिंगम थे।

इसके अलावा, पुलिस ने ब्रैम्पटन की 31 वर्षीय सिमरन प्रीत पनेसर, जो चोरी के समय एयर कनाडा की कर्मचारी थी, ब्रैम्पटन के 36 वर्षीय अर्चित ग्रोवर और मिसिसॉगा के 42 वर्षीय व्यक्ति अर्सलान चौधरी के खिलाफ भी वारंट जारी किया है। 400 किलोग्राम से अधिक वजन वाली सोने की छड़ें दो स्विस बैंक- रायफिसेन और वालकैम्बी द्वारा 17 अप्रैल, 2023 को ज्यूरिख से टोरंटो ले जाई गई थीं। स्विस बैंकों ने टोरंटो में शिपमेंट की सुरक्षा के लिए मियामी स्थित सुरक्षा कंपनी ब्रिंक को काम पर रखा था। सोने की छड़ों को टोरंटो हवाई अड्डे पर एयर कनाडा स्टोरेज डिपो में रखा गया था। तीन घंटे बाद, एक अज्ञात व्यक्ति आया और नकली दस्तावेज देकर सोना ले गया। रात करीब साढ़े नौ बजे उसी दिन जब कनाडा में ब्रिंक के कर्मचारी शिपमेंट लेने के लिए एयर कनाडा कार्गो डिपो पहुंचे, तो सोना पहले ही जा चुका था। ब्रिंक का कहना है कि एयर कनाडा कर्मियों ने अज्ञात व्यक्ति को शिपमेंट जारी कर दिया, जो इसे लेकर फरार हो गया।

भारत, अमेरिका के बीच लड़ाकू विमान इंजन के संबंध में हुआ समझौता क्रांतिकारी : ऑस्टिन

वाशिंगटन। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने बुधवार को सांसदों से कहा कि भारत और अमेरिका के बीच भारतीय वायु सेना के लिए मिलकर लड़ाकू विमान इंजन बनाने के संबंध में जो समझौता हुआ है, वह क्रांतिकारी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पिछले वर्ष जून में अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर गए थे और उसी दौरान इस ऐतिहासिक समझौते की घोषणा की गई थी। जनरल इलेक्ट्रिक ने भारत में एफ-414 लडाकू विमान इंजन के सह उत्पादन के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौते की शर्तों के अनुसार, जीई एयरोस्पेस के एफ414 इंजन का भारत में सह-निर्माण किया जाएगा और इससे तेजस हल्के लड़ाकू विमान एमके2 को और शक्तिशाली बनाया जा सकेगा। ऑस्टिन ने सदन विनियोग उपसमिति को बताया कि अमेरिका के भारत के साथ बेहतरीन संबंध हैं। उन्होंने कहा, हमने हाल में भारत को विमान का इंजन बनाने में मदद की और यह एक तरह की क्रांति है। इससे उनकी क्षमता बढ़ेगी। हम भारत के साथ मिलकर एक बख्तरबंद वाहन का भी निर्माण कर रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा, अगर कुल मिला कर देखा जाए तो यह सब लंबे वक्त में क्षेत्र में हुए काम से काफी अधिक है ।

भारत कांग्रेस से भाजपा के प्रभुत्व वाली व्यवस्था में परिवर्तित होता प्रतीत हो रहा है: एशले टेलिस

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका के प्रख्यात विशेषज्ञ एशले जे. टेलिस का कहना है कि ऐसा प्रतीत होता है कि भारत कांग्रेस के प्रभुत्व वाली व्यवस्था से भाजपा नियंत्रित व्यवस्था में परिवर्तित हो रहा है लेकिन यह देखना अभी बाकी है कि पार्टी दक्षिण भारत में अच्छा प्रदर्शन कर पाती है या नहीं। उन्होंने एक परिचर्चा में यह टिप्पणी की, जिसमें इस बात पर विचार मंथन हुआ कि क्या किसी एक इकाई का अत्यधिक शक्तिशाली होना लोकतंत्र के लिहाज से चिंता का विषय हो सकता है? विचारक संस्था कार्नेजी एन्डाउमेंट में वरिष्ठ अध्येता टेलिस ने बुधवार को कहा कि भारत में आम चुनाव के नवीनतम ओपिनियन पोल के रुझानों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ भाजपा लगातार तीसरी बार सरकार बनाती दिख रही है।

उन्होंने कहा कि यदि ओपिनियन पोल सही साबित होते हैं, तो प्रधानमंत्री मोदी को अगले पांच वर्षों तक राजनीतिक प्रभाव रखने के लिए पर्याप्त बहुमत के साथ चुने जाने की संभावना है। जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय की प्रोफेसर एलिसा आयर्स और एशिया ग्रुप से जुड़े अशोक मलिक ने भी मोदी के तीसरे कार्यकाल में भारत विषय पर परिचर्चा में हिस्सा लिया। टेलिस ने कहा, सबसे लंबे समय तक भारत उस व्यवस्था के साथ बहुत सहज था जिसे कांग्रेस व्यवस्था कहा जाता था। कई दशकों तक राजनीति में कांग्रेस का दबदबा रहा। ऐसा प्रतीत होता है कि अब हम भाजपा के अधिपत्य वाली व्यवस्था में परिवर्तित हो रहे हैं। उन्होंने कहा, लेकिन अगर हम भाजपा के प्रभुत्व वाली व्यवस्था की ओर बढ़ने के कगार पर हैं, तो क्या हमारे पास भारतीय लोकतंत्र के स्वास्थ्य के बारे में चिंतित होने का कोई कारण है? मेरा मतलब यह नहीं है कि यह केवल अल्पसंख्यकों या अन्य के लिए चिंता का मुद्दा है। हालांकि वहां यह सामान्य तौर पर चर्चा का विषय रहा है। मलिक ने कहा कि एक भारतीय के रूप में वह यह स्वीकार करते हैं कि वह इस बात से निराश हैं कि भारत में कभी भी दो-दलीय स्थिर प्रणाली नहीं रही है। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस हावी थी तो भाजपा सहित अन्य पार्टियां महत्वहीन थीं और 2014 के बाद से भाजपा का उभार हुआ और कांग्रेस आज कमजोर पड़ गई है। उन्होंने कहा, एक भारतीय नागरिक के रूप में भारतीय लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्ध व्यक्ति के लिए यह निराशाजनक बात है, चाहे मैं किसी भी पार्टी को वोट दूं। कोई भी नागरिक एक प्रतिस्पर्धा देखना पंसद करेगा।

हेलीकॉप्टर दुर्घटना में देश के सैन्य प्रमुख समेत नौ अधिकारियों की मौत

नैरोबी,एजेंसी। केन्या के सैन्य प्रमुख जनरल फ्रांसिस ओमोंडी ओगोला की देश के पश्चिम में एक सैन्य हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से मृत्यु हो गई है। राष्ट्रपति ने यह घोषणा की है। जनरल ओगोला ग्यारह अन्य सैन्य कर्मियों के साथ हेलीकॉप्टर में सवार थे। दुर्घटना में केवल दो लोग जीवित बचे है। बीबीसी ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि राष्ट्रपति विलियम रूटो ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह देश के लिए बड़े दुख का क्षण है। उन्होंने इससे पहले उन्होंने सुरक्षा परिषद की आपात बैठक बुलाई थी।

श्री रुटो ने बताया कि दुर्घटना स्थानीय समयानुसार 14:20 बजे हुई। राष्ट्रपति ने कहा कि केन्या वायु सेना ने दुर्घटना का कारणों का पता लगाने के लिए एक जांच दल भेजा है। हेलीकॉप्टर राजधानी नैरोबी से लगभग 400 किमी उत्तर-पश्चिम में एल्गेयो माराक्वेट काउंटी में गिरा। श्री रुटो ने कहा, दुर्भाग्य से, विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। बचाव और राहत टीमों को दुर्घटनास्थल पर भेजा गया है। वायु सेना के कमांडर और रक्षा बलों के उप प्रमुख के रूप में कार्य करने के बाद जनरल ओगोला को पिछले साल अप्रैल में श्री रुटो द्वारा नियुक्त किया गया था। श्री रूटो ने केन्या के सर्वोच्च रैंकिंग सैन्य अधिकारी और राष्ट्रपति के मुख्य सैन्य सलाहकार जनरल ओगोला को एक बहादुर अधिकारी बताया और कहा कि उन्होंने अपनी ड्यूटी के दौरान प्राण न्योछावर कर दिये। श्री रूटो ने राष्ट्र को बताया, हमारी मातृभूमि ने अपने सबसे बहादुर जनरलों, वीर

अधिकारियों, सैन्य पुरुषों और महिलाओं में से एक को खो दिया है। देश में शुक्रवार 19 अप्रैल से शुरू होने वाले तीन दिवसीय राष्ट्रीय शोक की घोषणा की गयी है। श्री रुटो ने कहा कि केन्या गणराज्य और विदेशों में केन्याई मिशनों में झंडे आधे झुके रहेंगे। दुर्घटना में मारे गए नौ अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों में ब्रिगेडियर स्वाले सईदी, कर्नल डंकन केटनी, लेफ्टिनेंट कर्नल डेविड सावे, मेजर जॉर्ज बेन्सन मैगोंडु, कैप्टन सोरा मोहम्मद, कैप्टन हिलेरी लिटाली, सीनियर सार्जेंट जॉन किन्यूआ मुरेथी, सार्जेंट क्लिफहोंस ओमोंडी, और सार्जेंट रोज़ न्यावीरा शामिल है। जीवित बचे दो लोगों की भी हालत गंभीर है और उनका इलाज चल रहा है। इन अधिकारियों ने केन्या के दस्युता से ग्रस्त उत्तरी रिफ्ट क्षेत्र की यात्रा की थी और दस्यु हमलों के बाद बंद किए गए कुछ स्कूलों को फिर से खोलने के मिशन पर ये लोग वहां गये थे। उन्होंने क्षेत्र को स्थिरता बहाल करने के लिए तैनात सैन्य अधिकारियों से भी मुलाकात की थी।

अमेरिका में अवैध तरीके से दाखिल हुए भारतीय नागरिक की मौत, भारत वापस भेजा जाना था

वाशिंगटन। अवैध तरीके से अमेरिका आने वाले एक भारतीय नागरिक की अटलांटा के एक अस्पताल में मौत हो गई। उसे भारत प्रत्यर्पित किया जाना था। संघीय अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अमेरिकी प्रवासन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) विभाग ने बताया कि न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास को 57 वर्षीय जसपाल सिंह की मौत के बारे में जानकारी दे दी गई है। साथ ही उसके परिजनों को भी इसके बारे में सूचित कर दिया गया है। आईसीई ने बताया कि 15 अप्रैल को अटलांटा के एक अस्पताल में सिंह की मौत हो गई। भारतीय नागरिक सिंह ने पहली बार 25 अक्टूबर 1992 में कानूनी तरीके से अमेरिका में प्रवेश किया था। 21 जनवरी 1998 को एक आव्रजन न्यायाधीश ने सिंह को अमेरिका से जाने का आदेश दिया इसके बाद सिंह स्वेच्छा से भारत लौट आया था। सिंह ने 29 जून 2023 को दोबारा अमेरिका में अवैध तरीके से प्रवेश करने की कोशिश की लेकिन अधिकारियों ने उसे अमेरिका- मेक्सिको सीमा पर गिरफ्तार कर लिया था। सिंह को गिरफ्तार किये जाने के बाद उसे अटलांटा के प्रवर्तन और निष्कासन संचालन (ईआरओ) को सौंप दिया गया था। जहां से उसे अटलांटा के एक हिरासत केंद्र में रखा गया था। अमेरिका में जब ऐसे किसी व्यक्ति की हिरासत केंद्र में मौत होती है जो वहां का नागरिक नहीं है तो ईआरओ को दो कार्यदिवस के भीतर संसद, गैर-सरकारी संगठन, मीडिया को इसकी सूचना देनी होती है साथ ही अपनी वेबसाइट में व्यक्ति से जुड़े विवरण साझा करने होते हैं।

पश्चिमी जापान में भूकंप के जोरदार झटके

टोक्यो,एजेंसी। पश्चिमी जापान में बुधवार रात महसूस किए भूकंप के जोकदार झटकों के कारण किसी बड़े नुकसान या घातक हताहत की सूचना नहीं है। जापान प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने गुरुवार सुबह संवाददाताओं को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भूकंप के झटके स्थानीय समय के अनुसार रात करीब 11:14 बजे ऐनान, एहिमे प्रीफेक्चर और सुकुमो, कोच्चि प्रीफेक्चर, दोनों शिकोकू द्वीप में महसूस किए गए । इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.6 मापी गयी। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) के अनुसार भूकंप का केंद्र बुंगो चैनल में 39 किलोमोटर की गहरायी में था। बुंगो चैनल क्यूशू और शिकोकू द्वीपों को अलग करने वाली एक जलडमरूमध्य है।

जापान के सरकारी न्यूज चैनल एनएचके ने गुरुवार सुबह बताया कि भूकंप से एहिमे और कोच्चि में सात लोगों को हल्की चोटें आईं, और कुछ क्षेत्रों में मामूली क्षति हुई, जैसे पानी के पाइप टूटना, बिजली के तार लटकना, स्ट्रीट लाइटें गिरना और राष्ट्रीय सड़क पर भूस्खलन की घटना शामिल है। मौसम एजेंसी ने शुरू में भूकंप की तीव्रता 6.4 बताई थी, लेकिन बाद में आंकड़े को संशोधित कर 6.6 कर दिया।

गौरतलब है कि 1996 के बाद से यह पहली बार वर्तमान भूकंपीय तीव्रता पैमाने को पेश किया गया है और बताया गया है कि 06 या उससे अधिक की तीव्रता वाले भूकंप के झटके शिकोकू द्वीप में महसूस किए गए हैं। जेएमए ने कहा, यह जापान के प्रशांत तट पर स्थित है। शिकोकू इलेक्ट्रिक पावर कंपनी ने कहा कि भूकंप से एहिमे प्रीफेक्चर में इकाता परमाणु ऊर्जा संयंत्र को कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। वहीं, क्यूशू इलेक्ट्रिक पावर कंपनी ने कहा कि क्यूशू द्वीप पर कागोशिमा प्रान्त में सेंदाई परमाणु ऊर्जा संयंत्र में कोई असामान्यता नहीं पाई गई है।

गाजा में इजरायली हवाई हमले में 13 फिलिस्तीनी मारे गए

गाजा। उत्तरी गाजा पट्टी में फिलिस्तीनियों की एक सभा को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हवाई हमले में कम से कम 13 फिलिस्तीनी मारे गए। स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों और चिकित्सा सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने चीन की न्यूज एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि गाजा शहर के शेख राडवान में इंटरनेट का उपयोग करने की कोशिश कर रहे फिलिस्तीनियों की एक सभा पर एक ड्रोन के जरिए हमला किया गया।

चिकित्सा सूत्रों ने बताया कि कम से कम 13 फिलिस्तीनियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, और कई अन्य घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उधर, इजरायली

मीडिया ने बताया कि हवाई हमले में हमास पोलित ब्यूरो नेता इस्माइल हनिएह का भतीजा भी मारा गया। इस बीच, फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने कहा कि इजरायली सेना ने मध्य गाजा पट्टी में नुसीरात शरणार्थी शिविर में एक आवासीय चौराहे को ध्वस्त कर दिया, जो लगभग एक सप्ताह से सैन्य अभियान का स्थल रहा है। सूत्रों ने कहा कि इजरायली सेना ने हवाई और गोला बारी तेज कर दिए हैं। उल्लेखनीय है कि11 अप्रैल को, इजरायली सेना ने हमास के खिलाफ छह महीने से अधिक समय से चल रहे युद्ध के एक हिस्से के रूप में मध्य गाजा पट्टी में एक आश्चर्यजनक सैन्य अभियान शुरू करने की घोषणा की थी।

इंडोनेशिया में रुआंग पर्वत पर विस्फोट, सुनामी का खतरा, लोगों को इलाका खाली करने का आदेश

जकार्ता। इंडोनेशिया के उत्तरी सुलावेसी के रुआंग पर्वत पर हुए विस्फोट के बाद सुनामी का खतरा बढ़ गया है। इसके मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को तत्काल प्रभाव से बंद करना पड़ा है। क्षेत्र में हजारों फीट की ऊंचाई पर राख फैल गई है। अधिकारियों ने बुधवार को सुनामी की चेतावनी जारी करते हुए 11,000 से अधिक लोगों को क्षेत्र छोड़ने का आदेश दिया है।

इंडोनेशिया के प्रमुख समाचार पत्र जकार्ता पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने गुरुवार को कहा है कि रुआंग ज्वालामुखी से कई दिनों तक लावा और राख निकलने के बाद आसपास के इलाकों से सैकड़ों लोगों को हटाया गया है। इसी वजह से उत्तरी सुलावेसी में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को बंद कराया गया है। बुधवार को उत्तरी सुलावेसी के दूरदराज के द्वीप पर अचानक ज्वालामुखी से लावा निकलने लगा। कुछ ही देर में राख का ढेर आकाश में तीन किलोमीटर (दो मील) तक फैल गया। ज्वालामुखी के ऊपर आकाश में बिजली की चमक दिखाई दे रही है। अधिकारियों की चेतावनी के बीच क्षेत्र से 800 से अधिक लोगों को

सुरक्षित निकाल लिया गया है। इंडोनेशिया के ज्वालामुखी विज्ञान और भू-वैज्ञानिक आपदा न्यूनीकरण केंद्र ने कहा कि सुलावेसी द्वीप के उत्तरी किनारे पर ज्वालामुखी में पिछले 24 घंटों में कम से कम पांच बड़े विस्फोट हुए हैं।

अधिकारियों को चिंता है कि ज्वालामुखी का एक हिस्सा समुद्र में गिर सकता है और 1871 के विस्फोट की तरह सुनामी पैदा कर सकता है। ज्वालामुखी के उत्तर-पूर्व में टागुलैंडांग द्वीप फिर खतरे में है। द्वीप के आसपास के निवासियों को अन्यत्र जाने को कहा गया है। उल्लेखनीय है कि इंडोनेशिया में इस तरह की ज्वालामुखीय गतिविधियां आम हैं। यह प्रशांत महासागर के चारों ओर भूकंपीय दोष रेखाओं की घोड़े की नाल के आकार की श्रृंखला %रिंग ऑफ फायर के साथ स्थित है। अधिकारियों ने पर्यटकों और अन्य लोगों को रुआंग ज्वालामुखी से कम से कम छह किलोमीटर (3.7 मील) दूर रहने के लिए चेताया है। 270 मिलियन लोगों के द्वीप समूह इंडोनेशिया में 120 सक्रिय ज्वालामुखी हैं।

ब्राज़ील में बस दुर्घटना में सात लोगों की मौत

रियो डी जनेरियो। दक्षिण-पूर्वी ब्राजील के मिनस गेरैस राज्य में एक यात्री बस के दुर्घटनाग्रस्त होने से सात लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। स्थानीय सैन्य राजमार्ग पुलिस ने यह जानकारी दी। यह दुर्घटना साओ जोआओ इवेंजेलिस्टा और साओ पेड्रो डो सुआकुई नगर पालिकाओं के बीच एमजीसी-120 क्षेत्रीय राजमार्ग पर बुधवार सुबह हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार चालक ने सड़क पार कर रहे कुत्तों से बचने का प्रयास किया और बस पलट गई। चौबीस यात्रियों को ले जा रही बस मिनस गेरैस में क्षेत्रीय राजधानी बेलो होरिज़ोंटे और मिनस नोवास की नगर पालिका के बीच यात्रा कर रही थी। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, घायलों में से किसी की भी हालत नाजुक नहीं है।

पाकिस्तानी सरकार की चिंताओं को दूर करने के लिए काम करना जारी रखेंगे- सोशल मीडिया मंच 'एक्स'

इस्लामाबाद। सोशल मीडिया मंच एक्स ने पाकिस्तान में उसकी सेवाओं को फरवरी से लगातार निलंबित किये जाने के बीच बृहस्पतिवार को पहली बार कहा कि संबंधित अधिकारियों के साथ उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए काम किया जा रहा है। पाकिस्तान सरकार ने बुधवार को उच्च न्यायालय को बताया था कि राष्ट्रीय सुरक्षा मुद्दों के कारण देश में माइक्रोब्लॉगिंग वेबसाइट एक्स की सेवाओं पर प्रतिबंध लगाया गया है। एलन मस्क के स्वामित्व वाले सोशल मीडिया मंच एक्स की सेवाओं को फरवरी में निलंबित कर दिया गया था। उस वक्त रावलपिंडी के पूर्व आयुक्त लियाकत चट्ठा ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त और मुख्य न्यायाधीश पर आठ फरवरी के आम चुनावों में धांधली में शामिल होने का आरोप लगाया था। एक्स की वैश्विक सरकारी मामलों की एक टीम ने कहा, हम उनकी चिंताओं को समझने के लिए पाकिस्तानी सरकार के साथ काम करना जारी रखेंगे। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) ने एक्स की सेवाओं को निलंबित किये जाने के खिलाफ पत्रकार एहतिशाम अब्बासी की याचिका पर बुधवार को सुनवाई की थी। इसी तरह के एक मामले की सुनवाई में सिंध उच्च न्यायालय (एसएचसी) ने बुधवार को गृह मंत्रालय को एक सप्ताह के भीतर निलंबन के संबंध में अपना निर्णय रद्द करने का निर्देश दिया था। अदालत ने सुनवाई नौ मई तक के लिए स्थगित कर दी थी और गृह मंत्रालय को उक्त तारीख पर सोशल मीडिया मंच की सेवाओं को निलंबित किये जाने का कारण बताने का निर्देश दिया था।

आईडीएफ ने राफा में हवाई हमले किए, कई लोगों के मारे जाने की आशंका

तेल अवीव। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने गुरुवार तड़के राफा क्षेत्र में हवाई हमले किए। हमले में कई लोगों के मारे जाने की आशंका जताई जा रही है। इजरायली और अरब मीडिया के अनुसार, हमले में कई लोगों के मारे जाने की आशंका है और कई घायल हुए हैं। ईरान ने इजरायल पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं, इसलिए आईडीएफ ने हमास और हिजबुल्लाह आतंकवादियों के खिलाफ अपनी आक्रामकता बढ़ा दी है। आईडीएफ ने बुधवार को राफा क्षेत्र में हवाई हमला किया था जिसमें सात लोग मारे गए थे। अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस सहित इजरायल के सहयोगियों ने इजरायल से राफा क्षेत्र पर हमला नहीं करने का अनुरोध किया था क्योंकि इस क्षेत्र में जनसंख्या घनत्व अधिक है। इस क्षेत्र में लगभग 13 लाख लोगों की आबादी है। आतंकवादियों को खदेड़ने के लिए किए गए किसी भी हमले से बड़ी संख्या में नागरिक हताहत हो सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल ने क्षेत्र में नागरिकों के लिए एक निकासी योजना तैयार की है, अमेरिका इस योजना से संतुष्ट नहीं था।

एक नजर

पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण जीत सकती है भारतीय पुरूष हॉकी टीम, कहा प्रीतम सिवाच ने

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान प्रीतम रानी सिवाच को यकीन है कि पुरूष टीम पेरिस ओलंपिक में अपने पदक का रंग बदलकर स्वर्ण जीत सकती है। आठ बार की चैम्पियन भारतीय टीम ने 41 साल के इंतजार को खत्म करके तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। सिवाच ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा, ''भारत के पास कुछ बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं जो मैच जिताने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा, %%भारत का पूल कठिन है लेकिन मुझे यकीन है कि टीम पदक का रंग बदलकर पीला तमगा जीत सकती है। भारत को ओलंपिक में पहला मैच 27 जुलाई को न्यूजीलैंड से खेलना है। सिवाच ने कहा कि आगामी राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग से युवाओं को अपना कौशल दिखाने का मौका मिलेगा जिससे राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का रास्ता बनेगा। उन्होंने कहा, ''इसके जरिये खिलाड़ियों को पता चलेगा कि उन्हें किन पहलुओं पर काम करना है और अपने खेल में सुधार कैसे कर सकते हैं।%% लीग दो चरण में होगी और रांची चरण 30 अप्रैल से नौ मई के बीच होगा।

बीसीसीआई ने आईपीएल मैच के दौरान 12,000 कैंसर और थैलेसीमिया रोगियों की मेजबानी की

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को यहां गुजरात टाइटंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेले गये इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के दौरान 12,000 कैंसर और थैलेसीमिया रोगियों की विशेष आमंत्रित के रूप में मेजबानी की। ऋषभ पंत की अगुवाई वाली दिल्ली की टीम ने यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस को आईपीएल के अब तक के उसके सबसे कम स्कोर 89 रन पर समेटने के बाद छह विकेट से जीत हासिल की। यहां जारी विज्ञप्ति के मुताबिक कैंसर और थैलेसीमिया के बारे में जागरूकता बढ़ाने के अभियान में बीसीसीआई सचिव जय शाह ने रक्त दाताओं और रक्तदान शिविर आयोजकों के साथ विशेष आमंत्रितों का स्वागत किया। विज्ञप्ति में बताया गया, यह असाधारण पहल कैंसर और थैलेसीमिया से पीड़ित लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने में काफी मददगार होगी। इससे लोगों ने मौज-मस्ती और मनोरंजन के एक बेहद जरूरी दिन का अनुभव किया। लोगों के चेहरों पर खुशी साफ देखी जा सकती थी और वे अपनी पसंदीदा टीमों का उत्साह बढ़ा रहे थे। स्टेडियम में खुशी और सौहार्द का ऐसा अनूठा माहौल पहले कभी नहीं देखा गया।

आईपीएल के इंपैक्ट खिलाड़ी नियम से भारतीय हरफनमौलाओं के विकास पर लगेगी रोक : रोहित

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा आईपीएल के इंपैक्ट खिलाड़ी नियम के प्रशंसक नहीं है और उनका मानना है कि इससे वॉशिंगटन सुंदर और शिवम दुबे जैसे क्रिकेटर गेंदबाजी में अपना कौशल नहीं दिखा पा रहे और देश में हरफनमौलाओं का विकास बाधित हो गया है। इंपैक्ट खिलाड़ी का नियम 2023 सत्र से लागू किया गया जिसमें सभी टीमें एक खिलाड़ी (बल्लेबाज या गेंदबाज) की जगह स्थानापन्न खिलाड़ी को उतार सकते हैं।

रोहित ने माइकल वॉन और एडम गिलक्रिस्ट के यूट्यूब शो %क्लब प्रेयरी फायर% पर कहा, ''मेरा मानना है कि इससे भारतीय हरफनमौलाओं का विकास बाधित होगा। उन्होंने कहा, ''क्रिकेट 11 खिलाड़ियों के साथ खेला जाता है, 12 के साथ नहीं। मैं इंपैक्ट खिलाड़ी के नियम का मुरीद नहीं है। थोड़े से मनोरंजन के लिये क्रिकेट से बहुत कुछ छीना जा रहा है। उन्होंने कहा, ''मैं कई उदाहरण दे सकता हूं। वॉशिंगटन सुंदर, शिवम दुबे जैसे खिलाड़ी गेंदबाजी नहीं कर पा रहे। भारतीय टीम के लिये यह अच्छा नहीं है। पता नहीं इसके बारे में क्या कर सकते हैं लेकिन मैं इसका प्रशंसक नहीं हूं। रोहित ने कहा, ''यह मनोरंजक है क्योंकि 12 खिलाड़ी मैदान पर उतर सकते हैं। आप अतिरिक्त बल्लेबाज या गेंदबाज को उतार सकते हैं। जून में होने वाले टी20 विश्व कप के लिये भारतीय टीम को लेकर लग रही अटकलों के बीच रोहित ने कहा कि उन्होंने कोच राहुल द्रविड़ और मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर से मुलाकात नहीं की है। उन्होंने इन खबरों को फेक न्यूज बताते हुए कहा, ''मैं किसी से नहीं मिला हूं। अजित दुबई में गोल्फ खेल रहा है। राहुल भाई मुंबई में अपने बच्चे को खेलते देख रहे हैं। वह ब्रेबोर्न स्टेडियम पर खेल रहा है। अगर कैमरे पर आपने मुझे, राहुल, अजित या बीसीसीआई में किसी को बात करते नहीं देखा तो यह सब फेक है।

रोमांचक मुकाबले में मुम्बई इंडियंस ने पंजाब किंग्स को नौ रन से हराया

मुल्लांपुर,एजेंसी। सूर्यकुमार यादव (78) रनों की शानदार अर्धशतीय पारी और उसके बाद जसप्रीत बुमराह और गेराल्ड कोएत्जी की कातिलाना गेंदबाजी के दम पर मुम्बई इंडियंस ने गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 33वें मैच में पंजाब किंग्स को नौ रन से हरा दिया है। मुम्बई इंडियंस की सात मैचों में यह चौथी जीत है।

193 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 14 रन पर अपने चार विकेट गवां दिये। कप्तान सैम करन (6), प्रभसिमरन सिंह (शून्य), राइली रुसो (एक), लियम लिविंगस्टन (एक) रन बनाकर आउट हुये। ऐसे संकट के समय हरप्रीत सिंह और शशांक सिंह ने पारी को संभालने का प्रयास किया। हरप्रीत सिंह (13) और जितेश शर्मा (9) रन बनाकर आउट हुये। शशांक सिंह ने 25 गेंदों में दो चौके और तीन छक्के लगाते हुये 41 रन बनाये। आशुतोष शर्मा ने 28 गेंदों में दो चौके और सात छक्के लगाते हुए (61) रनों की पारी खेली। हरप्रीत बराड़ 21 बनाकर आउट हुये। कगिसो रबाडा आठ रन बनाकर आउट हुये। हर्षल पटेल एक रन बनाकर नाबाद रहे। पंजाब की टीम 19.1 ओवर में 183 रन पर सिमट गई। पंजाब की यह सात मैचों में पांचवीं हार है। मुम्बई इंडियंस की ओर से गेराल्ड कोएत्जी ने 32 रन देकर और जसप्रीत बुमराह 21 रन देकर ने तीन-तीन विकेट लिये। आकाश मधवाल और श्रेयस गोपाल को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले सूर्यकुमार यादव (78), रोहित शर्मा (36) और तलिक वर्मा के नाबाद (34) रनों की शानदार पारी के दम पर मुम्बई इंडियंस ने पंजाब किंग्स को जीत के लिए 193 रनों का लक्ष्य दिया था। आज यहां महाराज यदविंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में पंजाब किंग्स के कप्तान सैम करन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही और इशान किशन (8) को रबाड़ा ने पवेलियन भेज दिया। इसके बाद रोहित शर्मा ने सूर्यकुमार यादव के साथ पारी को संभाला और दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट लिये 81 रन जोड़े। 12वें ओवर में एस करन ने रोहित शर्मा को आउट कर दिया। रोहित ने 25 गेंदों में दो चौके और तीन छक्कों की मदद से 36 रन बनाये। वहीं सूर्यकुमार यादव ने 53 गेंदों में सात चौकों और तीन छक्के लगाते हुए 78 रनों की पारी खेली। उन्हें एस करन ने प्रभसिमरन के हाथों कैच आउट कराया। कप्तान हार्दिक पंड्या (10) और टिम डेविड (14), रोमारियो शेफर्ड (एक) रन बनाकर आउट हुये। तिलक वर्मा ने 18 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाते हुए नाबाद 34 रन बनाये। पंजाब ने निर्धारित सात विकेट पर 192 रनों का स्कोर खड़ा किया। पंजाब किंग्स की ओर से हर्षल पटेल को तीन विकेट मिले। सैम करन ने दो विकेट लिये। कगिसो रबाडा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

लखनऊ सुपर जाइंट्स के सामने चेन्नई के गेंदबाजों की कठिन चुनौती

लखनऊ,एजेंसी। लखनऊ सुपर जाइंट्स अपने घरेलू मैदान पर शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में उतरेगी तो उसके सामने चेन्नई सुपर किंग्स के धारदार गेंदबाजी आक्रमण का सामना करने की कठिन चुनौती होगी जो इकाना स्टेडियम की पिच पर कहर बरपा सकते हैं। रूतुराज गायकवाड़ की कप्तानी और महेंद्र सिंह धोनी की प्रेरणा वाली चेन्नई टीम ने पिछले दो मैच जीते हैं जबकि केएल राहुल की लखनऊ टीम को लगातार दो पराजय झेलनी पड़ी है। लखनऊ के बल्लेबाज अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके हैं और देखना होगा कि बेहतरीन फॉर्म में चल रहे चेन्नई के गेंदबाजों का सामना वे कैसे करते हैं।

यॉर्कर डालने में उस्ताद मथीषा पथिराना को डैथ ओवरों में खेल पाना बहुत मुश्किल है। वहीं मुस्ताफिजुर रहमान के पास कम से कम तीन वैरिएशन हैं। इकाना जैसे स्टेडियम पर जहां गेंद पर पकड़ अच्छी रहती है, रविंद्र जडेजा काफी असरदार साबित हो सकते हैं। लखनऊ में महीश तीक्षणा के रूप में एक अतिरिक्त स्पिनर को उतारा जा सकता है। लखनऊ में इस सत्र में पहली पारी का औसत स्कोर 175 रन रहा है जो दूसरे मैदानों से कम से कम 15 रन कम है। लखनऊ के युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव पिछले दोनों मैचों में पेट की मांसपेशी में खिंचाव के कारण नहीं खेल सके। उन्होंने अभ्यास शुरू किया और उनकी रफ्तार चेन्नई के बल्लेबाजों के लिये चुनौतीपूर्ण हो सकती है लेकिन देखना यह है कि वह कल खेल पाते हैं या नहीं। स्पिन में रवि बिश्नोई ने किफायती स्पैल फेंके हैं लेकिन वैरिएशन के अभाव के कारण अभी तक छह मैचों में चार ही विकेट ले सके। बिश्नोई और चेन्नई के आक्रामक बल्लेबाज शिवम दुबे की टक्कर देखने लायक होगी। लखनऊ के प्रमुख बल्लेबाज क्विंटोन डिकॉक लगातार दो अर्धशतकों के बाद पिछले तीन मैचों में कुछ खास नहीं कर सके। %इंपैक्ट प्लेयर% के नियम के कारण कृणाल पंड्या सातवें नंबर पर उतर रहे हैं और छह मैचों में 41 गेंद ही खेल सके। उनका पूरा इस्तेमाल नहीं करने का खामियाजा भी टीम को भुगतना पड़ा है। कप्तान राहुल भी 204 रन ही बना सके और अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं हैं। निकोलस पूरन ने छह मैचों में 19 छक्के लगाये हैं और उनसे इस लय को कायम रखने की उम्मीद होगी।

टीमें

लखनऊ सुपर जाइंट्स: केएल राहुल (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, निकोलस पूरन, आयुष बदोनी, काइल मेयर्स, मार्कस स्टोइनिस, दीपक हुडा, देवदत्त पडिक्कल, रवि बिश्नोई, नवीन उल हक, क्रुणाल पंड्या, युद्धवीर सिंह, प्रेरक मांकड़, यश ठाकुर, अमित मिश्रा, शमर जोसेफ, मयंक यादव, मोहसिन खान, के गौतम, शिवम मावी, अर्शिन कुलकर्णी, एम सिद्धार्थ, एश्टन टर्नर, मैट हेनरी, मोहम्मद अरशद खान।

चेन्नई सुपरकिंग्स: महेंद्र सिंह धोनी, अरावेली अवनीश, डेवोन कॉनवे, रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), अजिंक्य रहाणे, शेख रशीद, मोईन अली, शिवम दुबे, आरएस हंगरगेकर, रविंद्र जडेजा, अजय जादव मंडल, डेरिल मिशेल, रचिन रवींद्र, मिचेल सेंटनर, निशांत सिंधू, दीपक चाहर, तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी, मुस्तफिजुर रहमान, मथीसा पथिराना, सिमरजीत सिंह, प्रशांत सोलंकी, शारदुल ठाकुर, महेश तीक्षणा और समीर रिज्वी।

मैच का समय: शाम साढे सात बजे से।

घुटने की चोट के कारण श्रीशंकर ओलंपिक से बाहर, सर्जरी होगी

नई दिल्ली। लंबी कूद के दिग्गज खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर ट्रेनिंग के दौरान घुटने की चोट के कारण पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गए हैं और उन्हें सर्जरी करानी पड़ेगी जिसके कारण वह पूरे 2024 सत्र में नहीं खेल पाएंगे। एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता श्रीशंकर ने 2023 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 8.37 मीटर के प्रयास से रजत पदक जीतते हुए पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था। इस 25 वर्षीय खिलाड़ी को शंघाई/सुझोउ और दोहा में क्रमश-27 अप्रैल और 10 मई को लगातार दो डाइमंड लीग प्रतियोगिता के साथ अपने सत्र की शुरुआत करनी थी लेकिन मंगलवार को ट्रेनिंग के दौरान उन्हें चोट लगी और उनका ओलंपिक में हिस्सा लेने का सपना टूट गया।

श्रीशंकर ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, दुर्भाग्य से, यह बुरे सपने की तरह लगता है लेकिन यह हकीकत है, मेरा पेरिस ओलंपिक का सपना टूट गया है। उन्होंने कहा, मुझे मंगलवार को ट्रेनिंग के दौरान घुटने की चोट लगी और परीक्षण तथा परामर्श के बाद, यह फैसला किया गया कि मुझे सर्जरी कराने की जरूरत होगी। श्रीशंकर ने कहा, अपने पूरे जीवन में, मेरे अंदर प्रतिकूल परिस्थितयों का सामना करने का साहस रहा है, उन स्थितियों को स्वीकार करना जिसे मैं बदल नहीं सकता। उन चीजोंमें सकारात्मक नतीजा हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करना जहां मैं कर सकता हूं। पिछले साल जून में श्रीशंकर तीसरे स्थान पर रहकर डाइमंड लीग प्रतियोगिता में शीर्ष तीन में जगह बनाने वाले तीसरे भारतीय बने थे। हालांकि वह बुडापेस्ट में विश्व चैंपियनशिप के क्वालीफाइंग दौर से बाहर होने से निराश थे लेकिन हांगझोउ में एशियाई खेलों में रजत पदक जीतकर जोरदार वापसी की। श्रीशंकर ने कहा, जिंदगी अजीब पटकथाएं लिखती है और कभी-कभी इसे स्वीकार करने और आगे बढ़ने में साहस होता है। मैं यही करूंगा। उन्होंने कहा, मेरी वापसी का सफर उसी क्षण शुरू हो गया जब मेरे घुटने में चोट लगी। यह रास्ता लंबा, कठिन होने वाला है और मेरे से बहुत कुछ छीन लेगा। बॉस्केटबॉल के दिग्गज कोबे ब्रायंट को अपना आदर्श मानने वाले श्रीशंकर ने कहा, अच्छी बात यह है कि मेरे पास देने के लिए बहुत कुछ है। मैं इससे निपट लूंगा क्योंकि मांबा मानसिकता का यही मतलब है। शब्द माम्बा मानसिकता लॉस एंजिल्स लेकर्स स्टार की जीवन और प्रतिस्पर्धा के प्रति मानसिकता और सकारात्मक दृष्टिकोण को दर्शाता है।

भारतीय पहलवानों के सामने ओलंपिक कोटा हासिल करने की चुनौती, नजरें विनेश के प्रदर्शन पर

बिश्केक (किर्गिस्तान)। भारत के 17 पहलवान शुक्रवार से यहां शुरू हो रहे एशिया ओलंपिक क्वालीफायर के जरिये पेरिस खेलों का कोटा हासिल करने के लिए जब चुनौती पेश करेंगे तो सबसे ज्यादा नजरें दो बार की ओलंपियन विनेश फोगाट पर होगी।इस प्रतियोगिता में फ्रीस्टाइल, महिला और ग्रीको-रोमन में कुल 36 कोटा स्थान दांव पर होंगे। भारतीय पहलवान सिर्फ एक स्पर्धा को छोड़कर सभी भार वर्ग में कोटा हासिल करने की कोशिश करेंगे।

उन्नीस साल की अंतिम पंघाल ने सर्बिया के बेलग्रेड में 2023 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीत कर भारत के लिए महिलाओं के 53 किग्रा में पहले ही कोटा स्थान पक्का कर लिया है। महिला वर्ग में अब विनेश (50 किग्रा), रीतिका हुड्डा (76 किग्रा), मौजूदा अंडर-23 विश्व चैंपियन अंशु (57 किग्रा), मानसी (62 किग्रा) और निशा (68 किग्रा) के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का समय आ गया है। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ भारतीय पहलवानों के विरोध का प्रमुख चेहरा रही विनेश के प्रदर्शन पर सबसे ज्यादा नजरें रहेंगी। पिछले कुछ समय से गलत कारणों से चर्चा में रहने वाली 29 वर्षीय खिलाड़ी ने मार्च में 50 किग्रा में राष्ट्रीय चयन ट्रायल जीता था। उन्होंने पटियाला में हुए इस चयन ट्रायल में अधिकारियों से अनुमति मिलने के बाद 53 किग्रा वर्ग में भी प्रतिस्पर्धा की थी, लेकिन वह सेमीफाइनल में हार गईं थी। विनेश ने आरोप लगाया था कि उनके निजी कोच और फिजियो को एशियाई

ओलंपिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के लिए एक्रिडिटेशन (मान्यता) नहीं मिला। वह इन विवादों को पीछे छोड़कर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेताब होगी। पुरुषों के फ्रीस्टाइल वर्ग में, अमन सहरावत (57 किग्रा) राष्ट्रीय ट्रायल में तोक्यो ओलंपिक पदक विजेता रवि दहिया को पछाड़कर अपनी जगह बनाने के बाद सुर्खियों बटोरी थी। वह अच्छी लय में भी हैं। उन्होंने इस साल जनवरी में जगरेब ओपन में स्वर्ण पदक जीता था। उनके अलावा सुजीत पर भी नजर रहेगी क्योंकि वह तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता बजरंग पूनिया की विफलता के बाद 65 किग्रा वर्ग में चुनौती का नेतृत्व कर रहे हैं। तोक्यो में पदक जीतने से चूके दीपक पूनिया (86 किग्रा) से यहां कोटा तय करने के मजबूत दावेदार है तो वहीं जयदीप (74 किग्रा), दीपक (97 किग्रा) और सुमित (125 किग्रा) भी अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखा कर भारत के लिए कोटा हासिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ा चाहेंगे। महाद्वीपीय क्वालीफायर में स्वर्ण पदक, रेपेचेज या कांस्य पदक के लिए मुकाबला नहीं होगा। प्रत्येक ओलंपिक भार वर्ग में दोनों सेमीफाइनल के विजेता पेरिस खेलों के लिए अपने देशों के लिए कोटा अर्जित करेंगे। ग्रीको-रोमन में सुमित (60 किग्रा), आशु (67 किग्रा), विकास (77 किग्रा), सुनील (87 किग्रा), नितेश (97 किग्रा) और नवीन (130 किग्रा) पर देश के लिए कोटा हासिल करने का दारोमदार होगा।

वेस्टइंडीज ने हेली मैथ्यूज के हारफनमौला प्रदर्शन से पाकिस्तान को 113 रन से हराया

कराची। कप्तान हेली मैथ्यूज के हरफनमौला प्रदर्शन नाबाद (140) और 17 रन देकर तीन विकेट की बदौलत वेस्टइंडीज की महिला टीम ने गुरुवार को पहले एकदिवसीय मुकाबले में पाकिस्तान को 113 रनों के बड़े अंतर से हराया दिया है। पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में सिदरा अमीन एक रन के रूप में अपना पहला विकेट गवां दिया। उसके बाद बिस्माह मारूफ भी (सात) रन बनाकर पवेलियन लौट गई। कप्तान निदा डार ने (19) रन बनाये। इसके बाद लगातार अंतराल पर वेस्टइंडीज के गेंदबाजों के आगे पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने घुटने टेक दिये और विकेट एक के बाद एक गिरते रहे। आलिया रियाज (16), फातिमा सना (10), नाजिहा अल्वी (20), तुबा हसन (25), डायना बेग (10) सादिया इकबाल (3) रन बनाकर आउट हुई। पाकिस्तान की पूरी टीम 35.5 ओवर में 156 रन पर सिमट गई और वेस्टइंडीज के हाथों उसे 113 रनों से शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। वेस्टइंडीज की ओर से हेली मैथ्यूज ने तीन विकेट लिये। ऐफी फ्लेचर और जायडा जेम्स ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया। शिनेल हेनरी और शमिला कॉनेल को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले आज यहां वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सलामी बल्लेबाज हेली मैथ्यूज और शमैन कैंपबेल की बेहतरी पारियों की मजबूत स्कोर खड़ा किया। मैथ्यूज ने 150 गेंदों में 15 चौके और एक छक्के लगाते हुए नाबाद 140 रन बनाये। शमैन कैंपबेल 45 रनों की पारी खेली। शिनेल हेनरी (23), आलिया ऑलेन (17), शडीन नेशन (17)बनाकर आउट हुई। करिश्मा रामहैरक (पांच) रन बनाकर नाबाद रही। वेस्टइंडीज ने निर्धारित 50 ओवरों में आठ विकेट पर 269रन का स्कोर खड़ा किया। पाकिस्तान की ओर से सादिया इक़बाल, तुबा हसन ने दो-दो विकेट लिये। नश्रा संधू और निदा डार ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

गुजरात पर मिली जीत के बाद डीसी के गेंदबाजी कोच होप्स ने कहा- मैच में सब कुछ हमारे हिसाब से हुआ

अहमदाबाद। एकजुट और सामूहिक गेंदबाजी प्रयास के कारण जेएसडब्ल्यू और जीएमआर की सह-स्वामित्व वाली फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने बुधवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आईपीएल 2024 के अपने सातवें मैच में गुजरात जायंट्स पर छह विकेट से शानदार जीत दर्ज की। मुकेश कुमार ने तीन विकेट लिए, जबकि ईशांत शर्मा और ट्रिस्टन स्टब्स ने दो-दो विकेट लेकर घरेलू टीम को 17.3 ओवर में सिर्फ 89 रन पर आउट कर दिया। इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स ने जेक फ्रेजर-मैकगर्क (10 गेंदों पर 20), अभिषेक पोरेल (7 गेंदों पर 15), शाई होप (10 गेंदों पर 19) और कप्तान ऋषभ पंत (नाबाद 16) के योगदान से केवल 8.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। प्रदर्शन पर दिल्ली कैपिटल्स के बॉलिंग कोच जेम्स होप्स ने गुरुवार को फ्रैंचाइजी द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में कहा, गुजरात के खिलाफ लड़कों ने गेंद से अच्छी शुरुआत की और फिर सब कुछ हमारे हिसाब से हुआ। खेल को खत्म करना अच्छा था जैसा हमने बल्ले से भी किया था।

उन्होंने आगे कहा, यह एक अच्छा मैच रहा लेकिन हमें अपने अगले मैच के लिए बहुत जल्दी बदलाव मिल गया है। इसलिए, लड़के इस जीत का आनंद लेंगे और फिर दिल्ली वापस घर जाने के लिए तैयार होना शुरू कर देंगे। इस बीच, 2.3 ओवर में 14 रन देकर 3 विकेट लेने वाले दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार ने कहा, हम इस मैच के लिए अच्छी तरह से तैयार होकर आए थे और टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के लिए यह जीत हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। मुझे लगता है कि जल्दी सफलताएँ महत्वपूर्ण थीं क्योंकि इससे हमें गति मिली। उन्होंने कहा, मुझे आखिरी चार ओवरों में गेंदबाजी करने में मजा आता है और मुझे पता था कि मैं आखिरी दो ओवरों में गेंदबाजी करूंगा, इसलिए योजनाओं के साथ आया था। यह दिल्ली कैपिटल्स की सीजन की तीसरी जीत थी। वे सात मैचों में छह अंकों के साथ अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गए हैं।

एक नजर

स्वदेशी प्रौद्योगिकी क्रूज़ मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण

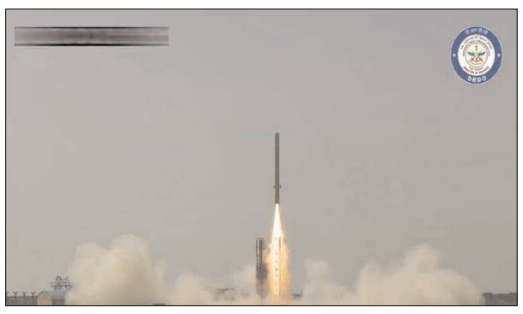

नई दिल्ली,एजेंसी। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने ओडिशा तट पर एकीकृत परीक्षण रेंज, दीपुर से गुरूवार को स्वदेशी प्रौद्योगिकी क्रूज़ मिसाइल (आईटीसीएम) का सफल उड़ान परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार परीक्षण के दौरान मिसाइल की सभी उप-प्रणालियों ने उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन किया। परीक्षण रेंज पर विभिन्न स्थानों पर तैनात रडार, इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम और टेलीमेट्री जैसे कई सेंसर द्वारा मिसाइल परीक्षण की निगरानी की गई थी। वायु सेना के सुखोई विमान से भी मिसाइल की उड़ान पर नजर रखी गई। इस सफल उड़ान परीक्षण के माध्यम से गैस टर्बाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान (जीटीआरई), बेंगलुरु द्वारा विकसित स्वदेशी प्रणोदन प्रणाली को भी कसौटी पर परखा गया। यह मिसाइल बेहतर और विश्वसनीय प्रदर्शन उन्नत एवियोनिक्स और सॉफ्टवेयर से भी लैस है। मिसाइल को अन्य प्रयोगशालाओं और भारतीय उद्योगों के योगदान के साथ बेंगलुरु स्थित डीआरडीओ प्रयोगशाला वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (एडीई) द्वारा विकसित किया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आईटीसीएम के सफल उड़ान-परीक्षण के लिए डीआरडीओ को बधाई दी है और कहा है कि स्वदेशी प्रणोदन द्वारा संचालित लंबी दूरी की स्वदेशी सबसोनिक क्रूज मिसाइल का सफल विकास भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास के लिए एक मील का पत्थर है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी कामत ने आईटीसीएम की सफल उडान परीक्षण पर डीआरडीओ की पूरी टीम को बधाई दी।

साउथ इंडियन बैंक की अशोक लेलैंड के साथ साझेदारी

नई दिल्ली,एजेंसी। साउथ इंडियन बैंक ने अपने डीलर वित्त कार्यक्रम के तहत डीलरों को वित्तपोषण के लिए वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली कंपनी अशोक लेलैंड लिमिटेड के साथ साझेदारी की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इस साझेदारी के तहत बैंक अशोक लेलैंड लिमिटेड के डीलरों को डीलर फाइनेंस विकल्प प्रदान करेगा। इसके साथ, साउथ इंडियन बैंक का लक्ष्य अशोक लेलैंड के डीलर भागीदारों को वाहन इन्वेंट्री फंडिंग को सुव्यवस्थित करने में मदद करना है। यह व्यवस्था वाहन निर्माता, उनके डीलरों और साउथ इंडियन बैंक के लिए पारस्परिक रूप से लाभप्रद है। बैंक के वरिष्ठ महाप्रबंधक और समूह व्यवसाय प्रमुख बिजी एस.एस. ने कहा, हम अशोक लेलैंड के साथ साझेदारी करके बेहद खुश हैं। अपने विविध वित्तीय समाधानों के माध्यम से, हमारा लक्ष्य डीलरों को सुविधाजनक और संपूर्ण वित्तपोषण विकल्प प्रदान करना है। हमारा मानना है कि यह साझेदारी दोनों संगठनों की व्यावसायिक जरूरतों को पूरा करेगी और एक मजबूत सकारात्मक प्रभाव पैदा करेगी। कंपनी के निदेशक और मुख्य वित्तीय अधिकारी गोपाल महादेवन ने कहा, हम साउथ इंडियन बैंक के साथ साझेदारी करके प्रसन्न हैं। यह गठबंधन हमारे डीलरों के नेटवर्क को उचित इन्वेंट्री वित्तपोषण समाधान प्रदान करेगा। हम, अशोक लीलैंड और साउथ इंडियन बैंक, असाधारण ग्राहक अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

ईडी ने सोरेन के जमीन खरीद से जुड़े मामले में चार और को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड में बरियातू जमीन सौदे से संबंधित एक धन शोधन के मामले की जांच कर रही केंद्रीय एजेंसी (ईडी) ने छापे मार कर चार आरोपित व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। जमीन अधिग्रहण में कालीकमाई खपाने के आरोप में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कुछ एक अधिकारी जुड़े हैं। ईडी की गुरुवार को जारी एक विज्ञप्ति में उसकी हाल की कार्रवाई में गिरफ्तार व्यक्तियों के नाम प्रिय रंजन सहाय, इरशाद अख्तर, अंतु तिर्की और बिपिन सिंह बताए गए हैं। इसके अलावा असरफ अली नाम के एक अन्य व्यक्ति को भी हिरासत में लिया गया है जिसे विशेष ईडी अदालत ने 22 अप्रैल तक हिरात में रखने की मंजूरी दी है।

इससे पहले सद्दाम हुसैन नाम का एक और आरोपी भी 20 अप्रैल तक ईडी की हिरासत में है। उल्लेखनीय है कि यह पूरा मामला पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा रांची के बरियातू में अधिग्रहित की गयी 8.8 एकड़ जमीन से जुड़ा है। इस मामले में श्री सोरेन के अलावा राजस्व विभाग के एक अधिकारी भानुप्रताप प्रसाद पहले से गिरफ्तार हैं और न्यायिक हिरासत में हैं। इसी जमीन सौदे में अवैध कमाई के खपाने के मामले की जांच धन शोधन निवारक अधिनियम 2002 के तहत जांच कर रही है। भानुप्रताप प्रसाद जमीन के मूल सरकारी दस्तावेजों का रक्षक था। श्री सोरेन और प्रसाद पर आरोप है कि उन्होंने अपराध की कमाई को हासिल कर के उसको विभिन्न तरीकों से छुपाया। ईडी ने श्री सोरेन, प्रसाद और चार अन्य के विरुद्ध अभियोजन के लिए शिकायत दर्ज की थी। आरोप है कि श्री प्रसाद और अन्य आरोपियों ने सरकारी मूल्यांकन में उक्त 31 करोड़ की जमीन के अवैध तरीके से अधिग्रहण और उस पर कब्ज़ा करने में श्री सोरेन की सहायता की और उन्हें बढ़ावा दिया। ईडी ने इस जमीन को कुर्क कर लिया। इसके बाद, सद्दाम हुसैन को अभिलेखों की जालसाजी और फर्जीवाड़ा करने के आरोप में नौ अप्रैल को गिरफ्तार कर लिया था। ईडी ने जमीन के सौदों में इसी तरह की हेराफेरी के कथित पांच मामलों में झरखंड पुलिस और कोलकाता पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी के आधार पर उनमें काली कमाई को ठिकाने लगाने के पहलुओं की जांच शुरू की है। ईडी की इस जांच में कुछ सरकारी अधिकारियों से कई व्यक्ति फंसे हैं। जांच से पता चला है कि झारंड में भू-माफिया सक्रिय हैं जो जमीनों के मूल दस्तावेजों को फर्जी तरीके से बदल देते हैं या उन्हें लुप्त करा देते हैं। ईडी इस संबंध में तलाशी की 51 कार्रवाई और नौ सर्वे करा चुका है। इन कार्रवाइयों में ईडी ने करीब 1.15 करोड़ रुपये की नकदी और 3.56 करोड़ रुपये के बैंक खातों को जब्त किया है।

भाजपा सरकार में युवा कर रहे आत्महत्याः अखिलेश

कन्नौज,एजेंसी। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार में युवाओं को नौकरियां नहीं मिल रहीं जिसकी वजह से नौजवान आत्महत्या कर रहे हैं। उन्होने कहा कि कन्नौज के ब्रजेश पाल के अलावा फिरोजाबाद की एक बेटी ने भी आत्महत्या कर ली। अभी जो आंकड़े आए हैं, उसके अनुसार 90 फीसदी युवाओं के पास काम नहीं है। कन्नौज से चुनाव लड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा, आज मैं कन्नौज के लोगों से मिला हूं। उनसे हाथ मिलाया। जल्द ही समाजवादी प्रत्याशी के नाम की घोषणा करेगी और कन्नौज में रिकार्ड मतों से सपा जीत हासिल करेगी। कन्नौज के गांव-गांव से आवाज आ रही कि सांसद जी हाजिर हों और सांसद जी पुलिस को ठोक रहे हैं। श्री यादव ने दावा किया इस बार गाजियाबाद से लेकर गाजीपुर तक भाजपा का सफाया हो जायेगा। बाद में अखिलेश यादव का काफिला ठठिया के भदौसी गांव की ओर रवाना हो गया। जहां वह पार्टी के जिला प्रवक्ता विजय द्विवेदी के आवास पर पहुंचे। कुछ देर मुलाकात करने के बाद वह लखनऊ के लिए रवाना हो गये। इससे पहले जिला कार्यालय में अखिलेश ने कन्नौज विधानसभा क्षेत्र के जोनल प्रभारियों और सेक्टर प्रभारियों के साथ बैठक की। लंबी बैठक के बाद वह कन्नौज के एक गेस्ट हाउस में पहुंचे। जहां सपा नेता नेमसिंह यादव की बहन की शादी समारोह में शामिल हुए। इसके बाद वह कन्नौज कोतवाली क्षेत्र के भूड़पुरवा गांव गए। यहां कुछ समय पहले ही बेरोजगारी से परेशान होकर ब्रजेश पाल नाम के एक युवक ने अपनी डिग्रियां जला कर सुसाइड कर लिया था। उसके पास से मिले सुसाइड लेटर में आत्महत्या का कारण उसने बेरोजगारी लिखा था। ऐसे में अखिलेश यादव ने उसके घर पहुंच कर श्रद्धांजलि अर्पित की और परिजनों से मिलकर शोक संवेदना प्रकट की।

शेयर बाजार में चौथे दिन गिरावट

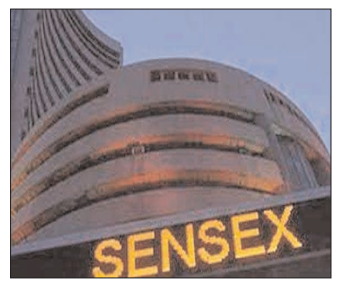

मुंबई,एजेंसी। विश्व बाजार की तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर ऊर्जा, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, बैंकिंग और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स समेत अठारह समूहों में हुई बिकवाली से आज शेयर बाजार लगातार चौथे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 454.69 अंक का गोता लगाकर 72,488.99 अंक पर आ गया। साथ ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 152.05 अंक की गिरावट लेकर 22 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक अंक के नीचे 21,995.85 अंक पर बंद हुआ। हालांकि बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों कि शेयरों में मिलाजुला रुख रहा। मिडकैप 0.39 प्रतिशत उतरकर 40,159.66 अंक रह गया जबकि स्मॉलकैप 0.06 प्रतिशत बढ़कर 45,450.47 अंक हो गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 3929 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1934 में बिकवाली जबकि 1863 में लिवाली हुई वहीं 132 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 36 कंपनियों में गिरावट जबकि शेष 14 में तेजी रही। बीएसई में टेक और दूरसंचार में 1.62 प्रतिशत तक की तेजी को छोड़कर शेष 18 समूहों में गिरावट का रुख रहा। इस दौरान कमोडिटीज 0.39, सीडी 0.54, ऊर्जा 1.28, एफएमसीजी 1.00, वित्तीय सेवाएं 0.62, हेल्थकेयर 1.23, इंडस्ट्रियल्स 0.03, आईटी 0.19, यूटिलिटीज 0.20, ऑटो 0.73, बैंकिंग 1.09, कैपिटल गुड्स 0.01, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.52, धातु 0.50, तेल एवं गैस 0.96, पावर 0.33, रियल्टी 0.70 और सर्विसेज समूह के शेयर 0.24 प्रतिशत टूट गए। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तेजी रही। इस दौरान ब्रिटेन का एफ्टीएसई 0.21, जर्मनी का डैक्स 0.01, जापान का निक्केई 0.31, हांगकांग का हैंगसेंग 0.82, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.95 और चीन का शंघाई कम्पोजिट 0.09 प्रतिशत मजबूत रहा। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 239 अंक की तेजी के साथ 73,183.10 अंक पर खुला और दोपहर तक 73,473.05 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंचा लेकिन भारी बिकवाली के दबाव में कारोबार के अंतिम चरण में 72,365.67 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 72,943.68 अंक के मुकाबले 0.62 प्रतिशत लुढ़ककर 72,488.99 अंक रह गया। इसी तरह निफ्टी 64 अंक उतरकर 22,212.35 अंक पर खुला और सत्र के 22,326.50 अंक के उच्चतम जबकि 21,961.70 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 22,147.90 अंक की तुलना में 0.69 प्रतिशत कमजोर रहकर 21,995.85 अंक पर बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स की जिन कंपनियों ने नुकसान उठाया उनमें नेस्ले इंडिया 3.31, टाइटन 3.31, एक्सिस बैंक 2.72, एनटीपीसी 2.19, टाटा मोटर्स 2.12, आईटीसी 1.64, टेक महिंद्रा 1.35, बजाज फिन सर्व 1.30, आईसीआईआई बैंक 1.13, एचडीएफसी बैंक 0.98, विप्रो 0.96, एसबीआई 0.94, सन फार्मा 0.86, मारुति 0.80, टीसीएस 0.23, रिलायंस 0.21, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.07 और टाटा स्टील 0.03 प्रतिशत शामिल हैं।

तेलंगाना में केंद्र ने विकास के लिए 10 लाख करोड़ किए आवंटितः किशन

हैदराबाद,एजेंसी। केंद्रीय मंत्री और तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने पिछले 10 वर्षों में राज्य के विकास के लिए 10 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। हिमायत नगर में एक सभा को संबोधित करते हुए, श्री रेड्डी ने अपने पांच वर्षीय कार्यकाल के दौरान सिकंदराबाद निर्वाचन क्षेत्र की प्रगति पर एक रिपोर्ट जारी किया। उन्होंने पर्यटन, संस्कृति और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय सहित पांच मंत्रालय आवंटित करने पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए एक पावरपॉइंट प्रस्तुत की।

श्री रेड्डी ने संस्कृति विभाग द्वारा 'आजादी का अमृत महोत्सव' आयोजित करने सहित अनेक विभिन्न पहलों पर प्रकाश डाला, जहां हर घर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इसके अतिरिक्त, अल्लूरी और तेलंगाना मुक्ति दिवस मनाने वाले त्योहारों का आयोजन किया गया और पर्यटन तथा संस्कृति विभाग ने जी20 बैठकों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अवसंरचना विकास पर चर्चा करते हुए, श्री रेड्डी ने मोदी सरकार के नौ वर्षों के शासनकाल के दौरान 2,500 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण का उल्लेख किया और कहा कि हैदराबाद के चारों ओर एक क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) का निर्माण करने के लिए चल रही परियोजनाओं और योजनाओं के लिए 26,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने रेलवे विकास कार्यों की तुलना वर्तमान सरकार और यूपीए सरकार के दौरान करते हुए कहा कि तेलंगाना में अब सालाना 55 किलोमीटर रेलवे लाइनों का निर्माण किया जा रहा है, जो कुल 1,645 किलोमीटर और कुल व्यय 31,221 करोड़ रुपये है। उन्होंने काजीपेट में आरएमयू इकाई की स्थापना और वारंगल में एक मेगा टेक्सटाइल पार्क की शुरुआत पर भी प्रकाश डाला। कृषि के संदर्भ में, श्री रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना के किसानों को उर्वरकों के लिए 27,000 करोड़ रुपये की सब्सिडी और प्रधाननमंत्री किसान सम्मान योजना के अंतर्गत सब्सिडी का वितरण किया गया है। स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा पर, उन्होंने मुलुगु में एक जनजातीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद बायोमेडिकल रिसर्च सेंटर की स्थापना और राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान और महिलाओं के लिए राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान जैसी पहलों का उल्लेख किया। श्री रेड्डी ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास, चारलापल्ली टर्मिनल की स्थापना और लिंगमपल्ली और घाटकेसर के बीच एमएमटीएस सेवाओं के उद्घाटन सहित अवसंरचनात्मक परियोजनाओं पर चर्चा की। श्री रेड्डी ने तेलंगाना में व्यापक विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर बल देते हुए विरासत संरक्षण, सांस्कृतिक संवर्धन और लोक कल्याण में उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला।

आस्था, सुरक्षा व समृद्धि के भाजपा जरुरीः योगी आदित्यनाथ

बुलंदशहर, मेरठ, गाजियाबाद। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्टार प्रचारक और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आस्था, सुरक्षा व समृद्धि के लिए मतदाताओं से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार मौका देने और उनके हाथ मजबूत करने की अपील की। श्री योगी ने गौतमबुद्ध नगर लोकसभा सीट से प्रत्याशी डॉ महेश शर्मा, मेरठ लोकसभा सीट से प्रत्याशी अरुण गोविल और गाजियाबाद सीट से पार्टी प्रत्याशी अतुल गर्ग के पक्ष में चुनावी जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आस्था, सुरक्षा व समृद्धि के लिए भाजपा आवश्यक है। सपा-बसपा व कांग्रेस के लोग कर्फ्यू वाले हैं। इनके राज में महीनों कर्फ्यू लगा रहता था पर आज प्रदेश में कर्फ्यू नहीं है। दंगा कराकर यह लोग प्रदेश को अस्त-व्यस्त करते थे। यह दंगा पॉलिसी चलाते थे, हम विकास की पॉलिसी चलाते हैं। हमारी सरकार में सामान्य प्रदेशवासियों को %राम-राम% और माफिया-अपराधियों के लिए %राम नाम सत्य% की यात्रा के रास्ते खुले रहेंगे।

जनसभाओं के दौरान उनके निशाने पर कांग्रेस, सपा और बसपा रही। उन्होंने कहा कि रामनवमी पर अयोध्या में श्रीराम के भव्य सूर्य तिलक को देख हर कोई अभिभूत रह गया। उन्होंने सवालिया अंदाज में कहा कि अगर कांग्रेस, सपा या बसपा की सरकार होती तो क्या अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बन पाता। योगी ने आर्थिक रूप से तबाह हो रहे पाकिस्तान की दुर्दशा का जिक्र करते हुये कहा कि एक तरफ भारत 80 करोड़ लोगों को पिछले चार साल से मुफ्त राशन दे रहा है और अगले पांच साल तक देता रहेगा, वहीं 22 करोड़ की आबादी वाले पाकिस्तान में लोग भूखों मर रहे हैं। बुलंदशहर में गौतमबुद्ध नगर लोकसभा सीट के लिए आयोजित रैली के दौरान योगी ने भाजपा प्रत्याशी डॉ. महेश शर्मा के वोट की अपील की। इस दौरान समाजवादी पार्टी के कई नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने कहा कि आज हम सभी नए भारत में हैं। 2014 के चुनाव के साक्षी लोग जानते हैं कि उस समय कैसा भारत था। देश में आतंकवाद, नक्सलवाद, अलगाववाद सिर चढ़कर बोल रहा था। सभी संस्थाओं में भ्रष्टाचार चरम पर था। युवा निराश व किसान आत्महत्या कर रहा था। मेरठ-हापुड़ लोकसभा सीट के लिए किठौर में प्रचार की कमान संभालते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत और पाकिस्तान एक साथ ब्रिटिश हुकूमत से आजाद हुए मगर आज पाकिस्तान भूखों मर रहा है और भारत में 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन दिया जा रहा है। पाकिस्तान की आबादी 22 करोड़ है, बंटवारे के समय उनके हिस्से उर्वरा भूमि गई, बावजूद इसके आज पाकिस्तान की जनता भूखों मर रही है। वहीं पाकिस्तान की आबादी से भी अधिक लोग भारत में पिछले 10 साल में गरीबी रेखा से ऊपर आ चुके हैं। सीएम योगी मेरठ के किठौर में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मेरठ-हापुड़ लोकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार अरुण गोविल के पक्ष में मतदान की अपील की। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि रामनवमी के अगले दिन ही मेरा यहां आना हुआ है। जब अरुण गोविल रामायण सीरियल में भगवान राम का रोल अदा कर रहे थे और उसके माध्यम से कलियुग में भगवान राम के जीवन को चित्रित कर रहे थे, उस समय उन्हें भी नहीं पता कि एक दिन भगवान श्रीराम अपनी जन्मभूमि पर अपना जन्मदिन मनाएंगे। जिस साल मेरठ से अरुण गोविल प्रत्याशी बने, उसी साल 500 वर्षों के इंतजार के बाद श्रीराम अपना जन्मोत्सव मना रहे हैं। पिलखुआ में गाजियाबाद लोकसभा सीट के लिए प्रचार की कमान संभालते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूरे देश में एक ही स्वर गूंज रहा है- फिर एक बार मोदी सरकार, अबकी पार 400 पार। यह नारा अकारण ही नहीं गूंज रहा है, बल्कि इसके पीछे देश के अंदर 10 वर्ष में हुआ परिवर्तन है। देश के परिवर्तन का कारण केवल नरेंद्र मोदी हैं। पाकिस्तान की जितनी आबादी है, भारत में उससे अधिक आबादी 10 वर्ष में गरीबी रेखा से मुक्त होकर खुशहाल जीवन यापन कर रही है। उन्होंने जनसभा कर गाजियाबाद से भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी व विधायक अतुल गर्ग के लिए कमल का फूल खिलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि पिलखुआ के हस्तशिल्पियों व कारीगरों ने हैंडलूम के माध्यम से अपने हुनर का लोहा मनवाया। सीएम योगी ने कहा कि यहां इंफ्रास्ट्रक्चर के बड़े-बड़े कार्य हुए हैं। दिल्ली से मेरठ के बीच 12 लेन का हाइवे बन चुका है। रैपिड रेल का कार्य तेजी से चल रहा है। 2014 में मोदी जी आए थे तो देश के महज पांच शहरों में मेट्रो थी, आज देश के 20 और यूपी के छह शहरों (लखनऊ, गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, आगरा, कानपुर) में मेट्रो सेवा शुरू हो चुकी है।

राजस्थान में प्रथम चरण में दो केंद्रीय मंत्रियों सहित 114 प्रत्याशी आजमा रहे हैं चुनावी भाग्य

जयपुर। राजस्थान में लोकसभा चुनाव के पहले चरण में शुक्रवार को हो रहे चुनाव में दो केंद्रीय मंत्री, दो सांसद, तीन पूर्व सांसद, राज्य के आधा दर्जन पूर्व मंत्री और तीन पूर्व विधायक सहित 114 प्रत्याशी चुनाव मैदान में अपना चुनावी भाग्य आजमा रहे हैं। पहले चरण में 12 लोकसभा क्षेत्र गंगानगर, बीकानेर, चुरु, झुन्झनूं, सीकर, जयपुर ग्रामीण, जयपुर शहर, अलवर, भरतपुर, करौली-धौलपुर, दौसा एवं नागौर में हो रहे चुनाव में केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल बीकानेर सुरक्षित सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी और केन्द्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव अलवर से भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। जबकि सांसद सुमेधानंद सरस्वती सीकर से भाजपा एवं भाजपा छोड़कर कांग्रेस में आये सांसद राहुल कस्वां चुरू से कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में है।

इसी तरह पूर्व सांसद रामस्वरूप कोली भरतपुर से भाजपा , ज्योति मिर्धा नागौर से भाजपा, हनुमान बेनीवाल राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) के उम्मीदवार के रूप में नागौर से चुनाव लड़ रहे हैं। इसी तरह राज्य के पूर्व मंत्री कन्हैया लाल मीणा दौसा से भाजपा, मुरारी लाल मीणा दौसा से कांग्रेस, प्रताप सिंह खाचरियावास जयपुर शहर से कांग्रेस, भजनलाल जाटव करौली-धौलपुर से कांग्रेस एवं बृजेन्द्र ओला झुंझुनूं से कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुनाव चुनाव मैदान ताल ठोक रखी है। इसी तरह पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी झुंझुनूं से भाजपा, अमराराम चौधरी सीकर से मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा), कुलदीप सिंह इंदौरा गंगानगर से कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। इसके अलावा गंगानगर से प्रियंका बैलान मेघवाल गंगानगर से भाजपा, पैरालंपिक विजेता देवेंद्र झाझडिया चुरू, मंजू शर्मा जयपुर शहर से भाजपा ,करौली धौलपुर से इंदु देवी भाजपा ,जयपुर ग्रामीण से अनिल चोपड़ा कांग्रेस , अलवर से ललित यादव कांग्रेस, भरतपुर से संजना जाटव कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में एवं अन्य दलों के प्रत्याशी तथा निर्दलीयों सहित इस चरण में कुल 114 प्रत्याशी चुनाव मैदान में अपना चुनावी भाग्य आजमा रहे हैं। प्रथम चरण में इन प्रत्याशियों में 12 महिला उम्मीदवार अपना चुनावी भाग्य आजमा रही है जिनमें चार भाजपा एवं एक कांग्रेस की उम्मीदवार शामिल हैं। इस चुनाव में भाजपा के 12 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं जबकि कांग्रेस के दस उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। कांग्रेस ने गठबंधन के तहत सीकर और नागौर सीट पर अपने उम्मीदवार चुनाव मैदान में नहीं उतारे और सीकर से माकपा एवं नागौर में रालोपा उम्मीदवार को समर्थन दिया है।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी, सैफुल्लाह सिद्दिकी द्वारा आरडी प्रिंटिंग एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-08, नोएडा (यूपी), से छपवा कर एन-81, बटला हाउस, जामिया नगर पुलिस स्टेशन, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 से प्रकाशित किया। सर्वाधिकार सुरक्षित, किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा। (संपादक- सैफुल्लाह सिद्दिकी)